आज का विचार

बहुत खूबसूरत होते हैं वो लम्हे, जब हमारे दोस्त हमारे साथ होते हैं, उससे भी खूबसूरत वो लम्हें जब वे हमें दूर से भी याद करते हैं।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़। वीरवार, 28 दिसंबर, 2023 | वर्ष 21, अंक 307, मूल्य: 3 रुपए | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लाभार्थियों से किया सीधा संवाद

विधायक मोहनलाल बड़ौली ने गांव जाटी कलां तथा जाटी खुर्द में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम का किया शुभारंभ

- गांव जाटी कलां में विधायक ने 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाली ई लाइब्रेरी की रखी आधारशिला
- मोदी की गारंटी वैन के माध्यम से लाभार्थियों ने उठाया सरकार की अंत्योदय योजनाओं का लाभ

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद आज सोनीपत के गांव जाटी कलां तथा जाटी खुर्द पहुंची। कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्यातिथि राई से विधायक श्री मोहनलाल बड़ौली ने गांव जाटी कलां में 25 लाख की लागत से बनने वाली ई - लाइब्रेरी की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि इस लाईब्रेरी के बनने से यहां के बच्चों को पढ़ने के लिए एक शांतिपूर्ण माहौल मिलेगा और वे लगन से अपनी पढ़ाई कर सकेंगे। विधायक श्री मोहनलाल बड़ौली ने लाभार्थियों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में गरीबों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री का संकल्प है कि 2047 तक देश को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना है। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास सरकार का लक्ष्य है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं को घर - घर तक पहुंचने में जिला प्रशासन द्वारा अहम भूमिका निभाई जा रही है, जिसमें जनप्रतिनिधियों द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीबी, एनीमिया आदि की जांच, निरोगी हरियाणा योजना का लाभ, कॉमन सर्विस सेंटर का संचालन, बैंकिंग सेवाओं के लिए स्टाल, ऋण आवेदनों के लिए हेल्प डेस्क लगाए गए।

कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को प्रचार सामग्री का वितरण भी किया गया। विधायक ने जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेते हुए शपथ ली कि भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे। कार्यक्रम के दौरान डॉ० संजय शर्मा ने अपने पैतृक मकान को डिस्पेंसरी के लिए मुफ्त में देने की घोषणा की।

विधायक श्री बड़ौली ने गांव की गर्भवती महिलाओं को फल वितरित करने के साथ - साथ लाभार्थियों को आयुष्मान चिरायु कार्ड, पेंशन पत्र तथा उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर तथा गैस चूल्हे वितरित किए।

एसवाईएल को लेकर आज चंडीगढ़ में होगी बैठक, सीएम मनोहर लाल भी होंगे शामिल

एसवाईएल के मुद्दे को हल करने के लिए केंद्रीय मंत्री लेंगे बैठक

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

सतलुज-यमुना लिंक नहर (एसवाईएल) हरियाणा का हक है और इसके लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल हर संभव कदम उठा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की पुरजोर तरीके से पैरवी करने के बाद अब मुख्यमंत्री इस मामले को लेकर चंडीगढ़ में होने वाली बैठक में भाग लेंगे। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में पंजाब के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। हरियाणा सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कुछ समय पहले पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान को पत्र लिखा था और स्पष्ट किया था कि वे एसवाईएल नहर के निर्माण के रास्ते में आने वाली किसी भी बाधा या मुद्दे को हल करने के लिए उनसे मिलने को तैयार हैं। उन्होंने कहा था कि एसवाईएल को लेकर 4 अक्टूबर, 2023 को सर्वोच्च न्यायालय ने एक विस्तृत आदेश पारित किया है। इसमें सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा है कि ह्लनिष्पादन जल के आवंटन से संबंधित नहीं हैह्व।

प्रवक्ता ने कहा कि हरियाणा का प्रत्येक नागरिक 1996 के मूल वाद संख्या 6 के डिक्री के अनुसार पंजाब के हिस्से में एसवाईएल नहर के निर्माण के शीघ्र पूरा होने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा है। इसके अलावा, राज्य के मुख्यमंत्री अपने लोगों और दक्षिणी हरियाणा की सूखी भूमि के इस लंबे समय से प्रतीक्षित सपने को साकार करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। हरियाणा ने उम्मीद जताई है की पंजाब सरकार निश्चित रूप से इस मामले को हल करने में अपना सहयोग देगी।

गौरतलब है कि इससे पहले दोनों राज्यों के बीच 14 अक्टूबर, 2022 को द्विपक्षीय बैठक हुई थी। इसके बाद केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने 04 जनवरी 2023 को दूसरे दौर की चर्चा की जिसमें दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद थे। यहां गौर करने वाली बात है कि एसवाईएल नहर पर हुई सभी बैठकें पंजाब सरकार के नकारात्मक रवैये के कारण बेनतीजा रही थीं। सर्वविदित है कि सर्वोच्च न्यायालय के दो फैसलों के बावजूद पंजाब ने एसवाईएल का निर्माण कार्य पूरा नहीं किया है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों को लागू करने की बजाए पंजाब ने वर्ष 2004 में समझौते निरस्तीकरण अधिनियम बनाकर इनके क्रियान्वयन में रोड़ा अटकाने का प्रयास किया।

पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के प्रावधान के अंतर्गत भारत सरकार के आदेश दिनांक 24.3.1976 के अनुसार हरियाणा को रावी-ब्यास के फालतू पानी में से 3.5 एमएएफ जल का आबंटन किया गया था। एसवाईएल कैनाल का निर्माण कार्य पूरा न होने की वजह से हरियाणा केवल 1.62 एमएएफ पानी का इस्तेमाल कर रहा है। पंजाब अपने क्षेत्र में एसवाईएल कैनाल का निर्माण कार्य पूरा न करके हरियाणा के हिस्से के लगभग 1.9 एमएएफ जल का गैर-कानूनी ढंग से उपयोग कर रहा है। पंजाब के इस रवैये के कारण हरियाणा अपने हिस्से का 1.88 एम.ए.एफ. पानी नहीं ले पा रहा है।

इस पानी के न मिलने से दक्षिणी-हरियाणा में भूजल स्तर भी काफी नीचे जा रहा है। एसवाईएल के न बनने से हरियाणा के किसान महंगे डीजल का प्रयोग करके और बिजली से नलकूप चलाकर सिंचाई करते हैं, जिससे उन्हें हर वर्ष 100 करोड़ रुपये से लेकर 150 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ता है। पंजाब क्षेत्र में एसवाईएल के न बनने से हरियाणा को उसके हिस्से का पानी नहीं मिल रहा जिसकी वजह से 10 लाख एकड़ क्षेत्र को सिंचित करने के लिए सृजित सिंचाई क्षमता बेकार पड़ी है। हरियाणा को हर वर्ष 42 लाख टन खाद्यान्नों की भी हानि उठानी पड़ती है। यदि 1981 के समझौते के अनुसार 1983 में एसवाईएल बन जाती, तो हरियाणा 130 लाख टन अतिरिक्त खाद्यान्नों व दूसरे अनाजों का उत्पादन करता। 15 हजार प्रति टन की दर से इस कृषि पैदावार का कुल मूल्य 19,500 करोड़ रुपये बनता है।

साइबर अपराध रोकने के लिए अब केन्द्रीय गृह मंत्रालय का आई4सी तथा हरियाणा पुलिस एक प्लेटफार्म पर करेगी काम

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

साइबर अपराधियों की कमर तोड़ने के लिए अब हरियाणा पुलिस तथा केंद्रीय गृह मंत्रालय का इंडियन साइबर क्राइम कोर्डिनेशन सेंटर(आई4सी) एक प्लेटफॉर्म पर काम करने जा रहे हैं ताकि साइबर फ्रॉड संबंधी शिकायतों का तत्परता से समाधान किया जा सके और फ्रॉड की गई राशि को गोल्डन आवर(शुरूआती एक या दो घंटे) में फ्रीज किया जा सके और शिकायतकर्ता को फ्रॉड की गई राशि वापस दिलवाई जा सके। इसे लेकर हरियाणा पुलिस द्वारा साइबर विशेषज्ञों की टीम तैयार की गई है जिन्हें साइबर अपराध रोकने को लेकर उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया है। पुलिस महानिदेशक श्री शत्रुजीत कपूर ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि साइबर सुरक्षा तंत्र को पहले की अपेक्षा और सुदृढ़ करने के लिए हरियाणा पुलिस द्वारा केन्द्रीय गृह मंत्रालय के साथ मिलकर एक सुनियोजित कार्य योजना तैयार की गई है। साइबर विशेषज्ञों की यह टीम अब केन्द्रीय गृह मंत्रालय के दिल्ली स्थित आई4सी में उनके साथ मिलकर कार्य करेगी ताकि हरियाणा प्रदेश में साइबर अपराध संबंधी घटनाओं में कमी लाई जा सके। इस कमांड सेंटर में देशभर के अनेक सरकारी तथा निजी बैंकों जैसे एसबीआई, पीएनबी, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, केनरा बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक आदि सहित अन्य बैंकों के नोडल अधिकारी भी कार्यरत हैं जो साइबर फ्रॉड रोकने में सरकार की मदद करते हैं। साइबर अपराध रोकने के लिए सभी संबंधित एजेंसी एकजुटता से प्रयास करते हुए साइबर अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखेगी।

इससे साइबर फ्रॉड के लाइव केसिज पर भी पहले की अपेक्षा अधिक सतर्कता से कार्य किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, राजस्थान, मेवात और उनके आसपास के क्षेत्रों से हरियाणा में होने वाले साइबर हमलों में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है। ऐसे में हमारा प्रयास है कि साइबर फ्रॉड से आमजन को होने वाले आर्थिक नुकसान को रोका जाए। उन्होंने कहा हालांकि धोखाधड़ी से लोगों के पैसों को तुरंत ब्लॉक करने के लिए पंचकूला की हरियाणा 112 बिल्डिंग में 30 नए वर्क स्टेशन भी स्थापित किए गए हैं जहां पर 70 साइबर एक्सपर्ट्स साइबर अपराध संबंधी मामलों पर तत्परता से कार्यवाही करते हैं। कपूर ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे सतर्क रहें और अपने मोबाइल फोन पर आने वाले किसी भी संदिग्ध लिंक को ओपन ना करें। उन्होंने कहा कि लोग अपनी ऑनलाइन आदतों में सुधार करें और अपने पासवर्ड को मजबूत तथा अद्वितीय बनाएं। इसके साथ ही अपने खातों में दो-कारक प्रमाणीकरण सक्षम करें। केवल विश्वसनीय वेबसाइट पर व्यक्तिगत डेटा को प्रदान करें। सार्वजनिक वाईफाई का उपयोग करते समय सावधान रहें। इन नेटवर्कों को हैकर्स द्वारा निशाना बनाया जा सकता है। अपने कंप्यूटर को नियमित रूप से एंटीवायरस और फायरवॉल सॉफ्टवेयर से स्कैन करें। लोग टेलीग्राम इन्वेस्टमेंट एप पर टास्क बेस्ड गतिविधियों में शामिल न हो और इस पर किसी प्रकार की इन्वेस्टमेंट ना करें।

145 करोड़ की सिंचाई परियोजनाएं हिमाचल को मोदी का उपहार:अनुराग ठाकुर

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मिले। श्री अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश की सिंचाई संबंधी 14 लघु सिंचाई परियोजनाओं और राष्ट्रीय हाइड्रोलॉजी प्रोजेक्ट हेतु क्रमशः 141.76 करोड़ रुपए और 221.78 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व श्री गजेन्द्र शेखावत का आभार व्यक्त किया।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने इसे हिमाचल प्रदेश के कृषक वर्ग के लिए वरदान बताते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का आभार जताया और कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने सदा ही हिमाचल को अपना दूसरा घर माना है, और देवभूमि के हितों की चिंता की है और सौगातें देने में कभी कोई कमी नहीं रखी। यही कारण है कि देवभूमि के जन-जन के मन में मोदी जी विराजमान हैं। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी ने हिमाचल प्रदेश के 14 लघु सिंचाई परियोजनाओं और राष्ट्रीय हाइड्रोलॉजी प्रोजेक्ट हेतु क्रमशः 141.76 करोड़ और 221.78 लाख की स्वीकृति (वित्त वर्ष 2023-24) दी है। हिमाचल प्रदेश के कृषक वर्ग की आशाओं व आकांक्षाओं की अनवरत पूर्ति करने के लिए मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी नरेंद्र मोदी जी का व केंद्रीय जलशक्ति मंत्री जी सहृदय आभार व्यक्त करता हूँ। आगे बोलते हुए श्री अनुराग ठाकुर ने कहा ह्लदेवभूमि हिमाचल के जन- जन, विशेषकर कृषक वर्ग की आशाओं व आकांक्षाओं की पूर्ति करने हेतु आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का मैं हृदय तल से आभारी हूँ कि हमारी माँगों को बिना विलंब के पूरा किया जा रहा है। सिंचाई परियोजनाओं व बाढ़ मैनेजमेंट के भाजपा सरकार के तौर तरीकों का काम बोलता है। इस बार के बाढ़ में भी भाजपा राज में हुए 'स्वां चैनलाइजेशन' से बड़ा खतरा टला है। स्वां नदी को कभी 'रिवर ऑफ सॉरो' कहा जाता था। यहां बाढ़ के कारण करोड़ों रुपए का नुकसान होता था। 1988 में कई पुल बह गए थे। नदी बारिश और बाढ़ आने पर दोनों ओर कई किलोमीटर तक फैली जाती थी। मगर इस बार पुल ठीक है। इस चैनलाइजेसन के कारण जान-माल की भी बचत हुई और जमीनों के दाम भी बढ़े।केंद्र सरकार ने हिमाचल के हितों की रक्षा के लिये पहले भी कोई कमी नहीं आने दी थी, आगे भी नहीं आने देगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में आमजन तक पहुंचाया जा रहा है योजनाओं का लाभ: विधायक राजेश नागर

- विधायक राजेश नागर ने गांव अलीपुर में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा-जन संवाद कार्यक्रम में की शिरकत

दर्पण न्यूज सर्विस
चंडीगढ़

हरियाणा के विधायक श्री राजेश नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संकल्प है कि 2047 तक देश को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना है। यह सभी के सामूहिक प्रयास से ही यह संभव होगा। भारत से गरीबी मिटाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है। विधायक राजेश नागर आज बुधवार को जिला फरीदाबाद के गांव अलीपुर में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के नेतृत्व में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर उन्होंने भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को पूरा करने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में ऐसी व्यवस्था लागू की है, जिससे नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ रहे बल्कि ऑनलाईन व्यवस्था से उन्हें घर बैठे ही लाभ मिल रहा है। यह यात्रा समाज के विशेषकर वंचित वर्गों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की एक अनूठी पहल है। इस यात्रा के दौरान गरीब वर्गों के लोगों, महिलाओं, युवाओं, किसानों,

मध्यम वर्ग के लोगों के लिए केन्द्र व राज्य सरकार की स्कीम की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जा रही है, ताकि उनके योजनाओं के प्रति जागरूकता पैदा हो और वे इसका लाभ उठा सकें। विधायक ने कहा कि सरकार ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में जनधन बैंक खाता खुलवाने से लेकर आयुष्मान कार्ड, घर-घर में शौचालय निर्माण, हर घर में नल से जल, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, आयुष्मान सहित अनेक जनहितैषी और कल्याणकारी योजनाएं चलाकर अंतिम व वंचित वर्ग के लाभार्थियों को लाभान्वित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा से आमजन में केंद्र व प्रदेश सरकार के प्रति विश्वास और अधिक बढ़ा है।

आज का कार्टून

सड़कों को दुरुस्त करने के साथ बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के दिए निर्देश

2025 के महाकुंभ में दुनिया देखेगी भारत का सांस्कृतिक वैभव, किसी भी श्रद्धालु को न हो परेशानी: योगी आदित्यनाथ

दर्पण न्यूज सर्विस
प्रयागराज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को संगमनगरी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जनपद में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने उच्च अधिकारियों के साथ संगम तट पर महाकुंभ और माघ मेला की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि 2019 के दिव्य और भव्य कुंभ को यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर घोषित किया गया है। 2025 के महाकुंभ से दुनिया भर की अपेक्षाएं जुड़ी हुई हैं। संसार के समक्ष अपने को भारत के नए प्रतीक चिह्न के रूप में प्रस्तुत करने का यह एक स्वर्णिम अवसर है। आगामी कुंभ में दुनिया भारत का सांस्कृतिक वैभव देखगी। प्रयागराज दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी ने सर्व प्रथम वीआईपी घाट पर मां गंगा का पूजन किया। उसके बाद वह संगम नोज पहुंचे, जहां उन्होंने मेलाधिकारी के साथ मेले की तैयारी का पूरा जायजा लिया। वहां से मुख्यमंत्री किला घाट पर बने पक्के घाट का निरीक्षण कर किले के अंदर भी तैयारियों को देखा। इसके बाद वह किला घाट, दशाश्वमेघ घाट के निर्माण कार्य एवं अक्षयवट, पातालपुरी व सरस्वती कूप कॉरिडोर आदि के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। माघ मेला की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे महाकुंभ के पूर्वाभ्यास के तौर पर लें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की प्रशासनिक क्षमता, सांस्कृतिक समृद्धि एवं पर्यटन की सुविधाओं को प्रदर्शित करते हुए हम इस बार के महाकुंभ को और दिव्य बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजन के दौरान स्वच्छता के मानक गढ़ें और इस बात का ध्यान रखें की मेला में प्रतिबंधित पॉलिथीन का प्रयोग ना होने पाए। इसके लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम का उपयोग करते हुए श्रद्धालुओं को जागरुक करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ और माघ मेला के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करके भीड़ नियंत्रित कर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि साधु-संतों और कल्पवासियों को समुचित व्यवस्था मिले। साथ ही किसी भी श्रद्धालु को कोई परेशानी न होने पाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों को दुरुस्त करने के साथ बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि महाकुंभ और माघ मेला के दौरान स्थानीय कलाकारों के कला-शिल्प की बिक्री के लिए प्रदर्शनी लगाएं। इससे कलाकारों की आजीविका में मदद मिलेगी।

पांटून फेब्रीकेशन के कार्यों का निरीक्षण करने के लिए मुख्यमंत्री परेड ग्राउंड मैदान में स्थित पांटून कार्यशाला पहुंचे। साथ में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद, नंद गोपाल गुप्ता नंदी आदि मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए राज्य की झाँकी को रद्द करने पर सीएम मान ने की भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना

सत्ता के नशे में अहंकारी केंद्र सरकार, स्वतंत्रता संग्राम में पंजाबियों द्वारा दिए गए बेमिसाल बलिदान का अनादर कर रही है: मुख्यमंत्री

- गणतंत्र दिवस के अवसर पर यह झाँकी 'केंद्र सरकार द्वारा रद्द' के नाम पर पूरे पंजाब में दिखाने का किया ऐलान
- पंजाब की झांकी से गणतंत्र दिवस परेड का गौरव बढना था: मुख्यमंत्री
- गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के राजनीतीकरण के लिए भाजपा को आड़े हाथों लिया
- पंजाब के भाजपा नेताओं को अपने आकाओं के इस पंजाब विरोधी स्टैंड के बारे में स्थिति स्पष्ट करने की दी चुनौती

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए राज्य की झाँकी रद्द करने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सत्ता के नशे में अहंकारी केंद्र सरकार, स्वतंत्रता संग्राम में पंजाबियों द्वारा दिए गए बेमिसाल बलिदान का अनादर कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह पहली दफा नहीं है, बल्कि पिछले साल भी भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने ऐसी शरारत की थी और इस साल भी झाँकी रद्द कर वही हरकत दोहराई है। केंद्र सरकार पंजाब के जख्मों पर नमक छिडक रही है।' यहाँ पंजाब भवन में आज पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ओर दुनिया भर से श्रद्धालु फतेहगढ़ साहिब पहुंच कर छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह और माता गुजरी जी की शहादत के समक्ष नतमस्तक हो रहे हैं, दूसरी ओर इन पवित्र दिनों में भाजपा सरकार पंजाब का अनादर करने के लिए ऐसे भद्दे हथकंडे अपना रही है। उन्होंने कहा कि शहादतें और बलिदान राज्य की महान विरासत का हिस्सा हैं, जिनको राज्य की झांकी में बखूबी दिखाया जाना था। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन देश-भक्ति के विचारों वाली झांकी को रद्द कर केंद्र सरकार ने महान देश-भक्तों और राष्ट्रीय नायकों के बलिदान का अपमान किया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि राज्य के साथ सौतेली माँ वाला यह सुलूक कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह कितनी बदकिस्मती वाली बात है कि यह फैसला उन दिनों के दौरान किया गया, जब समूची दुनिया छोटे साहिबजादों और माता गुजरी जी द्वारा दिए गए बेमिसाल बलिदान के आगे सिर झुका रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अत्याचारी मोदी सरकार यह बात भूल गई है कि पंजाबियों ने देश की सरहदों की रक्षा के साथ-साथ आजादी हासिल करने और इसको बरकरार रखने के लिए बेमिसाल बलिदान दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की इस झांकी से गणतंत्र दिवस परेड, जिसमें इस साल फ्रांस के राष्ट्रपति मुख्य मेहमान के तौर पर शामिल होंगे, का गौरव बढना था। उन्होंने कहा कि इस परेड में हरेक राज्य अपनी विरासत को दिखाता है, परन्तु मोदी सरकार ने पिछले दो सालों में जान-बूझ कर पंजाब को इससे बाहर रखा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस साल भी झांकी के लिए चुने गए राज्यों में से 90 प्रतिशत से अधिक भाजपा के शासन वाले राज्य हैं, जिससे झलकता है कि मोदी सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस का राजनीतीकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल भी पंजाब सरकार ने तीन विषय 'पंजाब-शहीदों और बलिदानों की गाथा', 'नारी शक्ति' (माई भागो-पहली महान सिख जंगजू बीबी) और 'पंजाब का समृद्ध सभ्याचार की पेशकारी' विषयों को झांकी के लिए भेजा था। उन्होंने कहा कि मंजूरी के लिए यह विषय समय पर केंद्र सरकार के पास भेज दिए थे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि केंद्र सरकार ने इन विषयों को रद्द कर राज्य के योगदान को नजरअन्दाज किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्यवश केंद्र सरकार राज्य और देश निर्माण में इसके बेमिसाल योगदान का मजाक उड़ा रही है। उन्होंने केंद्र सरकार को याद करवाया कि अगर अंडमान और निकोबार को अपनी झाँकी पेश करनी पड़ती तो पंजाब उसमें भी होता, क्योंकि भारत की आजादी का संघर्ष पंजाब और पंजाबियों के योगदान से भरा हुआ है, जिसको कभी भी नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की बहुत बड़ी साजिश है जिससे देश की एकता और अखंडता को बरकरार रखने के लिए पंजाब के बलिदानों को छुपाया जा सके। भाजपा के चापलूसों पर हमले करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोग इतने दिनों देश भर में चल रही मोदी की झांकी का गुणगान करने लगे हुए हैं परन्तु वह शहीदों की झांकी के विचार के खिलाफ हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस कदम से एक बार फिर भाजपा का पंजाब विरोधी चेहरा बेनकाब हुआ है। उन्होंने कैप्टन अमरिन्दर सिंह, सुनील जाखड़, आर.पी. सिंह, मनजिन्दर सिरसा समेत सभी भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वह अब बताएं कि केंद्र की उनकी सरकार पंजाब के साथ क्यों इतनी बड़ी बेइन्साफी कर रही है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि मोदी सरकार पंजाब विरोधी मानसिकता रखती है, जिस कारण वह राज्य को बर्बाद करने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा के नेतृत्व वाली एन.डी.ए सरकार का बस चले तो वह राष्ट्रीय गान में से भी पंजाब का नाम हटा देंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि हैरानी की बात है कि इस सौतेली माँ वाले सुलूक के बावजूद राज्य के भाजपा नेता इस पूरे मामले पर चुप हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आम आदमी की भलाई के लिए लिए गए सभी लोक हितैषी फैसलों को केंद्र सरकार हजम नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत आम आदमी क्लीनिकों के लिए फंड रोके हुए हैं, और केंद्र सरकार द्वारा 5500 करोड़ रुपए के ग्रामीण विकास फंड भी रोक दिए गए हैं, जिससे राज्य सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों में सडकें बनाने से रोका जा सके। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि राज्य सरकार द्वारा आगामी भुगतान किए जाने के बावजूद राज्य को रेल-गाड़ीयाँ न देकर केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना को रोक दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी, पटना साहिब, नांदेड़ साहिब, अजमेर शरीफ और अन्य स्थानों को जाने वाली रेलों को केंद्र सरकार ने जान-बूझ कर रोका है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि केंद्र की इस कार्यवाही का एकमात्र मकसद लोगों को धार्मिक स्थानों पर माथा टेकने से वंचित रखना है, और केंद्र सरकार के इन मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया जायेगा। उन्होंने व्यंग्य कसते हुए कहा कि चाहे प्रधानमंत्री रोजाना डबल इंजन वाली सरकार की शेखी मार रहे हैं, परन्तु रेलवे इस लोक हितैषी योजना के लिए रेल-गाड़ीयाँ चलाने के लिए कोई इंजन न होने का हवाला दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे डबल इंजन वाली सरकार का क्या फायदा अगर लोगों की भलाई के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ लोगों को ही नहीं मिलता। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वह राज्य की झाँकी को शामिल न करने का मुद्दा केंद्र सरकार के समक्ष जोरदार ढंग से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र द्वारा गणतंत्र दिवस की परेड में यह झांकी शामिल नहीं की जाती तो भी राज्य सरकार द्वारा 26 जनवरी को राज्य भर में होने वाले सभी समागमों में इसको 'केंद्र सरकार द्वारा रद्द' के बैनर अधीन शामिल किया जायेगा और राज्य की समृद्ध विरासत को लोगों के सामने पेश किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रमुख होने के नाते वह केंद्र सरकार द्वारा दी गई चुनौती को स्वीकार करते हैं क्योंकि भगवा पार्टी ऐसी चालों से देश के अन्नदाता और देश की सरहदों की रक्षा करने वाले पंजाब का अनादर नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि यह अस्वीकार्य है क्योंकि इससे हर पंजाबी के आत्माभिमान पर सीधी चोट मारी गई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पहले ही ठोस प्रयास कर रही है, जिससे उनको किसी भी मामले में केंद्र से मदद न लेनी पड़े।

शहीदी सभा के दौरान मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब में माथा टेका

फतेहगढ़ साहिब। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान आज माता गुजरी जी और छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को समर्पित शहीदी जोड़ मेल के दूसरे दिन गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब में नतमस्तक हुए। पवित्र स्थान पर माथा टेकने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मुकद्दस स्थान न केवल सिखों के लिए बल्कि समूची मानवता के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने कहा कि दसमेश पिता श्री गुरू गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी ने छोटी उम्र में शहादत प्राप्त की। भगवंत सिंह मान ने कहा कि माता गुजरी जी और साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह जी की शहादत वाली यह पवित्र धरती सदियों से पंजाबियों को बेइन्साफी, जुल्म और दमन के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए प्रेरित करती आ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे साहिबजादे ने उस समय के सरहिन्द के मुगल शासक के मनमाने और जुल्म के विरुद्ध खड़े होकर निर्भय और बहादुरी का बेमिसाल प्रगटावा किया था। उन्होंने कहा कि साहिबजादों को शूरवीरता और त्याग की भावना दसमेश पिता जी से ही विरासत में मिली है और गुरू साहिब जी ने मानवता की खातिर हुकूमत के खिलाफ डट कर लड़ाई लड़ी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज दुनिया भर से संगत विश्व के इतिहास में बेमिसाल बलिदान देने वाले छोटे साहिबजादों को श्रद्धा और सत्कार भेंट करने के लिए फतेहगढ़ साहिब में पहुँच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के इतिहास में ऐसी कोई मिसाल नहीं मिलती जब छोटे साहिबजादों की उम्र में किसी अन्य ने अतुलनीय बलिदान दिया हो। उन्होंने कहा कि विश्व को साहिबजादों के बेमिसाल बलिदान पर गर्व है, जिस कारण यह न केवल पंजाबियों या देशवासियों के लिए बल्कि हरेक मानव के लिए गर्व की बात है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वह अपने आप को भाग्यवान समझते हैं कि उनको राज्य और लोगों की सेवा करने का सौभाग्य हासिल हुआ है और इस नेक कार्य के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जायेगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार समाज के हरेक वर्ग की भलाई के लिए महान गुरू साहिबान और शहीदों द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चल रही है। मुख्यमंत्री ने याद करते हुए कहा कि उनके लोक सभा मैंबर होते हुए तत्कालीन लोक सभा स्पीकर सुमित्रा महाजन के ध्यान में मामला लाने के बाद सदन ने गुरू गोबिन्द सिंह जी के छोटे साहिबजादों को श्रद्धाँजलि भेंट की थी। भगवंत सिंह ने कहा कि समूचा पंजाब इस महीने को 'शोक के महीने' के तौर पर मनाता है क्योंकि इन दिनों में ही जालिम शासकों ने छोटे साहिबजादों को जिवित ही नीवों में चिनवा दिया था। उन्होंने कहा कि नौजवान पीढ़ी को इस बेमिसाल बलिदान के बारे में जागरूक करने की जरूरत है, जिससे उनको देश की निस्वार्थ सेवा करने के लिए प्रेरित किया जा सके।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के चेयरमैन ने अलग-अलग विभाग के अधिकारियों के साथ की मीटिंग

- बच्चों के अधिकारों से सम्बन्धित कानूनों को लागू करने और विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नयी दिल्ली के चेयरमैन, प्रियांक कानूनगो ने पंजाब के अलग-अलग विभाग के अधिकारियों के साथ बच्चों के अधिकारों से सम्बन्धित कानूनों को लागू करने और अलग-अलग योजनाओं की समीक्षा के लिए मीटिंग की। बुधवार को पंजाब भवन में मीटिंग के दौरान विशेष मुख्य सचिव, सामाजिक सुरक्षा और महिला एवं बाल विकास, मैंबर सचिव पंजाब राज्य कानूनी सेवा अथॉरिटी, सचिव गृह मामले और न्याय विभाग, विशेष सचिव पंजाब एड्ज कंट्रोल सोसायटी, सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, प्रशासनिक सुधार और लोग शिकायत विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, श्रम विभाग के अधिकारियों से बच्चों के विकास को प्रोत्साहित करने सम्बन्धी अलग-अलग योजनाओं का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि आयोग बाल अधिकारों को नुकसान और उल्लंघन से सम्बन्धित शिकायतें, बाल सुरक्षा और विकास हेतु बने कानूनों पर अमल न करना, नीति, दिशा-निदेशों का पालन न करने सम्बन्धी शिकायतों के साथ-साथ खुद मामले की पड़ताल करने हेतु सिविल कोर्ट के अधिकार रखता है। बच्चों से सम्बन्धित अलग- अलग कानूनों और विधान सभाओं को प्रभावशाली ढंग से लागू करना जैसे कि सैक्स अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (पोक्सो) एक्ट, 2012, जुवेनाईल जस्टिस (बच्चों की देखभाल और सुरक्षा) एक्ट, 2015 और मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आर.टी.ई.) एक्ट, 2005 और बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना है। चेयरमैन ने कहा कि बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु किसी भी कानून द्वारा या कानून के अधीन मौजूदा समय में लागू सुरक्षा की जांच और समीक्षा एवं इनके प्रभाव लागू किए जाएँ।

दसम पातशाह जी के साहिबजादों की शहादत सभी के लिए प्रेरणा स्रोत: ई.टी.ओ

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़।

दसम पातशाह श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी के साहिबजादों की शहादत हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनसे मार्गदर्शन लेकर हम अपना जीवन मानवता की भलाई और धर्म के लिए समर्पित कर सकते हैं। यह प्रगटावा पंजाब के लोक निर्माण और बिजली मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने तख़्त सचखंड श्री हजूर अबिचल नगर साहिब में साहिबजादों की शहादत को समर्पित समागमों में शिरकत करते हुए प्रकट किया। वह अपने परिवार समेत 25 और 26 दिसंबर को जत्थेदार तख़्त श्री हजूर साहिब जत्थेदार कुलवंत सिंह और पाँच प्यारों की सरपरस्ती अधीन करवाए जा रहे समागमों में शामिल होने के लिए नन्देड़ पहुँचे थे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने 26 दिसंबर को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी भवन में लगाए गए मुफ्त स्वास्थ्य जाँच और रक्तदान कैंप में शिरकत करते हुए रक्तदान किया। वह सर्व धर्म सम्मेलन और कीर्तन दरबार में भी उपस्थित रहे और गुरुद्वारा तख़्त सचखंड श्री हजूर अबिचल नगर साहिब में नतमस्तक हुए। इसके उपरांत वह परिवार समेत गुरुद्वारा गुरू नानक झीरा साहिब, बिदर में भी नतमस्तक हुए।

साल 2023 के दौरान भ्रष्टाचार के 251 मामलों में विजीलैंस द्वारा 288 कर्मचारी गिरफ्तार

- 7 राजनीतिक नेताओं, 70 सरकारी अधिकारियों/ कर्मचारियों के विरुद्ध केस दर्ज किये

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़।

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए अपनी कोशिशों को लगातार जारी रखते हुए साल 2023 के दौरान 26 दिसंबर तक दर्ज किए गए कुल 251 ट्रैप मामलों, आपराधिक मामलों और आमदन से अधिक जायदाद के मामलों में 288 सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों और निजी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। बताने योग्य है कि उक्त मामलों में शामिल व्यक्तियों में से 66 पुलिस कर्मचारियों और 44 राजस्व अधिकारियों/कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा इन मामलों में 7 राजनीतिक नेताओं और 70 सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इसके साथ ही इस समय-सीमा के दौरान 133 अलग-अलग ट्रैप मामलों में 59,57,000 रुपए की रकम बरामद की गई है। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए विजीलैंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि ब्यूरो ने रिश्वत मांगने वालों पर नकेल कसने और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए एक बहु-समर्थकीय पहुँच अपनाई है।

उन्होंने बताया कि इस साल के दौरान विजीलैंस ब्यूरो के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने अथक मेहनत, इमानदारी और निष्ठा से अपनी ड्यूटी करते हुए हरेक सैक्टर में सरकारी कर्मचारियों और अन्यों में भ्रष्टाचार और भ्रष्ट गतिविधियों के खात्मे के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की दृढ़ वचनबद्धता पर डट कर पहरा दिया। विजीलैंस ब्यूरो की कारगुजारी के बारे में अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही मुहिम के दौरान ब्यूरो ने 103 आपराधिक और 15 आमदन से अधिक जायदाद केस दर्ज किये हैं। इस समय-सीमा के अंदर विशेष अदालतों ने विजीलैंस ब्यूरो द्वारा दायर किए गए 33 मामलों का फैसला किया है, जिसके नतीजे के तौर पर 43 कर्मचारियों को दोषी ठहराया गया और सजा सुनाई गई है। विजीलैंस ने इस समय के दौरान अलग-अलग अदालतों में 181 मामलों में चालान पेश किये हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार से सम्बन्धित मामलों की गहराई से जांच करने के लिए 82 विजीलैंस एनक्वायरीज चलाई गई हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा 23-03-2022 से मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाईन की शुरूआत से लेकर अब तक की उपलब्धियों के बारे में बात करते हुए प्रवक्ता ने बताया कि ब्यूरो को 26-12-2023 तक ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग्स समेत 11,074 शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

7,00,000 रुपए की रिश्वत लेने के दोष अधीन तहसीलदार और दो पटवारी गिरफ्तार

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़।

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने चलाई भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम के दौरान आज मुनक के तहसीलदार (सेवामुक्त) संधूरा सिंह, संगरूर जिले के माल हलका गाँव बल्लरां के पटवारी धरमराज और भगवान दास पटवारी (सेवामुक्त) को कृषि योग्य जमीन के गैर-कानूनी तबादले और इंतकाल करवाने के एवज में 7 लाख रुपए की रिश्वत लेने के दोष अधीन गिरफ़्तार किया है। राज्य विजीलैंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने खुलासा किया कि एफआईआर नंबर 18 तारीख 27.12.2023 की गहराई से तफ्तीश करने के बाद आइपीसी की धारा 420, 465, 467, 468, 471, 120-बी के अंतर्गत विजीलैंस ब्यूरो के आर्थिक अपराध शाखा लुधियाना के थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। एफआईआर में नामजद किये गए मुलजिमों में संधूरा सिंह, तहसीलदार (सेवामुक्त), धरमराज पटवारी, मिट्ठू सिंह पटवारी (दोनों हलका बल्लरां, जिला संगरूर), भगवान दास, पटवारी (सेवामुक्त) और एक निजी व्यक्ति बलवंत सिंह निवासी गाँव बल्लरां, जिला संगरूर शामिल हैं। और जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस जांच के दौरान गाँव बल्लरां में गुरतेज सिंह और अन्य की 25 कनाल 15 मरले जमीन का तबादला गाँव रायपुर, तहसील जाखल, हरियाणा में बलवंत सिंह की जमीन के साथ जाली तबादला और इंतकाल (नंबर 10808) इंदराज कराने का खुलासा हुआ है। धरमराज पटवारी ने इस फर्जी इंतकाल को अंजाम देने के लिए बलवंत सिंह से 7 लाख रुपए की रिश्वत ली थी।

समीक्षा पानी के गिरते स्तर की समस्या से निपटने और भूजल के संरक्षण के लिए पंजाब सरकार वचनबद्ध: जौड़ामाजरा

जल स्रोत मंत्री द्वारा लुधियाना और मोगा में चल रहे प्रोजेक्टों की प्रगति की समीक्षा

- अधिकारियों को बरसाती मौसम से पहले ड्रेनों की निकासी यकीनी बनाने के साथ-साथ चल रहे प्रोजेक्टों को समय पर पूरा करने के भी दिए निर्देश

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़/लुधियाना/मोगा।

पंजाब के जल स्रोत और भू और जल संरक्षण मंत्री स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने आज दोहराया कि मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार भूजल को बचाने के लिए वचनबद्ध है ताकि पानी के गिर रहे स्तर की समस्या को उचित ढंग से हल किया जा सके। वह लुधियाना और मोगा में जल संसाधन और खनन एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने सरकारी कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, खालों व ड्रेनों की सफाई कराने तथा चल रही परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। लुधियाना के बचत भवन में लुधियाना केनाल सर्कल के अधिकारियों के साथ समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को हिदायत की कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में पानी के संरक्षण के लिए चल रहे सभी प्रोजेक्टों को समय पर मुकम्मल करना यकीनी बनाएं। डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह रोड़ी, विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू, गुरप्रीत बस्सी गोगी, दलजीत सिंह ग्रेवाल, रजिन्दरपाल कौर छीना, सरबजीत कौर माणूके, अमित रत्न, गुरदित्त सिंह सेखों, मनजीत सिंह बिलासपुर, चेयरमैन शरनपाल सिंह मकड़ समेत मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को हिदायत की कि वह भूजल के गिर रहे स्तर को रोकने के जल स्रोत मंत्री द्वारा लुधियाना और मोगा में चल रहे प्रोजेक्टों की प्रगति की समीक्षा लिए जल संरक्षण से सम्बन्धित सभी काम जंगी स्तर पर शुरू करें। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार नहरों के द्वारा सिंचाई प्रणाली को और मजबूत करने के लिए जरुरी कदम उठाकर भूजल को बचाने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। सम्बन्धित विधायकों द्वारा उठाए गए सिंचाई, नहरी प्रणाली और जमीन निचले पानी के प्रबंधन सम्बन्धित मुद्दों को सुनते हुए कैबिनेट मंत्री जौड़ामाजरा ने मौके पर ही सम्बन्धित अधिकारियों को ऐसी समस्याओं के हल के लिए तुरंत कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि इस मीटिंग के दौरान विधायकों और चेयरमैनों द्वारा उठाये गए मुद्दों पर हुई प्रगति की समीक्षा करने के लिए अगले महीने एक समीक्षा मीटिंग भी की जायेगी। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को यह भी हिदायत की कि बरसात के मौसम की शुरूआत से पहले सभी ड्रेनों की निकासी को यकीनी बनाया जाये ताकि ड्रेनेज सिस्टम के द्वारा बरसाती पानी के निर्विघ्न बहाव को सुनिश्चित बनाया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि महत्वपूर्ण मुद्दों के जल्दी निपटारे के लिए सभी लम्बित फाइलें को क्लियर किया जाये। इस दौरान उन्होंने माइनिंग विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट तौर पर कहा कि वह गैर-कानूनी माइनिंग के विरुद्ध सख़्त कार्यवाही को यकीनी बनाएं क्योंकि राज्य सरकार द्वारा पहले ही गैर-कानूनी माइनिंग के विरुद्ध जीरो टालरैंस नीति अपनाई गई है। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्धी किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी और गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के विरुद्ध सख़्त कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। इसी तरह मोगा में अलग मीटिंग के दौरान कैबिनेट मंत्री स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने आधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि के लिए नहरी पानी यकीनी बनाने के लिए टेलों तक पानी पहुँचाया जाये। माइनर मोगों की दोबारा चैकिंग करवाने की हिदायत करते हुए उन्होंने कहा कि गेहूँ की फसल काटने के तुरंत बाद प्रत्येक ड्रेन की निशानदेही करवाई जाये। कैबिनेट मंत्री स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने हरीके झील और फाजिल्का के पास से निकलने वाले दरिया की सफाई करवाने सहित सेम नालों की लेवैलिंग की रूपरेखा तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि ड्रेन और नालों की सफाई का रिकार्ड एक हफ्ते में उनके कार्यालय भेजा जाये।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड प्रेस, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एंव 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

मुख्यमंत्री ने की एचपीपीसी और एचपीडब्ल्यूपीसी की बैठक की अध्यक्षता

बैठक में लगभग 264 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट और वस्तुओं की खरीद को दी गई मंजूरी, विभिन्न बोलीदाताओं से नेगोसिएशन के बाद लगभग 5 करोड़ रुपये की हुई बचत

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़

हरियाणा के स्कूलों में वर्ष 2024-25 शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले राज्य के सरकारी स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करवाने हेतु आज मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में यहां हुई उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) की बैठक में मंजूरी प्रदान की गई। इस पर लगभग साढ़े 55 करोड़ रुपये की मुद्रण लागत आएगी।

इसके अलावा, एचपीपीसी और हाई पावर वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक में कुल 264 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रेक्ट तथा विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। बैठक में विभिन्न बोलीदाताओं से नेगोसिएशन के बाद दरें तय करके लगभग 5 करोड़ रुपये की बचत की गई है। बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री कंवर पाल, उच्चतर शिक्षा मंत्री श्री मूलचंद शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जेपी दलाल, सहकारिता मंत्री डॉ बनवारी लाल, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ कमल गुप्ता और श्रम राज्य मंत्री श्री अनूप धानक भी उपस्थित थे।

हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा एचपीडब्ल्यूपीसी की बैठक में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण, फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण सहित कुल 13 एजेंडे रखे गए और सभी एजेंडों को मंजूरी प्रदान की गई। हरियाणा सरकार द्वारा जल संरक्षण और कम पानी के साथ अधिक पैदावार के विजन के साथ क्रियान्वित की जा रही सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं को लगातार गति मिल रही है। इस कड़ी में आज की बैठक में जींद में स्थापित 15 एमएलडी क्षमता के एसटीपी प्लांट के उपचारित पानी को सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के तहत इस्तेमाल करने हेतु परियोजना को मंजूरी दी गई। इसके लिए एसटीपी पर सूक्ष्म सिंचाई हेतु कम्युनिटी आधारित सौर/ग्रिड संचालित एकीकृत सूक्ष्म सिंचाई बुनियादी ढांचे की स्थापना की जाएगी, इस पर लगभग लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

बैठक में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के तहत सेक्टर-103/106, सेक्टर-102ए/103, सेक्टर 102/102ए तथा सेक्टर-106/109 तथा सेक्टर 75/75ए की मास्टर रोड डिवाइडिंग का अपग्रेडेशन और विशेष मरम्मत का कार्य किया जाएगा। साथ ही, सेक्टर सेक्टर 27/28 तथा 28/43 की डिवाइडिंग के साथ सड़क, फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, जल निकासी, बागवानी व अन्य कार्यों का विकास कार्य के लिए भी मंजूरी प्रदान की गई। इसके अलावा फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण के तहत ग्रेटर फरीदाबाद में सेक्टर-75 से 89 तक विभिन्न मास्टर सड़कों की विशेष मरम्मत का कार्य को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इन सभी सड़कों के कार्य के लिए लगभग 159 करोड़ रुपये की लागत आएगी। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार, अर्बन डेवलपमेंट श्री डीएस ढेसी, नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री वी उमाशंकर, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री पंकज अग्रवाल, आपूर्ति एवं निपटान विभाग के महानिदेशक श्री मोहम्मद शाइन, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ अमित अग्रवाल, हरियाणा विद्यालय शिक्षा परियोजना परिषद की राज्य परियोजना निदेशक श्रीमती आशिमा बराड़, गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री पीसी मीणा, फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एश्रीनिवास और वित्त विभाग के विशेष सचिव श्री पंकज सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

मोदी ने देश की मजबूत अर्थव्यवस्था और भारतीय संस्कृति की विरासत का विश्व में परचम लहराया : कृष्ण पाल गुर्जर

चंडीगढ़। भारत सरकार के भारी उद्योग और ऊर्जा विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री चौधरी कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश की मजबूत अर्थव्यवस्था और भारतीय संस्कृति की विरासत का विश्व में परचम फहराया है। वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से ऑनलाइन प्लेटफार्म प्रणाली पर विडियो कान्फ्रेंस के जरिये सीधा संवाद किया। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर फरीदाबाद के सेक्टर-28 व गाँव मांगर में विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित लोगों के विशाल जन समूह को सम्बोधित कर रहे थे। केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभ को लाभार्थियों के लिए सुनिश्चित करना है। उन्होंने विधायक राजेश नागर संग बैठ कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा जरिये (वीबीएसवाई) के लाभार्थियों के साथ बातचीत के लाइव प्रसारण देखा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने वर्चुअल के जरिये सभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में देश भर से हजारों विकसित भारत संकल्प यात्रा लाभार्थी वर्चुअल रूप से शामिल हुए। सेक्टर 28 की मार्केट में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा, ₹विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभ को लाभार्थियों के लिए सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को शत प्रतिशत मिलना चाहिए और कोई इससे छूटना नहीं चाहिए। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा के प्रधानमंत्री मोदी जी ने संकल्प लिया है कि जब भारत आजादी के 100 वर्ष पूरे करे तब देश एक विकसित राष्ट्र होना चाहिए, श्रेष्ठ राष्ट्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संकल्प की पूर्ति के लिए पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति को सशक्त बनाना है व उसको आर्थिक तौर पर मजबूत कर मुख्य धारा में लाना है। उन्होंने कहा कि इसलिए देश के हर गांव और शहरों के हर कोने में विकसित भारत संकल्प यात्रा चल रही है। श्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की मजबूत अर्थव्यवस्था और भारतीय संस्कृति की विरासत को विश्व में परचम लहराया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के जरिए गरीबों को शत प्रतिशत लाभ उनके घर द्वार के नजदीक मिल रहा है।

भूसली और बीजना पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

चंडीगढ़। हरियाणा के विधायक श्री हरविंद्र कल्याण ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गांवों में स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। इन समूहों को प्रशिक्षण देने के लिए करनाल के घरौंडा में साढ़े तीन करोड़ की लागत से प्रदेश का पहला ट्रेनिंग सेंटर बनाया जा रहा है। समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को अच्छी कीमत मिले, इसकी भी योजना सरकार बना रही है। श्री कल्याण आज जिला करनाल के गांव भूसली और बीजना में विकसित भारत संकल्प यात्रा के पहुंचने पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन किया। हरियाणा के विकास पर बनी लघु फिल्म दिखाई गई। लोक संपर्क विभाग के कलाकारों बिजेन्द्र नरवाल व उनकी पार्टी द्वारा विकासात्मक गीत प्रस्तुत किए गए। भूसली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लाइव संदेश सुनाया गया। श्री कल्याण ने कहा कि सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक कदम उठाए हैं। गरीब परिवारों की बेटियों के लिए कॉलेज स्तर तक पूरी फीस माफ की गई है। जिन परिवारों की आय 1.80 रुपये से 3 लाख रुपये तक है उनकी बेटियों के लिए आधी फीस सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन के तहत गांवों में स्थापित किए गए स्वयं सहायता समूह बेहतर कार्य कर रहे हैं। इनके माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इन समूहों को प्रशिक्षण देने के लिए घरौंडा में ट्रेनिंग सेंटर बनाया जा रहा है। भूसली गांव में 16 स्वयं सहायता समूहों से 200 और बीजना में 30 ग्रुप में करीब 300 महिलाएं जुड़ी हैं। ग्रुप की महिलाओं ने आज स्टॉल्स लगाकर अपने उत्पाद भी प्रदर्शित किये। विधायक श्री कल्याण ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य घर-घर तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अब सिफारिश की जरूरत नहीं। सारा कार्य ऑनलाइन अथवा पोर्टल के माध्यम से हो रहा है। बुजुर्गों के खाते में पेंशन सीधी भेजी जा रही है। परिवार पहचान पत्र के अस्तित्व में आने के बाद प्रदेश में 19 लाख नए बीपीएल कार्ड बने हैं।

परीक्षार्थियों को शिक्षा बोर्ड ने दिया एक विशेष मर्सी चांस

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी ने ऐसे परीक्षार्थी जो वर्ष-2014 से 2018 तक सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक एवं मुक्त विद्यालय) एवं वर्ष 2019 से 2023 तक सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी (मुक्त विद्यालय) की सी.टी.पी./फ्रेश कैटेगरी के तहत अपीयर हुए थे और उनका परीक्षा परिणाम ठङ्क३ द४ींी रहा है अथवा उनके सभी अवसर समाप्त हो चुके हैं। ऐसे सभी परीक्षार्थियों के भविष्य के मद्देनजर शिक्षा बोर्ड द्वारा उन्हें फरवरी/मार्च-2024 में आयोजित होने वाली हरियाणा मुक्त विद्यालय की सैकेण्डरी/सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा में सी.टी.पी. कैटेगरी के तहत प्रविष्ट होने के लिए विशेष मर्सी चांस देने का निर्णय लिया गया है। बोर्ड प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे सभी इच्छुक परीक्षार्थी 01 जनवरी से 10 जनवरी, 2024 तक एकमुश्त 5000 रुपए परीक्षा शुल्क के साथ बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट ६६६. releváns ल्ल पर दिए गए लिंक के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का गांव झलनिया में पहुंचने पर ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

चंडीगढ़। विकसित भारत संकल्प यात्रा - जन संवाद जागरूकता वाहन जिला फतेहाबाद के गांव झलनिया में पहुंचने पर ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में रतिया के विधायक श्री लक्ष्मण नापा मुख्यातिथि के तौर पर शामिल हुए। यात्रा के दौरान गांव में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया और विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को सरकार की योजनाओं व सेवाओं की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें योजनाओं का लाभ दिया गया। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक श्री नापा का फूल मालाओं व स्मृति चिन्ह देकर जोरदार स्वागत किया। गांव झलनिया में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी करवाया गया जिसे विधायक और ग्रामीणों ने सुना। विधायक श्री नापा ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी स्टॉल्स का निरीक्षण किया। कार्यक्रम में उपस्थितजन को 'हमारा संकल्प विकसित भारत' की शपथ दिलाई गई। इस दौरान श्री नापा ने प्रगतिशील किसानों, पशुपालकों, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों व मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

आने वाले समय में हर व्यक्ति की जरूरत बन जाएगा ड्रोन : धर्मबीर सिंह

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़

सांसद श्री धर्मबीर सिंह ने कहा कि भारत को पूर्ण रूप से विकसित बनाने में विकसित भारत संकल्प यात्रा बड़ी कारगर साबित होगी। ग्रामीणों को दिलवाई जा रही संकल्प शपथ लोगों देश के प्रति उनके कर्तव्य का एहसास करवा रही है। श्री धर्मबीर सिंह बुधवार को जिला भिवानी के गांव संडवा में विकसित भारत यात्रा कार्यक्रम में अपना संदेश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ड्रोन हर व्यक्ति की जरूरत बनेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही हमारा देश पूर्ण रूप से विकसित बनेगा। सांसद श्री धर्मबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का स्वप्न है कि जब वर्ष 2047 में देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे हों, तब तक हमारा देश पूर्णरूप से विकसित हो, इसके लिए हम सभी का योगदान जरूरी है। हमें नागरिक होने का कर्तव्य निभाना है। सांसद ने ग्रामीणों को विकसित भारत संकल्प शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशभर के विभिन्न राज्यों के लाभार्थियों से की गई बातचीत का सीधा प्रसारण दिखाया गया, जिसे ग्रामीणों ने बड़े उत्साह व गौर से सुना।

श्री धर्मबीर ने अपने संबोधन में कहा कि देश को विकसित बनाने में सबसे बड़ी भूमिका युवा पीढ़ी है, उनको हर प्रकार के नशे से दूर रहना होगा। उनमें अच्छे संस्कार होने जरूरी है। प्रार्थमिकता पर युवा, महिलाएं, खिलाड़ी और किसान हैं। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी की महत्वाकांक्षी सोच है। श्री धर्मबीर ने कहा कि ड्रोन हर व्यक्ति की जरूरत बनेगा। आज जवान को रोजगार मिल रहा है और गरीब और जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। किसान को अनाज का उचित दाम मिल रहा है। नहरों को पुनर्निर्माण करवाया गया है, ताकि किसान को खेत की सिंचाई के लिए नहरी पानी मिले। उन्होंने कहा कि देश के विकास में हम सभी का योगदान जरूरी है। वह दिन दूर नहीं जब भारत पूर्णरूप से आत्मनिर्भर होगा। सरकार का प्रयास है कि हर जरूरतमंद और पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले।

विधायक मोहनलाल बड़ौली ने किया विश्वकर्मा योजना को लेकर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़

पीएम विश्वकर्मा योजना कारीगरों और शिल्पकारों के हुनर को दिलाएगी नई पहचान : विधायक बड़ौली

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सोनीपत के जीवीएम गर्ल्स कॉलेज स्थित सभागार में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राई से विधायक श्री मोहनलाल बड़ौली ने मुख्यातिथि के तौर पर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री बड़ौली ने कार्यक्रम में उपस्थित कारीगरों को संबोधित करते हुए कहा कि शिल्पकार व कारीगर समाज के नवनिर्माण में अपना बहुमूल्य सहयोग देते हैं। शिल्पकारों व कारीगरों के हुनर को सम्मान देते हुए केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की गई है जिससे शिल्पकारों व कारीगरों के हुनर को नई पहचान मिलेगी। विधायक ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना भारत की पारंपरिक कला और शिल्पकला को जीवित रखने और देश के कारीगरों और शिल्पकारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना का मुख्य बिंदु कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों और सेवाओं की पहुंच के साथ-साथ गुणवत्ता में सुधार करना है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना कि वे घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ एकीकृत हों। यह योजना पूरे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता प्रदान करेगी। विधायक श्री बड़ौली ने कहा कि इस योजना के तहत 18 विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यवसायों को शामिल किया गया है, जिनमें नाव बनाना, शस्त्राकार, लुहार, हथौड़ा व लोहे के औजार बनाना, ताला बनाना, सुनार, कुंभकार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी, सुथार, चटाई बनाना, गुडिया व खिलौने बनाना, बारबर, धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के लिए जाल बनाने का काम शामिल है। उन्होंने योजना के पात्र सभी कारीगरों का आह्वाहन किया कि वे तुरंत इस योजना को लेकर अपना रजिस्ट्रेशन करें और लाभ उठाएं।

विधायक श्री बड़ौली ने कहा कि हरियाणा सरकार ने भी श्रमिकों ने भी एक अनोखी पहल करते हुए पीएम - विश्वकर्मा योजना के तहत कॉलेज जाने वाली श्रमिक की बेटी को इलेक्ट्रिक स्कूटी के लिए 50 हजार रूपए तथा श्रमिक को साइकिल खरीदने के लिए पांच हजार रुपए दिए जाएंगे।

छोटे साहिबजादो की शहादत को शत-शत नमनः रघुबीर छिन्दा

प्रदीप शर्मा

यमुनानगर

निर्वैर हेल्पिंग हैंड की तरफ से साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज जी के चारों पुत्रों की शहादत को याद करते हुए शहीदी समागम मनाया गया जिसमे की सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज जी के चारों पुत्रों की शहादत के दिनों में पूरे संसार में शहादत दिवस मनाया जाता है आम आदमी पार्टी हरियाणा प्रदेश के युवा सह सचिव रघुबीर सिंह छिन्दा ने बताया कि गुरु जी ने सभी धर्मों की रक्षा करते हुए अपने परिवार के प्राण न्योछावर कर दिए जिसमें उनके चार साहिबजादो की भी शहादत है छोटे साहिबजादों ने मुगलों के जुल्म के आगे न झुक कर अपनी सिखी को कायम रखा और मौत को गले लगाया इस शहादत में छोटे साहिबजादों को दीवारों में चुनवा दिया गया पूरा संसार इस लासानी शहादत को प्रणाम करता है और इसी के चलते हुए यहां पर गुरु का लंगर आई कैंप ब्लड डोनेशन कैंप और मेडिकल कैंप लगाया गया जिसमे सैकड़ो लोगों ने भी अपने चेकअप करवाएं इस मौके पर सिख संगतों में मुख्य तौर पर सरदार जगजीत सिंह बलविंदर सिंह सुखविंदर सिंह रोशन सिंह राजू भाटिया सुखविंदर सिंह मनजीत सिंह व गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा विष्णु नगर की सारी सभा उपस्थिति रही।

चिकित्सकों की हड़ताल से अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं ठप : अनुराग ढांडा

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनुराग ढांडा ने हरियाणा में चिकित्सकों की हड़ताल की वजह से ठप पड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर हरियाणा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जहां पहले से ही हरियाणा में ठप पड़ी हैं, वहीं हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन के आह्वान पर सरकारी अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सक हड़ताल पर चले गए हैं। उन्होंने कहा कि सीएम खट्टर के राज में सरकारी अस्पतालों की हालत बद से बदतर है, न दवाइयां हैं, न मशीनें और 50% से ज्यादा चिकित्सकों के पद खाली पड़े हैं। इसके अलावा जो डॉक्टर हैं वो भी अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं। प्रदेश की जनता प्राइवेट अस्पतालों में महंगे बिलों में इलाज करवाने को मजबूर हैं। उन्होंने हरियाणा सरकार से चिकित्सकों की जायज मांगों को पूरा करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि इससे पहले भी मांगों के पूरा न होने के रोष स्वरूप 19 दिसंबर को सभी चिकित्सकों ने अपनी ड्यूटी के दौरान काली पट्टी बांधकर काम किया था, इसके बाद 20 दिसंबर को सरकार को ज्ञापन भेजा। लेकिन सरकार ने उनकी मांगों को लेकर कोई सुनवाई नहीं की, जिसके चलते 27 दिसंबर बुधवार को नागरिक अस्पताल की ओपीडी में सेवाएं बंद रखी गई। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उनकी मांग को अनसुना करने पर एसोसिएशन ने लंबे आंदोलन की राह पर चलते हुए 29 दिसंबर को ओपीडी व इमरजेंसी में अपनी सेवाओं को पूर्ण बंद करने की कहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों का खामियाजा प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में डॉक्टरों के साथ सालों से अन्याय हो रहा है। डॉक्टरों की मांग है कि सरकार सीधा सीनियर मेडिकल ऑफिसर की भर्ती करती है। इसलिए मेडिकल ऑफिसर की 18-20 साल तक प्रोमोशन नहीं हो पाता। मेडिकल ऑफिसर के साथ अन्याय हो रहा है। इसलिए सीधी एसएमओ की भर्ती पर रोक लगाई जाए।

केंद्र सरकार और बिहार सरकार डॉक्टरों को एसीआर चार-नौ-13 और 20 साल पर लगाती है। जबकि हरियाणा में ये पांच-10 व 15 साल पर लागू है। इसलिए इसको केंद्र की तर्ज पर किया जाए। वहीं, उनकी मांग है विशेषज्ञ डॉक्टरों का एक अलग कैडर बनाया जाए। प्रदेश में विशेषज्ञों की कमी को पूरा किया जाए। कैडर के अनुसार विशेषज्ञ ओपीडी के अलावा दूसरा काम नहीं करेंगे। अब विशेषज्ञों को पोस्टमार्टम और इमरजेंसी ड्यूटी भी करनी पड़ती है। ऐसे में उनके मरीजों को बिना इलाज घर लौटना पड़ता है। उनकी चौथी मांग है कि सरकार पीजी करने वाले डॉक्टरों से एक करोड़ रुपये बॉन्ड भरवाती है। इसको कम करके 50 लाख रुपये किया जाए।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में देश के स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर की हालत बिल्कुल खस्ता हो चुकी है। खट्टर सरकार ने प्रदेश के अस्पतालों को ही बीमार कर दिया है। कभी डॉक्टर तो कभी नर्सें हड़ताल पर रहती हैं। जहां प्रदेश की जनता स्वास्थ्य सुविधाओं से जूझ रही है। वहीं सीएम खट्टर व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज आपस में लड़ने में लगे रहते हैं। स्वास्थ्य विभाग में 850 फाइलें आज भी पेंडिग पड़ी है, जिन पर कोई काम नहीं हो रहा। इसका मतलब भाजपा सरकार में स्वास्थ्य सुविधाएं भी ठप पड़ी हैं।

उन्होंने कहा कि जहां हरियाणा की जनता प्राइवेट अस्पतालों के भरोसे रहने को मजबूर है। वहीं दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने 533 मोहल्ला क्लिनिक खोले हैं, जिनमें सभी तरह के टेस्ट और दवाइयां मुफ्त मिलती हैं। अब तक 2 करोड़ से ज्यादा मरीज इसका फायदा उठा चुके है। वहीं पंजाब में 16000 गांव में इसी तरीके से गांव क्लीनिक और मोहल्ला क्लीनिक खोलने की शुरूआत हो चुकी है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान डिप्टी स्पीकर ने आलमपुर में लाभार्थियों से किया संवाद

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर श्री रणबीर गंगवा ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान जिला हिसार के गांव पाना आलमपुर में लाभार्थियों से संवाद किया। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं को लेकर ग्रामीणों के सुझाव भी लिए। इसके अलावा उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासियों की शिकायतों को भी सुना। उन्होंने कहा कि शिकायतों व सुझावों को सरकार द्वारा स्थापित जन संवाद पोर्टल पर डाला जाएगा और प्रत्येक शिकायत व सुझाव पर कार्यवाही को सुनिश्चित किया जाएगा। डिप्टी स्पीकर ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर व विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया गया और उस दिशा में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं आयुष्मान भारत, चिरायु कार्ड, जन-धन खाता, हर घर नल से जल, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत जैसी अनेकों योजनाएं हैं जिन्हें इस यात्रा के जरिए जनता के सामने रखा जा रहा है। श्री गंगवा ने बताया कि परिवार पहचान पत्र नागरिकों के लिए एक सशक्त माध्यम बन गया है। गांव पाना आलमपुर में परिवार पहचान पत्र के माध्यम से 1 लाख 80 हजार रुपये

सरकार की विभिन्न योजनाओं को लेकर ग्रामीणों के लिए सुझाव

तक की वार्षिक आय वाले के 307 परिवारों में से 180 परिवारों के बीपीएल कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसी प्रकार 366 नागरिकों को विभिन्न योजनाओं से संबंधित पेंशन का लाभ दिया जा रहा है, जिनमें 198 वृद्धावस्था पेंशन, 26 दिव्यांग पेंशन, 132 विधवा पेंशन, 9 निराश्रित बच्चों को प्रदान की जाने वाली पेंशन तथा 1 लाडली पेंशन शामिल हैं। गांव के 180 पात्र व्यक्तियों के चिरायु कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिसके तहत लाभार्थी 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ ले सकते हैं।

डिप्टी स्पीकर ने कहा कि यह हमारे लिए बड़े गर्व एवं सौभाग्य की बात है कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर का उद्घाटन किया जा रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद कार्यक्रम के तहत मेरी कहानी-मेरी जुबानी के माध्यम से लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। लाभार्थियों ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अंत्योदय व गरीब कल्याण से संबंधित योजनाएं चलाकर गरीबों का दिल जीत लिया है। लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को गरीब हितैषी बताते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। इस दौरान विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टाल का अवलोकन भी किया गया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को हमारा संकल्प-विकसित भारत की शपथ भी दिलाई। संकल्प यात्रा के दौरान एलईडी युक्त वैन में सरकार की योजनाओं को दिखाया गया। इसके अलावा खंड उकलाना के गांव फरीदपुर व कंदौल तथा खंड बरवाला के गांव पाना मेहराना में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा यात्रा पहुंची। कार्यक्रमों में विभिन्न उल्लेखनीय योगदान वाले लोगों, प्रगतिशील किसानों, शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों, खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाडिय़ों व महिलाओं को भी सम्मानित किया।

लाभ — **हरियाणा में यात्रा से प्रतिदिन जुड़ रहे लाखों लोग**

विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद योजनाओं का लाभ देने का बन रही सशक्त माध्यम

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़

केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और विकसित भारत के संकल्प को लेकर निकाली जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा से प्रतिदिन प्रदेश के लाखों लोग जुड़ रहे हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने इस यात्रा को जनसंवाद के साथ जोड़ कर एक अनूठा रूप दिया है जिससे लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है।

इस यात्रा के दौरान न केवल विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही बल्कि पात्र नागरिकों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है। इसके अलावा लोगों के स्वास्थ्य की जांच भी की जा रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के पूरे प्रदेश में आज तक 3439 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। यात्रा के दौरान आज तक पूरे प्रदेश में 23 लाख 72 हजार 359 से अधिक लोगों ने भाग लिया और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया।

यात्रा के दौरान आज तक करीब 4 लाख 60 हजार से ज्यादा लोग हेल्थ कैंपों में पहुंचे और अपनी स्वास्थ्य संबंधी स्क्रीनिंग करवाई। इनमे से 3 लाख 06 हजार 851 लोगों की टीबी की स्क्रीनिंग की गई। यात्रा के दौरान 5 लाख 62 हजार से अधिक लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड व 5852 किसान क्रेडिट कार्ड जारी किये गए। इनके अलावा, 7193 लोगों ने पीएम स्वनिधि योजना के लिए जानकारी ली। इस दौरान 8580 लोग आधार कार्ड कैंप में पहुंचे। यात्रा के दौरान 18917 महिलाओं को, 30822

यात्रा के 27वें दिन तक पूरे प्रदेश में हुए 3439 स्थानों पर कार्यक्रम

विद्यार्थियों, 4328 स्थानीय खिलाडिय़ों तथा 4095 स्थानीय कलाकारों को अवार्ड भी वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की परिकल्पना है कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र में तब्दील हो जाए। यह एक बड़ा और व्यापक अभियान है। देश के प्रत्येक नागरिक और सभी वर्ग के लोगों को इस अभियान से जुड़ना चाहिए। यदि सभी लोग इससे जुड़ेंगे तो निश्चित ही भविष्य में भारत वैश्विक मानचित्र पर सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का इस यात्रा के माध्यम से यह प्रयास है कि गरीबों के जीवन स्तर में बदलाव लाने के लिए बनाई गई योजनाएं आम जन तक पहुंचे और पात्र लोगों को उनका लाभ मिले। प्रदेश सरकार अंत्योदय के सपने को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है और यह यात्रा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। एक ही स्थान पर लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। यह संकल्प यात्रा प्रदेश के हर गांव और हर वार्ड में पहुंच कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कारगर साबित हो रही है। योजनाओं की जानकारी लेने, पात्रों द्वारा मौके पर ही राशन कार्ड बनाना, परिवार पहचान पत्र में शुद्धिकरण करवाना, स्वास्थ्य विभाग की स्टॉल पर स्वास्थ्य जांच इत्यादि योजनाओं का लाभ मौके पर ही दिया जा रहा है।

संपादकीय

सुरक्षा पर उठे सवाल

दिल्ली की संवेदनशील जगहों, जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद प्रभावित इलाकों, यहां तक कि संसद की सुरक्षा में लापरवाही देखी जा रही है, तो सामान्य नागरिक ठिकानों पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर कितना भरोसा किया जा सकता है। हवाई अड्डों पर चौकस सुरक्षा व्यवस्था के दावे किए जाते हैं। खासकर दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर, जहां हर वक्त अतिविशिष्ट लोगों की आवाजाही रहती है, सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम हैं। फिर भी वहां से कोई आरोपी सुरक्षा बलों को चकमा देकर फरार हो जाए तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठेंगे ही। बलात्कार का एक आरोपी दिल्ली हवाई अड्डे से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआइएसएफ और आव्रजन विभाग के कर्मचारियों को चकमा देकर चार सुरक्षा घेरों को पार करते हुए निकल भागा। विचित्र है कि इस घटना पर आव्रजन विभाग और सीआइएसएफ एक-दूसरे पर दोष मढ़ने में जुट गए। आव्रजन विभाग का कहना है कि उसने आरोपी को सीआइएसएफ के हवाले कर दिया था, जबकि सीआइएसएफ का तर्क है कि उसे औपचारिक रूप से आरोपी की गिरफ्तारी के बारे में नहीं बताया गया था।

दरअसल, आरोपी के खिलाफ पंजाब पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया था। उसी के तहत आव्रजन विभाग ने आरोपी को पकड़ा और सीआइएसएफ को सौंप दिया। सीआइएसएफ कर्मी की लापरवाही से आरोपी निकल भागा। मगर यह समझ से बाहर है कि अगर किसी एक सिपाही की चूक के चलते आरोपी भागा, तो उस संवेदनशील क्षेत्र में बने बाकी के सुरक्षा घेरे में तैनात बलों का ध्यान उस पर क्यों नहीं गया। बताते हैं कि आरोपी खिड़की से कूद कर भागा था। फिर भी कैसे किसी सुरक्षाकर्मी की नजर उस पर नहीं गई!

आंतरिक सुरक्षा का मामला केवल इंदिरा गांधी हवाई अड्डे से जुड़ा नहीं है। कुछ दिनों पहले ही संसद में दो युवाओं ने कूद कर दहशत फैलाने की कोशिश की। उसे लेकर आंतरिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में आए दिन सुरक्षाबलों के काफिले और चौकियों पर हमले हो जाते हैं। इसके बावजूद समझना मुश्किल है कि संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह भरोसेमंद बनाने के व्यावहारिक उपाय क्यों नहीं जुटाए जाते। अधिकार क्षेत्र और कानूनी औपचारिकताओं का पहलू अलग हो सकता है, मगर यह जानते-समझते हुए कि एक ऐसे आरोपी के पकड़ में आने के बाद, जिसे पुलिस तीन साल से तलाश रही थी, लापरवाही बरती जाए, तो सामान्य सुरक्षा के मामलों में उससे भला किस तत्परता उम्मीद की जा सकती है। दिल्ली देश की राजधानी है और यहां सुरक्षा के मामले में किसी भी तरह की चूक या लापरवाही किसी बड़ी वारदात का मौका दे सकती है। मगर वहां भी आए दिन हत्याएं और बलात्कार की घटनाएं दर्ज होती हैं। यह सुरक्षा इंतजाम में खामी नहीं तो और क्या है। जब दिल्ली की संवेदनशील जगहों, जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद प्रभावित इलाकों, यहां तक कि संसद की सुरक्षा में लापरवाही देखी जा रही है, तो सामान्य नागरिक ठिकानों पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर कितना भरोसा किया जा सकता है। लगभग सभी राज्य लचर कानून-व्यवस्था के चलते अपराधों पर नकेल कसने में विफल साबित हैं। स्त्रियों के खिलाफ हिंसा और यौन अत्याचार के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे। ऐसे में अगर बलात्कार का एक आरोपी सबसे सख्त पहरे से निकल भागने में कामयाब होता है और जवाबदेह विभाग परस्पर कानूनी दायरे की नुक्ताचीनी में उलझे देखे जाते हैं, तो इससे दूसरे अपराधियों का मनोबल बढ़ता ही है। आमचुनाव नजदीक हैं और उस दौरान सुरक्षा घेरे में चलने वाले लोगों की खुले में आवाजाही बढ़ेगी। अगर आंतरिक सुरक्षा को लेकर इसी तरह की लापरवाहियां बनी रहीं, तो मुश्किलें शायद ही कम हों।

आज का राशिफल

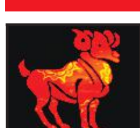
मेषः घर के किसी सदस्य के विवाह को लेकर चिन्ता दूर होगी। बेरोजगार लोगों को किसी अच्छी जॉब का प्रपोजल मिल सकता है। ऑफिस में आपके अधिकार बढ़ेंगे। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामन्जस्य बहुत ही अच्छा रहेगा। आप सस्ते दाम पर महँगी वस्तु खरीद सकते हैं।

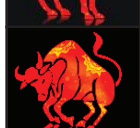
वृषभः परिवार के माहौल को लेकर थोड़े अशान्त रहेंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। आपकी योग्यता और कार्यशैली की प्रशन्सा आपके विरोधी जन भी करेंगे। किसी भी काम को हल्के में न लें। धन को लेकर परेशानी दूर होगी। दोपहर के बाद लव लाइफ में कुछ तनाव उत्पन्न हो सकता है।

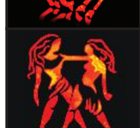
मिथुनः दिन की शुरूआत में आन्तरिक ऊर्जा में कमी महसूस करेंगे। प्रेमी जन के प्रति काफी आकर्षित रहेंगे। शाम तक आर्थिक परेशानियों से काफी हद तक निकल पायेंगे। युवा अपने करियर को लेकर काफी आशावादी रहेंगे। पिछले कुछ समय से यदि स्वास्थ्य समस्या थी तो आज दूर हो सकती है।

कर्कः अपने व्यवहार में ज्यादा परिवर्तन न करें। आज सम्वेदनशीलता के कारण आपका मूड स्विंग होता रहेगा। बुद्धिमान लोगों की सलाह अवश्य लें। वातावरण में हो रहे बदलाव को लेकर चिन्तित रहेंगे। घर से बाहर निकलने के दौरान सामाजिक दूरी का पालन निश्चित रूप से करें।

सिंहः दैनिक दिनचर्या बहुत ही अच्छी रहेगी। विद्यार्थी अपने करियर और अध्ययन को लेकर सचेत रहेंगे। घर के रखरखाव में आप विशेष रुचि लेंगे। अधिकारियों को किसी विशेष बड़े कार्य में सफलता मिल सकती है। आज मित्र आपका काफी सहयोग करेंगे।

कन्याः अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभायेंगे। घर में अतिथि आ सकते हैं। जॉब में आपको विशेष सम्मान मिलेगा। साझेदारी में किये गये कार्यों से आपको लाभ मिलेगा। पुराने ऋण को चुकाने का बेहतरीन समय है। अधिकारियों से आपके सम्बन्ध मधुर रहेंगे।

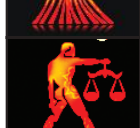
तुलाः जॉब को लेकर यात्रा होने की सम्भावना बन रही है। आपका समय बच्चों के साथ बीतेगा। राजनीतिक लोगों से आपके सम्बन्ध मधुर रहेंगे। छात्रों को मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। प्रेम सम्बन्धों में नजदीकियाँ बढ़ेंगी।

वृश्चिकः दूसरों के मामलों में बिल्कुल हस्तक्षेप न करें। बच्चों को लेकर थोड़े चिन्तित हों सकते हैं। गैस और बदहजमी की समस्या होने की आशंका है। अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभायेंगे। नकारात्मक बातों को वर्तमान पर हावी न होने दें। क्योंकि इसका सीधा प्रभाव आपके आत्मविश्वास पर पड़ेगा।

धनुः आज आप प्रेमी जन को विवाह के लिये प्रपोज कर सकते हैं। शेयर मार्केट सम्बन्धी निवेश से आपको विशेष धन लाभ होगा। आपको काफी शुभ समाचार सुनने को मिल सकते हैं। व्यापार में पार्टनर्स के साथ अपना तालमेल अच्छा रखें। आज आपको स्वार्थी व्यवहार से बचना चाहिये।

मकरः शरीर में चुस्ती-फुर्ती बनी रहेगी। आपकी दिनचर्या काफी सन्तुलित और अनुशासित रहेगी। इन्टरनेट और फोन कॉल्स में आज काफी व्यस्त रहने वाले हैं। यदि आप कुछ दिनों से किसी पहेली में उलझे हैं तो उसका समाधान आपको मिल जायेगा। समय अनुसार अपने स्वभाव में बदलाव लायें।

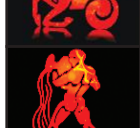
कुंभः जॉब में सहकर्मियों से समस्या हो सकती है। अपना काम स्वयं करें दूसरों पर बिल्कुल भी न छोड़ें। सम्पत्ति मामलों को टालना बेहतर होगा। अपने शत्रुओं से सावधान रहें। धूप में जाने से आपको बचना चाहिये। दूसरों की बातों पर ज्यादा ध्यान न दें।

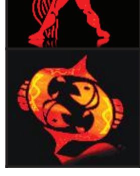
मीनः आज आपको परिवार में कुछ नकारात्मक परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि विवाह को लेकर कोई निर्णय ले रहे हैं तो आज आपको थोड़ा रुक जाना चाहिये। ठण्ड से आपको बचने की आवश्यकता है। सर्दी-जुकाम को बिल्कुल भी हल्के में न लें। माता की सेहत का ध्यान रखें।

अद्वितीयता, विशालता और कलात्मक भव्यता का नमूना कोणार्क का सूर्य मंदिर

कोणार्क का सूर्य मंदिर भारत के उड़ीसा राज्य के पुरी ज़िले के कोणार्क नामक कस्बे में स्थित है। सूर्य मंदिर अपने निर्माण के 750 साल बाद भी अपनी अद्वितीयता, विशालता व कलात्मक भव्यता से हर किसी को निरुत्तर कर देता है। वास्तव में जिसे हम कोणार्क के सूर्य मन्दिर के रूप में पहचानते हैं, वह पार्श्व में बने उस सूर्य मन्दिर का जगमोहन या महामण्डप है, जो कि बहुत पहले ध्वस्त हो चुका है। कोणार्क का सूर्य मंदिर को अंग्रेजी में ब्लैक पैगोडा भी कहा जाता है। पुराविद व वास्तुकार मन्दिर की संरचना, मूर्तिशिल्प व पत्थरों पर उकेरी आकृतियों को वैज्ञानिक, तकनीकी व तार्किक कसौटी पर कसने के बाद तथ्यों को दुनिया के सामने रखते रहे हैं और यह क्रम लगातार जारी है। बहरहाल इस महामण्डप या जगमोहन की विराटता व भग्न हो चुके मुख्य मन्दिर के आधार पर उत्कीर्ण सज्जा से ही इसे यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल की पहचान मिली है। भारत से ही नहीं बल्कि दुनिया भर से लाखों पर्यटक इसको देखने कोणार्क आते हैं। कोणार्क में बनी इस भव्य कृति को महज देखकर समझना कठिन है कि यह कैसे बनी होगी। इसे देखने का आनन्द तभी है जब इसके इतिहास की पृष्ठभूमि में जाकर इसे देखा जाए।

स्थापना

सूर्य मंदिर को गंग वंश के राजा नरसिम्हा देव प्रथम ने लगभग 1278 ई. में बनवाया था। कहा जाता है कि ये मंदिर अपनी पूर्व निर्धारित अभिकल्पना के आधार पर नहीं बनाया जा सका। मंदिर के भारी गुंबद के हिसाब से इसकी नींव नहीं बनी थी। यहाँ के स्थानीय लोगों की मानें तो ये गुम्बद मंदिर का हिस्सा था पर इसकी चुम्बकीय शक्ति की वजह से जब समुद्री पोत दुर्घटनाग्रस्त होने लगे, तब ये गुम्बद हटाया गया। शायद इसी वजह से इस मंदिर को ब्लैक पैगोडा भी कहा जाता है।

वास्तु रचना

स्थान चयन से लेकर मन्दिर निर्माण सामग्री की व्यवस्था और मूर्तियों के निर्माण के लिए बड़ी योजना को रूप दिया गया। चूँकि उस काल में निर्माण वास्तुशास्त्र के आधार पर ही होता था, इसलिए मन्दिर निर्माण में भूमि से लेकर स्थान व दिन चयन में निर्धारित नियमों का पालन किया गया। इसके निर्माण में 1200 कुशल शिल्पियों ने 12 साल तक लगातार काम किया। शिल्पियों को निर्देश थे कि एक बार निर्माण आरम्भ होने पर वे अन्यत्र न जा सकेंगे। निर्माण स्थल में निर्माण योग्य पत्थरों का अभाव था। इसलिए सम्भवतया निर्माण सामग्री नदी मार्ग से यहाँ पर लाई गई। इसे मन्दिर के निकट ही तराशा गया। पत्थरों को स्थिरता प्रदान करने के लिए जंगरहित लोहे के कब्जों का प्रयोग किया गया। इसमें पत्थरों को इस प्रकार से तराशा गया कि वे इस प्रकार से बैठें कि जोड़ों का पता न चले। सूर्यमन्दिर भारत का इकलौता सूर्य मन्दिर है जो पूरी दुनिया में अपनी भव्यता और बनावट के लिए जाना जाता है। सूर्य मन्दिर उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर से 65 किलोमीटर दूर कोणार्क में अपने समय की उत्कृष्ट वास्तु रचना है। पूर्वी गंग वंश के राजा नरसिंह देव प्रथम ने सूर्य मन्दिर को तेरहवीं शताब्दी में बनवाया था। प्राचीन उड़िया स्थापत्य कला का यह मन्दिर बेजोड़ उदाहरण है। सूर्य मन्दिर की रचना इस तरह से की गई है कि यह सभी को आकर्षित करती है। सूर्य को ऊर्जा, जीवन और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। सूर्य देवता की सभी संस्कृतियों में पूजा की जाती रही है। सूर्य की इस मन्दिर में मानवीय आकार में मूर्ति है जो अन्य कहीं नहीं है।

इस मंदिर को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि अपने सात घोड़े वाले रथ पर विराजमान सूर्य देव अभी-अभी कहीं प्रस्थान करने वाले हैं। यह मूर्ति सूर्य मन्दिर की सबसे भव्य मूतियों में से एक है। सूर्य की चार पत्नियाँ रजनी, निक्षुभा, छाया और सुवर्चसा मूर्ति के दोनों तरफ हैं। सूर्य की मूर्ति के चरणों के पास ही रथ का सारथी अरुण भी उपस्थित है।

निर्माण सम्बन्धी अनुश्रुतियाँ

मुख्य मन्दिर की संरचना को लेकर अनेक कहानियाँ प्रचलित हैं। कहा जाता है कि जहाँ पर मुख्य मन्दिर था, उसके गर्भगृह में सूर्यदेव की मूर्ति ऊपर व नीचे चुम्बकीय प्रभाव के कारण हवा में दोलित होती थी। प्रातः सूर्य की किरणें रंगशाला से होते हुए वर्तमान में मौजूद जगमोहन से होते हुए कुछ देर के लिए गर्भगृह में स्थित मूर्ति पर पड़ती थीं। समुद्र का तट उस समय मन्दिर के समीप ही था, जहाँ बड़ी नौकाओं का आवागमन होता रहता था। अक्सर चुम्बकीय प्रभाव के कारण नौकाओं के दिशा मापक यन्त्र दिशा का ज्ञान नहीं करा पाते थे। इसलिए इन चुम्बकों को हटा दिया गया और मन्दिर अस्थिर होने से ध्वस्त हो गया। इसकी ख्याति उत्तर में जब मुगलों तक पहुँची तो उन्होंने इसे नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। 16वीं सदी के मध्य में मुगल आक्रमणकारी कालापहाड़ ने इसके आमलक को नुकसान पहुँचाया व कई मूर्तियों को खण्डित किया, जिसके कारण मन्दिर का परित्याग कर दिया गया। इससे हुई उपेक्षा के कारण इसका क्षरण होने लगा। कुछ विद्वान मुख्य मन्दिर के टूटने का कारण इसकी विशालता व डिजाइन में दोष को बताते हैं। जो रेतीली भूमि में बनने के कारण धँसने लगा था, लेकिन इस बारे में एक राय नहीं है। कुछ का यह मानना है कि यह मन्दिर कभी पूर्ण नहीं हुआ, जबकि आईने अकबरी में अबुल फजल ने इस मन्दिर का भ्रमण करके इसकी कीर्ति का वर्णन किया है। कुछ विद्वानों का मत है कि काफी समय तक यह मन्दिर अपने मूल स्वरूप में ही था। ब्रिटिश पुराविद फर्ग्युसन ने जब 1837 में इसका भ्रमण किया था, तो उस समय मुख्य मन्दिर का एक कोना बचा हुआ था, जिसकी ऊँचाई उस समय 45 मीटर बताई गई। कुछ विद्वान मुख्य मन्दिर के खण्डित होने का कारण प्रकृति की मार यथा भूकम्प व समुद्री तूफान आदि को मानते हैं। लेकिन इस क्षेत्र में भूकम्प के बाद भी निकटवर्ती मन्दिर कैसे बचे रह गए, यह विचारणीय है। गिरने का अन्य कारण इसमें कम गुणवत्ता का पत्थर प्रयोग होना भी है, जो काल के थपेड़ों व इसके भार को न सह सका। किन्तु एक सर्वस्वीकार्य तथ्य के अनुसार समुद्र से खारे पानी की वाष्प युक्त हवा के लगातार थपेड़ों से मन्दिर में लगे पत्थरों का क्षरण होता चला गया और मुख्य मन्दिर ध्वस्त हो गया। यह प्रभाव सर्वत्र दिखाई देता है।

मान्यताएँ

सूर्यमन्दिर के निर्माण में 1200 कुशल शिल्पियों ने 12 साल तक लगातार काम किया। शिल्पियों को निर्देश थे कि एक बार निर्माण आरम्भ होने पर वे अन्यत्र न जा सकेंगे। निर्माण स्थल में निर्माण योग्य पत्थरों का अभाव था। इसलिए सम्भवतया निर्माण सामग्री नदी मार्ग से यहाँ पर लाई गई। इसे मन्दिर के निकट ही तराशा गया। पत्थरों को स्थिरता प्रदान करने के लिए जंगरहित लोहे के कब्जों का प्रयोग किया गया। इसमें पत्थरों को इस प्रकार से तराशा गया कि वे इस प्रकार से बैठें कि जोड़ों का पता न चले। कोणार्क के आध्यात्मिक महत्त्व, वर्तमान मन्दिर की स्थापना, इसके परित्याग करने से लेकर, मुख्य मन्दिर के ध्वस्त होने के बारे में अनेकानेक मान्यताएँ और अनुश्रुतियाँ हैं। मन्दिर के सम्बन्ध में कई बातें अब भी इतिहास के गर्भ में हैं।

मन्दिर की विशेषता

मन्दिर को रथ का स्वरूप देने के लिए मन्दिर के आधार पर दोनों ओर एक जैसे पत्थर के 24 पहिए बनाए गए। पहियों को खींचने के लिए 7 घोड़े बनाए गए। इन पहियों का व्यास तीन मीटर है। मन्दिर के डिजायन व अंकरण में उस समय के सामाजिक व सांस्कृतिक परिवेश का ध्यान रखा गया। आधार की बाहरी दीवार पर लगे पत्थरों पर विभिन्न आकृतियों को इस प्रकार से उकेरा गया कि वे जीवन्त लगें। इनमें कुछ स्थानों पर खजुराहो की तरह कामातुर आकृतियाँ तो कहीं पर नारी सौंदर्य, महिला व पुरुष वादकों व नर्तकियों की विभिन्न भाव-भंगिमाओं को उकेरा गया।

इसके अलावा इसमें मानव, पेड़-पौधों, जीव-जन्तुओं के साथ पुष्पीय व ज्यामितीय अंकरण हैं। मन्दिर का महामण्डप चबूतरे सहित कुल 39 मीटर है। इसकी विशालता से मुख्य मन्दिर की ऊँचाई का अनुमान लगाया जा सकता है, जो सम्भवतया लिंगराज व पुरी से भव्य रहा होगा। पुरातत्त्ववेत्ता महामण्डप के पीछे इस रेखा मन्दिर या उर्ध्व मन्दिर की ऊँचाई 65 मीटर तक मानते हैं। इस भग्न मन्दिर के एक ओर साढ़े तीन मीटर ऊँची सूर्यदेव की मूर्ति बेहद आकर्षक हैं। इस मन्दिर की मूर्तियाँ लेहराइट, क्लोराइट और खोण्डोलाइट नाम के पत्थरों से बनाई गई हैं। कोर्णाक में ये पत्थर नहीं पाए जाते, इसलिए यह अनुमान लगाया जाता है कि नरसिंह देव ने इसे बाहर से मंगवाया होगा। इस मन्दिर के तीन हिस्से हैं-

नृत्यमन्दिर
जगमोहन
गर्भगृह।

मन्दिर का महामण्डप बेहद आकर्षक है, जिसका शीर्ष पिरामिड के आकार का है। इसमें विभिन्न स्तरों पर सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, शनि आदि नक्षत्रों की प्रतिमाएँ हैं। इसके ऊपर विशाल आमलक है। समीप ही सूर्य की पत्नी मायादेवी व वैष्णव मन्दिर खण्डित अवस्था में है। समीप में भोगमण्डप था। एक नवग्रह मन्दिर भी यहाँ पर है।

बारह महीने के प्रतीक चक्र

दीवार पर मन्दिर के बाहर बने विशालकाय चक्र पर्यटकों का ध्यान खींच लेते हैं। हर चक्र का व्यास तीन मीटर से ज्यादा है। चक्रों के नीचे हाथियों के समूह को बेहद बारीकी से उकेरा गया है। सूर्य देवता के रथ के चबूतरे पर बारह जोड़ी चक्र हैं, जो साल के बारह महीने के

इसलिए कई बातों से विद्वतजन एकमत नहीं हैं। स्कन्दपुराण में कोणार्क की पहचान में सूर्यक्षेत्र, ब्रह्म पुराण में कोणादित्य, कपि संहिता में रवि क्षेत्र, भाम्बपुराण में मित्रवन व प्राचीन महात्यम में अर्कतीर्थ आदि नामों से की गई है। वहीं निकट में एक सूर्य मन्दिर था। पुराणों में वर्णित मित्रवन व चन्द्रभागा की पहचान के बारे में अलग-अलग तर्क हैं। कुछ लोग इसे पाकिस्तान के मुल्तान में बताते हैं, जिसका प्राचीन नाम भाम्बापुरा था और यहीं से चिनाब या चन्द्रभागा गुजरती है। उधर कोणार्क में भाम्बापुरा तो नहीं है किन्तु मन्दिर से 2 किलोमीटर दूर चन्द्रभागा का तट है, जहाँ पर माघ माह की सप्तमी को विशाल मेला लगता है। गंग नरेश नरसिंह देव ने सूर्य मन्दिर का ही निर्माण क्यों करवाया, इसे लेकर अनेक मान्यताएँ हैं।

कला का अद्भुत सौंदर्य

कोणार्क उड़ीसा की प्राचीन वास्तुशैली का विशिष्ट मन्दिर है, जिसमें मन्दिर में मुख्य मन्दिर, महामण्डप, रंगशाला व सटा भोगमण्डप होते थे। इनमें से ज्यादातर में जगमोहन व मुख्य मन्दिर एक साथ जुड़े होते थे। कोणार्क मन्दिर में थोड़ी भिन्नता है। यहाँ पर जगमोहन व मुख्य मन्दिर सटे थे। पूर्व में स्थित प्रवेश द्वार के बाद नाट्यमण्डप हैं। द्वार पर दोनों ओर दो विशालकाय सिंह एक हाथी को दबोचे हैं। नाट्यमण्डप पर स्तम्भों को तराश कर विभिन्न आकृतियों से सज्जित किया गया है। मन्दिर का भोगोंडप मन्दिर से पृथक निर्मित है। मुख्य सूर्य मन्दिर में महामण्डप व मुख्य मन्दिर जुड़े थे, जबकि भोगमण्डप रथ से पृथक था।

नाट्य शाला

जैसे ही इस मंदिर के पूर्वी प्रवेश द्वार से आप घुसेंगे तो सामने एक नाट्य शाला दिखाई देती है जिसकी ऊपरी छत अब नहीं है। 'कोणार्क नृत्योत्सव' के समय हर साल यहाँ देश के नामी कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते है।

खोज व संरक्षण

1806 में जब इसका पता चला तो उस समय यह स्थान चारों ओर पेड़ों व झाड़ियों से घिरा व रेत से ढका था। 1838 में एशियाटिक सोसाइटी ने पहली बार इसके संरक्षण की बात उठाई। यहाँ से जंगल, झाड़ियों व रेत को हटाया गया। एक बात अच्छी रही कि दबे होने से मन्दिर आततायों से सुरक्षित रहा। उस समय मन्दिर का जगमोहन सुरक्षित था, जबकि मुख्य मन्दिर का पिछला हिस्सा ध्वस्त अवस्था में था और चारों ओर खण्डित मन्दिर के पत्थरों की बहुलता थी। 1900 में यहाँ पर वास्तविक संरक्षण करने का प्रयास हुआ। खण्डित हिस्सों को पुरानी संरचना के अनुसार संरक्षित करने का प्रयास किया गया। महामण्डप जो कि गिरने की हालत में था, को बचाने के लिए दरारों को पाटा गया। इसके लिए महामण्डप के आन्तरिक भाग को पत्थरों से भर दिया गया। शेष दोनों ओर के दरवाजे भी चिनाई करके बन्द कर दिये गये। इस पर लगे पत्थरों का रासायनिक उपचार करके मन्दिर के स्वरूप को निखारा गया। संरक्षण का काम कई सालों तक चला। 20वीं सदी के मध्य में इसे भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के अधीन कर दिया गया। अन्य सामग्री को लेकर निकट एक संग्रहालय बनाया गया। 1984 के बाद इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया।

कोणार्क का अर्थ

कोणार्क शब्द, 'कोण' और 'अर्क' शब्दों के मेल से बना है। अर्क का अर्थ होता है सूर्य जबकि कोण से अभिप्राय कोने या किनारे से रहा होगा। कोणार्क का सूर्य मंदिर पुरी के उत्तर पूर्वी किनारे पर समुद्र तट के करीब निर्मित है।

कोणार्क जहाँ पत्थरों की भाषा मनुष्य की भाषा से श्रेष्ठतर है।
- रवीन्द्रनाथ टैगोर

जयशंकर ने अपने समकक्ष लावरोव से की चर्चा, वाइब्रेंट गुजरात में रूसी प्रतिनिधित्व के आने की जताई उम्मीद

आर्थिक और निवेश को गहरा करने के लिए कई समझौते हुए

दर्पण न्यूज सर्विस
मॉस्को

पांच दिवसीय दौर पर पहुंचे भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूसी एमएफए रिसेप्शन हाउस में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की गई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के रिश्ते काफी मजबूत, स्थिर हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हम दोनों देश विशेष रणनीतिक साझेदारी पर खरे उतरे हैं। एक वर्ष में हम तकरीबन छह बार मुलाकात कर चुके हैं और मेरी और मेरे समकक्ष लावरोव की यह सातवीं मुलाकात हैं। दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व लगातार एक-दूसरे के सम्पर्क में हैं।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जनवरी में होने वाले वाइब्रेंट गुजरात बैठक में एक मजबूत रूसी भागीदारी की हमें उम्मीद हैं। हम कई क्षेत्रों के अपने द्विपक्षीय सहयोग पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वहीं इस दौरान जयशंकर ने कहा कि मॉस्को में रहना हमेशा से सुखद रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं आपसे सहमत हूं कि हमारे रिश्ते हमेशा मजबूत और स्थिर रहे हैं।

वहीं रूस के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मॉस्को में अपने समकक्ष भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर का स्वागत किया, जिसके बाद दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता शुरू हुई। रूस द्वारा साझा पोस्ट के मुताबिक, दो महान देशों के बीच होने वाली बैठक में दुनिया में बदलती परिस्थितियों और मांगों पर चर्चा की जाएगी, साथ ही अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक स्थिति, संघर्ष और तनाव पर चर्चा करेंगे।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता पर रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि आर्थिक और निवेश को गहरा करने के लिए कई समझौते हुए हैं। हमने हमारे बहुपक्षीय मदद पर ध्यान दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी सदस्य बनने को लेकर रूस समर्थन करता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस संबंध बेहद प्रगाढ़ हैं। ये रिश्ते रणनीतिक अभिसरण, भू-राजनीतिक हितों पर आधारित हैं। ब्रिक्स सहित कई अतंरराष्ट्रीय मुद्दों के संबंध में राजनीतिक सहयोग पर चर्चा करने का समय है। हमने मौजूदा दोनों देशों के तथ्य की सराहना की। भारत और रूस ने पिछले वर्ष 50 अरब डॉलर का कारोबार किया है। उम्मीद है कि अगले साल यह आंकड़ा भी हम पार कर लेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार अधिक संतुलित है, यह टिकाऊ है और यह निष्पक्ष बाजार पहुंच प्रदान करता है। साथ ही कहा कि हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि भारत और यूरेशियन आर्थिक संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत इस साल जनवरी की दूसरी छमाही में फिर से शुरू की जाएगी।

इससे पहले, भारत में रूसी दूतावास ने कहा था कि बैठक के दौरान मंत्री द्विपक्षीय सहयोग के वर्तमान और भविष्य के क्षेत्रों और कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बता दें जयशंकर 25-29 दिसंबर तक रूस की पांच दिवसीय यात्रा पर रविवार को मॉस्को पहुंचे। मॉस्को पहुंचने के बाद जयशंकर ने कहा कि वह रूस में अपने कार्यक्रमों को लेकर उत्सुक हैं।

राष्ट्रपति पुतिन को जयशंकर ने सौंपी मोदी की चिट्ठी, दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर हुई चर्चा

दर्पण न्यूज सर्विस
मॉस्को

रुस के पांच दिवसीय यात्रा पर पहुंचे जयशंकर ने अपने रुसी समकक्ष विदेश मंत्री सर्वेई लावरोव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सर्वेई लावरोव ने कहा कि मेड इन इंडिया के तहत दोनों देश ने सैन्य उपकरणों के निर्माण पर सहमति जताई है। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने कहा कि भारत और रूस के संबंध प्रगाढ़ हैं। द्विपक्षीय बैठक में वर्तमान और भविष्य की परिस्थितियों पर चर्चा की गई है। वहीं भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि हमारा लक्ष्य आपकी संबंधों को मजबूत करना हैं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बुधवार रात भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के भारत-रूस के बीच संबंधों को मजबूत करने पर भी बात की। बैठक के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को जयशंकर ने पीएम मोदी की चिट्ठी भी सौंपी। राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान सुरक्षा, राजनीतिक समेत कई मुद्दों पर भी चर्चा की गई। बता दें क्रेमलिन के प्रवक्ता के मुताबिक भारत रूस का एक महत्वपूर्ण भागीदारी है।

वहीं सर्गेई लावरोव से मुलाकात के दौरान जयशंकर ने कहा कि मॉस्को में रहना हमेशा सुखद होता है। मैं आपसे सहमत हूं कि हमारे रिश्ते बहुत मजबूत, बहुत स्थिर रहा है। मुझे यह भी लगता है कि दोनों देश विशेष रणनीतिक साझेदारी की जिम्मेदारियों पर खरे उतरे हैं। बता दें मंगलवार को जयशंकर ने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग पर उप प्रधानमंत्री मंटुरोव के साथ एक बैठक की थी, जिसमें कुडनकुलम परमाणु संयंत्र में भविष्य की बिजली उत्पादन इकाईयों के निर्माण से जुड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

गौरतलब, यूक्रेन पर मॉस्को के आक्रमण के बावजूद भारत और रूस के बीच संबंध मजबूत बने रहे। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को लेकर भारत किसी भी प्रकार की टिप्पणी देने से बच रहा हैं। भारत की मानें तो इन मुद्दों को कूटनीति और बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

2023 में 18 लाख भारतीय मुसलमानों ने किया उमरा, सरकारी वेबसाइट ने आसान बनाई इलेक्ट्रॉनिक वीजा प्रक्रिया

दर्पण न्यूज सर्विस
मक्का मदीना

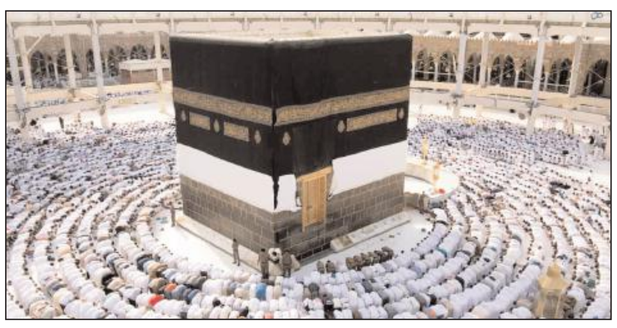

वर्ष 2023 में 18 लाख भारतीय मुसलमानों ने उमरा किया, जो विश्व में उमरा करने वाली तीसरी सबसे बड़ी आबादी है। हालांकि, इस सूची में पहले और दूसरे स्थान के देशों के नामों का जिक्र नहीं किया गया है। सऊदी अरब सरकार के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया है कि इस संख्या में और भी वार्षिक वृद्धि हो सकती है। उमरा मक्का की एक इस्लामी धार्मिक यात्रा है, जिसे वर्ष में किसी भी समय किया जा सकता है।

इससे पहले, सऊदी अरब के हज और उमरा मंत्री डॉ. तौफीक बिन फौजान अल-रबिया ने दिसंबर की शुरूआत में भारत की पहली यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने सरकारी साइट 'नुसुक' की बैठक में भाग लिया था। नुसुक को सऊदी अरब द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वीजा प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और उमरा और मदीना की यात्रा के लिए पहुंच प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए लॉन्च किया गया है।

एक भारतीय यात्रा और पर्यटन (टूर एंड ट्रैवल) एजेंसी के प्रतिनिधि ने जोर देकर कहा कि नुसुक भारतीय आगंतुकों के लिए उमरा की सुविधा में महत्वपूर्ण योगदान देगा, सेवा मानकों को बढ़ाएगा। वहीं, सऊदी पर्यटन प्राधिकरण में एपीएसी मार्केट्स के प्रमुख हसन अल-दबबाग ने उमरा क्षेत्र के लिए एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मंच की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, इससे सऊदी अरब और वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से भात में निजी क्षेत्र को नुसुक की सेवाओं से लाभ उठाकर रहमान के मेहमानों की सेवा करने की अनुमति मिलती है।

उन्होंने कहा, अपने लॉन्च के बाद से नुसुक ने आंकड़े (डाटा) साझा करके, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान कर-के और सेवा प्रदाताओं को आगंतुकों के साथ जोड़कर निजी क्षेत्र को सशक्त बनाया है।

श्रीलंकाई तमिलों की रक्षा के लिए उतारें साझा राष्ट्रपति उम्मीदवार

दर्पण न्यूज सर्विस
कोलंबो

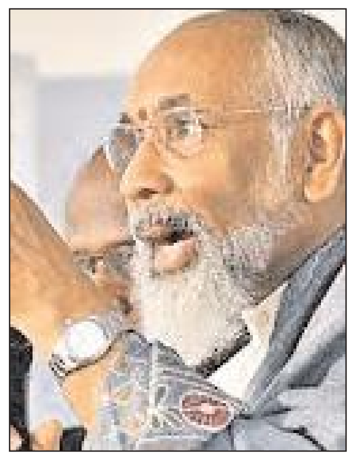

भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका में तमिलों को लेकर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही हैं। उत्तरी प्रांत के पूर्व मुख्यमंत्री सीवी विग्नेश्वर ने मंगलवार को जाफना में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि तमिल के हितों की रक्षा तब होगी, जब तमिल पार्टियां अपने निजी उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के बदलते राष्ट्रपति चुनाव में एक साझा उम्मीदवार को खड़ा करें। बता दें सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश सीवी विग्नेश्वरन ने 2013 और 2018 के बीच उत्तरी प्रांत के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया।

तमिल मक्कल थेसिया कूटन (टीएमटीके) नेता सीवी विग्नेश्वरन ने दावा किया कि तमिल उम्मीदवार बनने के लिए मुझमें योग्यताएं हैं। अगर तमाम तमिल पार्टियां मुझे राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए आमंत्रित करती हैं, तो वह चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि विक्रमसिंघे के अगले चुनाव में आवश्यक 50 प्रतिशत वोट जीतने की संभावना बहुत कम है क्योंकि सिंहली बहुसंख्यक समुदाय की पार्टियों का प्रतिनिधित्व करने वाले कम से कम चार उम्मीदवार होंगे। राजनीतिक समीकरणों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि दक्षिणी पार्टियों से चार उम्मीदवार होंगे, इसलिए किसी भी पार्टी के लिए 50 फीसदी वोट हासिल करना मुश्किल होगा।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए विग्नेश्वरन ने कहा कि विभाजित तमिल वोट के बजाए एक आम तमिल उम्मीदवार बेहतर चुनावी प्रभाव पैदा करेगा। बता दें विक्रमसिंघे अगले साल नवंबर में अपना अस्थायी कार्यकाल समाप्त होने के बाद फिर से राष्ट्रपति चुने जाने की उम्मीद कर रहे हैं। राजनीतिक जानकारों की मानें तो विक्रमसिंघे श्रीलंका की दिवालिया अर्थव्यवस्था के संचालन से मतदाताओं को प्रभावित करने में कामयाब रहे हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आदेश पर कड़े आर्थिक सुधार चुनावों में उनकी लोकप्रियता में बाधा बन सकते हैं।

श्रीलंका के संविधान के मुताबिक, अगले राष्ट्रपति चुनाव की घोषणा सितंबर 2024 तक की जानी चाहिए और नवंबर के अंत से पहले होनी चाहिए। गोटबाया राजपक्षे के शेष कार्यकाल को भरने के लिए रानिल विक्रमसिंघे को 20 जुलाई, 2022 को राष्ट्रपति के रूप में नियुक्त किया गया था, जिन्हें एक लोकप्रिय विद्रोह में सत्ता से बाहर कर दिया गया था।

संक्षिप्त-समाचार

विदेशों में भी वीर बाल दिवस पर गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों के साहस को किया गया याद, बड़ी संख्या में जुटे लोग

वॉशिंगटन। न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरु गोबिंद सिंह के बेटों की वीरता को उजागर करने वाली एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। बता दें, 26 दिसंबर को साहिबजादों-जोरावर सिंह और फतेह सिंह के शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे सरहिंद (पंजाब) में छह और नौ साल की उम्र में शहीद हो गए थे। जिस स्थान पर अंतिम सिख गुरु के पुत्रों को जिंदा दफनाया गया था वह वर्तमान फतेहगढ़ साहिब है। दूतावास की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरु गोविंद सिंह के बेटों द्वारा किए गए असाधारण वीरता और अद्वितीय बलिदान को याद करने के लिए एक प्रदर्शनी आयोजित की। इस दौरान बहादुरों को श्रद्धांजलि दी गई। 'वीर साहिबजादे' को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य शामिल हुए। वाणिज्य दूतावास ने कहा कि एक स्थानीय गुरुद्वारे के पुजारी के अनुरोध पर 28 दिसंबर तक वाणिज्य दूतावास परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और कनेक्टिकट के गुरुद्वारों में भी आयोजित किया जाएगा।

अमेरिका ने 12 हूती ड्रोन और पांच मिसाइल भी मार गिराए; इस्राइल-हमास तनाव के बीच लाल सागर में बढ़ी हलचल

सना (यमन)। अमेरिका ने लाल सागर में 12 हूती हमलावर ड्रोन और 5 मिसाइलों को मार गिराया है। अमेरिका का दावा है कि ड्रोन ईरान समर्थित हूती की तरफ से लॉन्च किए गए थे। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि लाल सागर क्षेत्र में जहाजों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यूएस सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, दक्षिण लाल सागर में अमेरिका की कार्रवाई में एकतरफा हमले वाले 12 ड्रोन, तीन जहाज-रोधी बैलिस्टिक मिसाइलों और जमीन से हमला करने वाली दो क्रूज मिसाइलों को मार गिराया गया। कार्रवाई में आइजनहावर कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के यूएसएस लैबून (डीडीजी 58) और एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट शामिल रहे। रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी लाल सागर में हूती की तरफ से 26 दिसंबर को सुबह लगभग 6:30 बजे (यमन के स्थानीय समयानुसार) हमले शुरू हुए। 10 घंटे तक गोलीबारी जारी रही। इसके बाद अमेरिका की तरफ से जवाबी कार्रवाई की गई। हूती हमलावर ड्रोन पर सटीक निशाना साधा गया। जहाजों को कोई नुकसान नहीं हुआ। बता दें कि यूएसएस लैबून गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्ध पोत है। इसके अलावा अमेरिका एफ -18 लड़ाकू जेट आइजेनहोवर से संचालित करता है। टाइम्स ऑफ इस्राइल की खबर के मुताबिक अमेरिकी नेतृत्व वाला गठबंधन दक्षिणी लाल सागर में शिपिंग लेन की हिफाजत करता है।

हसीना ने 'स्मार्ट बांग्लादेश' बनाने का किया दावा, चुनाव से पहले घोषणा पत्र में किए ये वादे

ढाका। बांग्लादेश में अगले वर्ष जनवरी में आम चुनाव है। जिसके मद्देनजर सभी राजनीतिक पार्टियों ने कमर कस ली हैं। तमाम राजनीतिक दल रैली, सभाओं के जरिए बांग्लादेश के नागरिकों को रिझाने का प्रयास कर रहे हैं। लगातार राजनीतिक दलों द्वारा चुनावी घोषणाओं का एलान किया जा रहा है। इसी बीच, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना ने अपनी पार्टी का चुनाव घोषणा पत्र जारी किया है। सात जनवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए जारी घोषणा पत्र में शेख हसीना की पार्टी ने 'स्मार्ट बांग्लादेश' बनाने का वादा किया है। पार्टी कार्यकताओं, नेताओं और समर्थकों के साथ अवामी लीग का घोषणा पत्र जारी करते हुए शेख हसीना ने कहा कि आइए, एक बार फिर हमें अवामी लीग के चुनावी चिह्न पर वोट देकर आपकी सेवा करने की अनुमति दें। उन्होंने कहा कि आप हमें वोट दें और हम आपको विकास, शांति और समृद्धि देंगे। इस दौरान कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी बयानबाजी में विश्वास नहीं करती हैं। हम जो वादा करते हैं, उन्हें पूरा करते हैं।

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री को बड़ा झटका, अदियाला जेल से रिहाई के बाद फिर गिरफ्तारी

दर्पण न्यूज सर्विस
लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को फिर गिरफ्तार किया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी- पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उपाध्यक्ष रहे कुरैशी को गुप्त राजनयिक केबल यानी सिफर मामले में जमानत मिली थी। पिछले हफ्ते उच्चतम न्यायालय से मिली जमानत के बाद बुधवार को कुरैशी को अदियाला जेल के बाहर फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। खबरों के अनुसार कुरैशी ने दोबारा गिरफ्तारी का भरपूर विरोध किया।

टीवी पर प्रसारित वीडियो और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा पीटीआई की फुटेज में 67 वर्षीय पूर्व विदेश मंत्री को जोर-शोर से विरोध करते देखा गया। डॉन न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक कुरैशी ने पुलिस की कार्रवाई को अवैध करार दिया। वीडियो में पंजाब पुलिस की वर्दी पहने अधिकारी कुरैशी को बख्तरबंद पुलिस वाहन में धकेलते देखा जा सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पर पोस्ट वीडियो में पीटीआई ने कहा कि सिफर मामले में जमानत पर रिहाई के बाद कुरैशी को अदियाला जेल के बाहर से फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। पार्टी ने कहा कि रावलपिंडी के उपायुक्त हसन वकार चीमा ने मंगलवार को कुरैशी की 15 दिन की हिरासत का आदेश वापस ले लिया।

पूर्व विदेश मंत्री पर हुई कार्रवाई और पीटीआई के आरोपों पर पाकिस्तान की पुलिस ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। पुलिसकर्मी जब पीटीआई नेताओं को जबरन खदेड़ रहे थे तो कुरैशी के साथ-साथ उनके समर्थकों ने भी अवैध रूप से गिरफ्तार किए जाने का आरोप लगाते सुने गए। कुरैशी ने कहा कि पुलिस सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का मखौल उड़ा रही है। पाकिस्तान में क्रूरता और अन्याय चरम पर है। उन्होंने कहा, 'वे मुझे फिर से झूठे मामले में गिरफ्तार कर रहे हैं। मैं देश का प्रतिनिधित्व करता हूं और निर्दोष हूं। राजनीतिक बदला लेने के लिए निशाना बनाया जा रहा है।' इससे पहले पाकिस्तान की शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ-साथ उनके सहयोगी कुरैशी को सिफर मामले में जमानत दी थी। दोनों को एक-एक मिलियन पाकिस्तानी रुपये का जमानत बॉन्ड जमा करने का निर्देश भी दिया गया। पिता के खिलाफ कार्रवाई पर कुरैशी की बेटी ने कहा था कि उन्हें रिहाई की पूरी उम्मीद है, क्योंकि किसी अन्य मामले में उनकी गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है। खबर के मुताबिक मंगलवार को कुरैशी का परिवार जमानत के लिए मुचलके का भुगतान करने अदियाला जेल पहुंचा था। हालांकि, रोबकर (रिहाई आदेश) मिलने से पहले ही रावलपिंडी के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) हसन वकार चीमा ने सार्वजनिक व्यवस्था का रखरखाव (एमपीओ) कानून की धारा 3 के तहत 15 दिन की हिरासत का आदेश जारी कर दिया। इस आधार पर कुरैशी को दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया।

बता दें कि पाकिस्तान में एमपीओ की धारा 3 सरकार को संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार करने और हिरासत में लेने का अधिकार देती है। जरूरत पड़ने पर सरकार 'समय-समय पर ऐसी हिरासत की अवधि को एक बार में छह महीने से अधिक की अवधि तक बढ़ा भी सकती है। इस दायरे में तमाम वैसे लोग आते हैं जिन्हें सरकार या प्रशासन 'सार्वजनिक सुरक्षा या कानून व्यवस्था के लिए हानिकारक' मानती है।

चीन में 1951 के बाद रिकॉर्ड की गई लंबी शीतलहर

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

चीन के बीजिंग में 1951 के बाद सबसे लंबी शीतलहर दर्ज की गई। बीजिंग के नानजियाओ मौसम केंद्र में रविवार को तापमान शून्य डिग्री तापमान दर्ज किया गया। चीन के स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी।

स्थानीय मीडिया ने बताया, 11 दिसंबर को पहली बार तापमान शून्य डिग्री से नीचे चला गया था। तापमान 300 घंटों पर इस रेखा से नीचे ही रहा। इस महीने चीन के कई हिस्सों में तेज शीत लहर चली। इस शीत लहर के कारण चीन के केंद्रीय प्रांत हेनान में कई सिस्टम विफलताएं देखने को मिली। जियाओजुओ में शुक्रवार को वनफेंग पावर प्लांट में खराबी के बाद हीटिंग आंशिक रूप से रुक गई थी, लेकिन शनिवार को इस परेशानी से राहल मिली।

पुयांग और पिंगडिंगशन में के कई सरकारी इमारतों और राज्य के स्वामित्व वाले उद्योगों में भी शुक्रवार से हीटिंग में कटौती गई, जिससे की अस्पतालों, स्कूलों और आवासीय भवनों में हीटिंग संसाधनों को प्रथमिकता दी जाए। राजधानी बीजिंग में कड़ाके की ठंड पहले से ही शुरू हो चुकी है। इससे शहर की मेट्रो प्रणाली में भी समस्याएं शुरू हो गई है।

इस महीने की शुरूआत में बफीर्ली परिस्थितियों के कारण एक मेट्रो लाइन पर दो ट्रेनों की टक्कर हो गई थी, जिसमें सैकड़ों यात्रियों और टूटी हड्डियों वाले दर्जनों लों को अस्पताल ले जाया गया था। पाकिस्तान ने बुधवार को गाइडेड मल्टी-लॉन्च रॉकेट सिस्टम 'फतह-द्वितीय' का सफल उड़ान परीक्षण किया। पाकिस्तानी सेना ने इसकी जानकारी दी।

पदभार संभालने से पहले नए राष्ट्रपति का बड़ा फैसला, 5 हजार सरकारी कर्मचारियों की छंटनी

दर्पण न्यूज सर्विस
ब्यूनस आयर्स

क्रिसमस के बाद मंगलवार को अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति जेवियर माइली की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राष्ट्रपति का पदभार संभालने से पहले ही सरकार ने कहा है कि उसने इस साल काम पर रखे गए पांच हजार से ज्यादा कर्मचारियों के अनुबंध को खत्म कर दिया है। उनका यह ताजा कदम मुश्किल दौर से गुजर रही देश की अर्थव्यवस्था को बदलने की दिशा में उठाया गया है। यह उनके द्वारा घोषित कटौती और अवमूल्यन की एक व्यापक योजना का हिस्सा है। धुर दक्षिणपंथी नेता माइली ने इसी महीने 10 दिसंबर को देश के नए राष्ट्रपति के रूप में पद की शपथ ली है। उनके शपथ ग्रहण समारोह में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोलसोनारो और इस्राइल के विदेश मंत्री एली कोहेन भी शामिल हुए थे। इसके अलावा अधिकारियों ने कहा कि 2023 से पहले काम पर रखे गए अन्य सरकारी कर्मचारियों के अनुबंधों की समीक्षा की जाएगी। साल के अंत में महंगाई करीब 200 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। माइली ने सरकारी नियमों, निर्यात और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों के रूप में सरकार द्वारा संचालित उद्योगों का निजीकरण करने की अनुमति देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य देश को पुनर्निर्माण के रास्ते पर ले जाना, लोगों की आजादी और स्वायत्ता को लौटाना और उन नियमों को बदलना है जो देश के आर्थिक विकास को बाधित करते हैं।

रक्षा

सहयोग को प्रगाढ़ करना दोनों राष्ट्रों के हितों में हैं

मेड इन इंडिया के तहत भारत-रूस मिलकर बनाएंगे सैन्य उपकरण

दर्पण न्यूज सर्विस
मॉस्को

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर पांच दिवसीय रूस के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने भारतीय समुदायों के लोगों से भी बातचीत की। साथ ही अपने रूसी समकक्ष विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ द्विपक्षीय वार्ता की है। इस दौरान आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक से जुड़े मुद्दों पर वार्ता में चर्चा की गई। इसी बीच, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को मेड इन इंडिया के तहत सैन्य उत्पादों का उत्पादन करने की भारत की पहल का समर्थन करने की इच्छा जताई है। लावरोव ने कहा कि बैठक के दौरान इसको लेकर कई कदम उठाए गए हैं, जिससे भारत और रूस के बीच सहयोग का विस्तार होगा। साथ ही अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारे के तहत चेन्नई-व्लादिवोस्तोक मार्ग की स्थापना पर भी जोर दिया गया है।

जयंशकर के साथ बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए लावरोव ने कहा कि हमने आधुनिक हथियारों के संयुक्त उत्पादन की संभावनाओं पर चर्चा की, जिसमें सैन्य और तकनीकी सहयोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पर इस क्षेत्र एक खास हुनर हैं। दोनों देशों का सहयोग रणनीतिक प्रकृति की है। सहयोग को प्रगाढ़ करना दोनों राष्ट्रों के हितों में हैं। साथ ही ये सभी यूरेशियन महाद्वीप में सुरक्षा के हितों से मेल खाता है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी को पता है कि भारतीय सहयोगियों की उनके सैन्य और तकनीकी संबंधों में विविधता लाने के इच्छा का सम्मान करते हैं। इसलिए हम मेड इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सैन्य उत्पादों का उत्पादन करने का समर्थन करते हैं। बैठक में हमने ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने की अपनी आकांक्षा की पुष्टि की है।

लावरोव ने कहा कि मैं और मेरे समकक्ष जयशंकर दोनों देशों के संबंधों के कानूनी ढांचे का विस्तार करने पर भी सहमत हुए। आज हमने इसको लेकर कई कदम उठाए हैं, जिसमें उत्तरी समुद्री मार्ग के विस्तार पर सहयोग शामिल हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस संबंध बेहद प्रगाढ़ हैं। ये रिश्ते रणनीतिक अभिसरण, भू-राजनीतिक हितों पर आधारित हैं। ब्रिक्स सहित कई अतंरराष्ट्रीय मुद्दों के संबंध में राजनीतिक सहयोग पर चर्चा करने का समय हैं। हमने मौजूदा दोनों देशों के तथ्य की सराहना की। भारत और रूस ने पिछले वर्ष 50 अरब डॉलर का कारोबार किया है। उम्मीद है कि अगले साल यह आंकड़ा भी हम पार कर लेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार अधिक संतुलित है, यह टिकाऊ है और यह निष्पक्ष बाजार पहुंच प्रदान करता है। साथ ही कहा कि हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि भारत और यूरेशियन आर्थिक संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत इस साल जनवरी की दूसरी छमाही में फिर से शुरू की जाएगी।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता पर रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि आर्थिक और निवेश को गहरा करने के लिए कई समझौते हुए हैं। हमने हमारे बहुपक्षीय मदद पर ध्यान दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी सदस्य बनने को लेकर रूस समर्थन करता है। साथ ही उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में विवादास्पद मुद्दों को बड़ी चतुराई से संभाला गया। यह दिखाता है कि भारत की विदेश नीति कितनी अच्छी है। बता दें भारत लंबे समय से यूएनएससी में स्थायी सदस्यता की मांग कर रहा है। वर्तमान में सिर्फ पांच देश ही इसके स्थायी सदस्य हैं, जिनमें ब्रिटेन, चीन, रूस, अमेरिका और फ्रांस हैं।

किराये पर चल रहे छह कार्यालय सरकारी भवनों में चलेंगे, 10 लाख रुपये की होगी बचत: सुखविंदर सिंह सुक्खू

दर्पण न्यूज सर्विस
शिमला

हिमाचल सरकार ने प्रदेश के प्रमुख सरकारी विभागों को खाली पड़ी टूटीकंडी इमारत में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार ने महिला एवं बाल विकास विभाग, हिमाचल प्रदेश निजी शिक्षण संस्थान नियामक आयोग, आबकारी एवं कराधान विभाग, हिमाचल प्रदेश राज्य खाद्य आयोग, ऊर्जा निदेशालय और हिमाचल प्रदेश पुलिस महानिदेशक कार्यालय के आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली को जनवरी 2024 तक किराये के आवासों से टूटीकंडी पार्किंग कांप्लेक्स शिमला में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए हैं।

इस निर्णय का उद्देश्य लंबे समय से खाली पड़े भवन का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के साथ-साथ सार्वजनिक खर्चों में भी कटौती भी करना है। बुधवार को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान में पुलिस हेल्पलाइन का कार्यालय पहले से ही बहुमंजिला पार्किंग टूटीकंडी में कार्यशील है और अब छह अतिरिक्त विभाग इस इमारत से संचालित होंगे।

प्रदेश सरकार जनता के धन का उचित उपयोग सुनिश्चित कर रही है। सरकार के इस निर्णय से सार्वजनिक धन से निर्मित भवन का उपयोग सुनिश्चित होने के साथ-साथ इन सरकारी कार्यालयों के लिए किराये के आवास पर खर्च किए जा रहे प्रति माह 10 लाख रुपये से अधिक के धन की भी बचत होगी। मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना करते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने संबंधित विभागों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप भवन की आंतरिक सज्जा की जरूरतों को देखा लोक निर्माण विभाग ने कार्यालयों की आवश्यकता के अनुरूप भवन में परिवर्तन कर इसे कार्यालय के रूप में उपयोग के लिए तैयार किया है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने इन छह विभागों को नए भवन में कामकाज शुरू करने के लिए शीघ्र बिजली और पानी के कनेक्शन देने के लिए आवेदन करने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा कि सार्वजनिक धन से निर्मित कम उपयोग वाली इमारत का सदुपयोग करना सरकार की फिजूलखर्ची को कम करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

गगल एयरपोर्ट विस्तारीकरण: 19 सरकारी संस्थान भी उजड़ेंगे

धर्मशाला। गगल एयरपोर्ट के प्रस्तावित विस्तारीकरण के कारण झिकली इच्छी ग्राम पंचायत से सबसे अधिक आठ सरकारी संस्थान जद में आएंगे। इसके अलावा कठुमा, गगल, सनौरा और रछियालु पंचायत से भी सरकारी संस्थानों का अस्तित्व खत्म होगा। एयरपोर्ट विस्तार की जद में आने वाले इन संस्थानों को लेकर मंगलवार को जिला प्रशासन ने एयरपोर्ट प्रभावित पंचायतों के प्रधानों के साथ पुनर्वास और पुनःस्थापन (आरएंडआर) प्लान को लेकर बैठक की। जिला प्रशासन ने गगल एयरपोर्ट विस्तारीकरण के लिए पुनर्वास और पुनःस्थापन के लिए एक योजना बनाई है। इस योजना को जिला प्रशासन ने मंगलवार को एयरपोर्ट की जद में आने वाली पंचायतों के प्रधानों के साथ साझा किया। जिला प्रशासन की ओर से जारी आरएंडआर प्लान में झिकली इच्छी पंचायत से सबसे अधिक आठ सरकारी संस्थान एयरपोर्ट विस्तार की जद में आएंगे। इस दौरान पंचायत भवन, किसान भवन, पीएचसी, प्राइमरी और सीनियर सेकेंडरी स्कूल, इच्छी को आपरेटिव मार्केटिंग एंड कंज्यूमर सोसायटी, अमित मेमोरियल क्लब और गुरु रविदास भवन शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर कठुआ पंचायत से महिला मंडल भवन, स्कूल, मछली का तालाब, पशु औषधालय, पीडब्ल्यूडी स्टोर और पटवार घर शामिल हैं। इसके अलावा गगल पंचायत से पटवार घर, स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र-2, पुलिस स्टेशन और आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी शामिल हैं, जबकि रछियालु पंचायत से दो कुंए और सनौरा पंचायत से सीनियर सेकेंडरी स्कूल एयरपोर्ट विस्तार की जद में आएगा। वहीं गगल पंचायत की प्रधान रेणु पठानिया ने बताया कि मंगलवार को जिला प्रशासन के साथ बैठक हुई है। बैठक में आरएंडआर प्लान को साझा किया गया है। एडीएम कांगड़ा रोहित राठौर का कहना है कि पंचायत प्रधानों से बैठक की गई है।

नए साल में हिमाचल प्रदेश के चार जिलों में मिलेगा देसी चावल, गोदामों में पहुंची सप्लाई

दर्पण न्यूज सर्विस
हमीरपुर

खाद्य आपूर्ति विभाग जनवरी से सहकारी सभाओं में उपभोक्ताओं को देसी चावल वितरित करेगा। देसी चावल केवल चार जिलों ऊना, कांगड़ा, सिरमौर और सोलन में ही सहकारी सभाओं के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। इससे पहले प्रदेश में देसी चावल सहकारी सभाओं के माध्यम से वितरित नहीं किया गया। मंडियों में 5,441 किसानों ने अपना धान बेचा है। इन्हें प्रति क्विंटल 2203 रुपये दाम मिले हैं।

हिमाचल प्रदेश सिविल सप्लाई कार्पोरेशन लिमिटेड ने प्रदेश में 22,897 मीट्रिक टन धान की खरीद किसानों से की है। इस बार 22,000 मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा गया था। इस धान को प्रदेश सिविल सप्लाई कार्पोरेशन लिमिटेड ने सरकार की ओर से अधिकृत मिलों को भेजा और मिलों से 15,342 मीट्रिक टन चावल खाद्य आपूर्ति विभाग अब मिलों से प्राप्त कर रहा है जिसमें से 7801 मीट्रिक टन चावल प्रदेश के खाद्य आपूर्ति विभाग के 26 गोदामों में भेज दिया गया है। अब यह चावल सिरमौर, सोलन, ऊना और कांगड़ा के गोदामों से खाद्य आपूर्ति विभाग की ओर से सहकारी सभाओं में पहुंचाया जा रहा है। सहकारी सभाओं में 5,906 मीट्रिक टन चावल भेज दिया गया है, जबकि अभी मिलों से 7,340 मीट्रिक टन चावल लेना बाकी है। यह चावल उपभोक्ताओं को अनुदान पर प्रदान किया जाता है।

उपभोक्ताओं को दस और छह रुपये में प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा इनमें फोर्टिफाइड चावल भी मिलाए जाते हैं ताकि लोगों को सभी प्रकार के पोषक तत्व मिल सकें। प्रदेश की धान मंडियों में पंजीकृत किसानों में से 4,274 को 48.08 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। प्रदेश सरकार को देसी चावल मिलों में थ्रैशिंग करवाने के बाद प्रतिकिलो 38 रुपये के करीब पड़ रहा है। मिलों में अभी 5,781 मीट्रिक टन धान मंडियों से भेजा जाना है जिसकी अभी थ्रैशिंग होनी बाकी है। चार जिलों की 26 मंडियों में धान खरीद का मंगलवार आखिरी दिन रहा। अब अगले वर्ष ही धान की खरीद की जाएगी। पीडीएस कार्ड धारकों को 10 रुपये, जबकि बीपीएल कार्ड धारकों को छह रुपये प्रति किलो की कीमत पर देसी चावल उपलब्ध होगा।

सिविल सप्लाई कार्पोरेशन ने 22,000 मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा हुआ था, जबकि प्रदेश की मंडियों में बंपर खरीद हुई है। 22,897 मीट्रिक टन धान खरीद किसानों से की जा चुकी है। जिसे हमने थ्रैसिंग के लिए सरकार की अधिकृत मिलों को भेजा था अब उसने भी 15,342 मीट्रिक टन चावल गोदामों को भेजा जा रहा है। गोदामों से 5,906 मीट्रिक टन चावल चार जिलों की सहकारी सभाओं को भेज दिया गया है। जब जनवरी से प्रदेश के उपभोक्ता देसी चावल का स्वाद लेंगे।

लोगों के 3 करोड़ रुपए डकार कंपनी फरार, निवेशकों ने पुलिस में दर्ज करवाई शिकायत

दर्पण न्यूज सर्विस
रामपुर बुशहर

रामपुर के नजदीक डकोलढ़ में एक फाइनांस कंपनी ने कई लोगों से पैसे लेकर फरार हो गई है। बताया जा रहा है कि कंपनी बीते पांच साल से रामपुर में चल रही थी लेकिन पिछले 9 महीने से कंपनी ने न तो निवेशकों के पैसे लौटाए और न ही कर्मचारी दोबारा बाजार में पैसों को लेने के लिए आए। इस मामले को लेकर मंगलवार को पुलिस थाना रामपुर में कुछ निवेशक थाना प्रभारी से मिले और कंपनी के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की है। निवेशकों ने आरोप लगाया कि मौजूदा समय में कंपनी करीब तीन करोड़ रुपये लेकर भाग गई है। डकोलढ़ में कुछ साल पहले कंपनी का कार्यालय खोला गया था। इस सोसायटी में कुछ स्थानीय लोगों को निवेशकों से पैसे रोजाना एकत्रित करने के लिए रखा गया। एक निवेशक की करीब सवा लाख रुपये से ज्यादा की राशि कंपनी के पास बकाया है। नवीन भलुनी और चेवांग दोर्जे ने बताया कि कंपनी के कर्मचारी रोजाना उनसे पैसे एकत्रित करते थे लेकिन पिछले 9 महीने से कोई जवाब नहीं मिल रहा है। इस मामले को लेकर चेवांग दोर्जे, सोनू कुमार, रवि बहादुर, अनिता, रवीना, कमला देवी, सुषमा, उमादत्त, पूजा, सोनू कुमारी, अनिता और चंद्र शेखर ने थाना में कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर इस संबंध में जांच शुरू कर दी है लेकिन कंपनी के भागने से निवेशकों को अपनी मेहनत की कमाई डूबने की चिंता सता रही है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से कंपनी के कर्मचारियों और प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। कुछ लोगों ने कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

अगला डीजीपी कौन, अप्रैल में रिटायर हो रहे कुंडू, उससे पहले हटाना होगा सरकार को

दर्पण न्यूज सर्विस
शिमला

अगले पुलिस महानिदेशक कौन होंगे, अब इसकी चचाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू को हटाने की अधिसूचना अब कभी भी जारी हो सकती है। हिमाचल काडर के पुलिस अधिकारियों की बात करें तो इनमें वरिष्ठतम पुलिस अधिकारी 1988 बैच के तपन कुमार डेका हैं। डीजीपी संजय कुंडू 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह वरिष्ठता में डेका के बाद आते हैं। डेका केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं और उच्च पद पर आसीन हैं। कुंडू वैसे भी अप्रैल में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। संजीव रंजन ओझा 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौट चुके हैं और कुंडू के बाद वरिष्ठता में सबसे आगे हैं। ओझा के बाद 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी श्याम भगत नेगी हैं, जो केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर ही हैं। उनके बाद 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी अतुल वर्मा हैं। वह भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौट चुके हैं। उसके बाद आने वाले 1993 बैच के अनुराग गर्ग भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौट चुके हैं। इसी बैच में अशोक तिवारी और ऋत्विक रुद्र आते हैं। 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश अग्रवाल भी केंद्र से लौट चुके हैं। इसी बैच के अगले अधिकारी जहूर हैदर जैदी हैं। जैदी के बाद 1995 बैच में एसपी सिंह और एन वेणुगोपाल हैं। उनके बाद 1996 बैच में सतवंत अटवाल त्रिवेदी, अजय कुमार यादव और अभिषेक त्रिवेदी हैं। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय से आए फैसले को लेकर पालमपुर के व्यवसायी के निशांत शर्मा ने कहा कि आज उनके हक में फैसला आया।

क्षेत्र और जाति के नाम पर देश को बांटने वाले आज न्याय का ढोंग लिए घूम रहे: अनुराग ठाकुर

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज पत्रकारों से वातार्लाप करते हुए राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी द्वारा शुरू किया जा रहे न्याय यात्रा पर प्रतिक्रिया दी।

श्री अनुराग ठाकुर ने कहा, ₹जो सदैव क्षेत्र और जाति के नाम पर देश को बांटते आए हैं वह न्याय क्या दिलाएंगे? जिनके राज्य में 84 के सिख दंगे हुए हों और कई वर्षों तक न्याय न मिला हो वह क्या न्याय दिलाएंगे? वह तो नरेंद्र मोदी जी की सरकार है जिसने सिख दंगों में एसआईटी की जांच बिठाई। कांग्रेस वह पार्टी है जो भगवान राम को काल्पनिक बताती है। इनके एलाइंस पार्टनर हमेशा सनातन धर्म को नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। इनके नेता बार-बार एक से बढ़कर एक हल्के बयान देते हैं। दूसरी और मोदी सरकार का एक ही ध्येय है, देश का विकास और गरीब कल्याण। मोदी जी के नेतृत्व में सुशासन के नए आयाम स्थापित हुए हैं।

श्री अनुराग ठाकुर ने कहा की कांग्रेस सहित इंडी एलाइंस बाटने वाले दल हैं, जोड़ने वाले नहीं। ₹हाल के विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार और जनता द्वारा नकारे जाने से सीख लेने की बजाय विपक्षी ईवीएम पर ठीकरा फोड़ रहे हैं, ध्यान भटका रहे हैं, जाती और क्षेत्र के नाम पर बाटने की राजनीति कर रहे हैं। देखा गया है कि देश को बाँटने की बातें करने वाले, टुकड़े टुकड़े गैंग के लोग कांग्रेसी यात्राओं के राही होते हैं। आज देश तेजी से प्रगति कर रहा है। हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और जल्द तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं। ये लोग देश की इस विकास यात्रा से ध्यान भटकाना चाहते हैं। लेकिन इन्हें नहीं पता 140 करोड़ भारतवासी मोदी जी के साथ खड़े हैं।

श्री अनुराग ठाकुर ने आगे कहा, ₹प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी न्याय के पर्याय हैं। मोदी जी के नेतृत्व में देश के 13.5 करोड़ से ज्यादा लोगों को मात्र 5 वर्षों में गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। मोदी जी ने 4 करोड़ गरीबों को पक्के आवास, 12 करोड़ शौचालय, 13 करोड़ घरों को नल से जल, 10 करोड़ रसोई गैस सिलेंडर, अंतिम गांव तक बिजली, 60 करोड़ जरूरतमंदों को सालाना 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा, 80 करोड लोगों को मुफ्त अनाज और 220 करोड़ से ज्यादा मुफ्त कोरोना वैक्सीन के साथ-साथ अन्य योजनाओं के माध्यम से देश के अंतिम व्यक्ति के साथ न्याय किया है। कांग्रेस ने 60 वर्षों में गरीबी हटाओ का नारा तो दिया पर गरीबों को वोट बैंक की खातिर गरीब ही बनाए रखा। इनसे न्याय की उम्मीद बेईमानी है।₹

धोखाधड़ी | **सवारियों को बताया- मशीन है खराब**

मशीन से छेड़छाड़ कर सवारियों को दिए 4500 रुपये के फर्जी टिकट

दर्पण न्यूज सर्विस
सोलन/परवाणू

अंबाला से बद्दी आ रही पथ परिवहन निगम की एक बस के परिचालक का कारनामा तो देखिए। टिकट मशीन से छेड़छाड़ कर परिचालक ने पहले खाली पर्चियां निकाली फिर उसमें हाथ से 4,500 रुपये के फर्जी टिकट बना दिए। परिचालक ने सवारियों को मशीन खराब होने का हवाला दिया था।

परिचालक टिकट मशीन में इस तरह एंटर का बटन दबाता कि पर्ची कोरी ही निकलती। पथ परिवहन निगम सोलन की फ्लाइंग स्क्वायड ने सोमवार को जब औचक निरीक्षण तो यह पाया। जब परिचालक से इसका हिसाब मांगा गया तो वह दिखाने में असमर्थ रहा। टीम ने परिचालक के खिलाफ रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दी है। आगामी कार्रवाई वहीं करेंगे। उधर, परिचालक की टिकट मशीन की जांच करने की भी बात की जा रही है।

जानकारी के अनुसार अंबाला से बद्दी आ रही परवाणू डिपो की बस को पिंजौर में फ्लाइंग स्क्वायड निगम की जांच टीम ने रोका। इस दौरान जब उन्होंने इस बस में सवारियों से टिकट की जांच की तो उसमें सवारियों के पास करीब 4,500 रुपये के फर्जी टिकट पाए गए। टिकट की कोरी पर्ची पर पेन से टिकट बनाए गए थे। परिचालक के पास इसका कोई हिसाब नहीं था। टीम ने मौके पर इसकी रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों और आरएम परवाणू को भी भेज दी है।

उधर, इस बारे में हिमाचल पथ परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक सोलन डिपो सुरेंद्र राजपूत ने बताया कि अंबाला से बद्दी आ रही परिवहन निगम की बस को फ्लाइंग टीम ने पिंजौर में जांच के लिए रोका तो उसमें सवारियों के पास करीब 4,500 रुपये के फर्जी टिकट मिले। इस दौरान परिचालक से इसका जवाब मांगा तो वह उसे बताने में असमर्थ रहा।

कांगड़ा घाटी रेललाइन पर यात्रियों का सफर होगा सुहाना, इन चार ट्रेनों का परिचालन होगा बहाल

फिरोजपुर। बैजनाथ पपरोला और कांगड़ा रेलवे स्टेशनों के बीच दो जोड़ी व बैजनाथ पपरोला-जोगिंदरनगर रेलवे स्टेशनों के बीच दो जोड़ी अन्य ट्रेनों का परिचालन 28 दिसंबर से बहाल होगा। ट्रेन संख्या 04700 बैजनाथ पपरोला से सुबह छह बजे चलकर 08:15 बजे कांगड़ा पहुंचेगी और वापसी में रेलगाड़ी संख्या 04699 कांगड़ा से सुबह 9:30 बजे चलकर दोपहर 12 बजे बैजनाथ पपरोला पहुंचेगी। रेलगाड़ी संख्या 04686 बैजनाथ पपरोला से दोपहर 3:00 बजे चलकर शाम 05:10 बजे कांगड़ा पहुंचेगी और वापसी में रेलगाड़ी संख्या 04685 कांगड़ा से शाम 06 बजे चलकर रात्रि 8:20 बजे बैजनाथ पपरोला पहुंचेगी। ये रेलगाड़ियां मझेहरा हिमाचल, पंच रुखी, पट्टी राजपुरा, पालमपुर, सुलह, परोर, चामुंडा मार्ग, नगरोटा, समलोटी और कांगड़ा मंदिर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी।

कॉलेज विद्यार्थियों के अब ऑनलाइन बनेंगे बस पास, इसी सत्र से मिलेगी सुविधा

दर्पण न्यूज सर्विस
शिमला

कॉलेज बस पास बनाने के लिए छात्रों को अब एचआरटीसी के काउंटरों पर लंबी कतारों में घंटों खड़े नहीं रहना होगा। निगम प्रबंधन इसी सत्र से कॉलेज छात्रों को ऑनलाइन बस पास की सुविधा उपलब्ध करवाने जा रहा है। निगम प्रबंधन ने इसके लिए नया सॉफ्टवेयर तैयार करवाया है। सॉफ्टवेयर की मदद से कॉलेज छात्रों एचआरटीसी बस पास ऑनलाइन बना सकेंगे। पहले चरण में यह सुविधा शिमला से शुरू करने की योजना है। दूसरे चरण में ऊना और हमीरपुर को सुविधा से जोड़ा जाएगा।

निगम के प्रबंध निदेशक शुक्रवार को ऑनलाइन कॉलेज बस पास बनाने का डेमोंस्ट्रेशन लेंगे। निगम प्रबंधन ने एचआरटीसी की सभी सुविधाएं यात्रियों को ऑनलाइन माध्यम से देने की योजना पर काम शुरू किया है। इसकी शुरूआत कॉलेज छात्रों को ऑनलाइन बस पास की सुविधा से की जा रही है। इसके बाद स्कूली बच्चों के बस पास भी ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। इतना ही नहीं एचआरटीसी के सभी रियायती कार्ड भी लोग ऑनलाइन बनवा सकेंगे। सुविधाएं ऑनलाइन होने से लोगों को सहूलियत होगी। छात्रों को एचआरटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक पर जाना होगा। यहां उपलब्ध फार्म भरना होगा। फार्म सीधे कालेज प्रधानाचार्य तक पहुंच जाएगा। प्रधानाचार्य द्वारा सत्यापन करने के बाद आवेदन संबंधित क्षेत्रीय प्रबंधक के पास पहुंच जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद छात्र को एसएमएस से सूचना दी जाएगी। पास का किराया छात्र ऑनलाइन जमा करवा सकेंगे। इसके बाद पास डाउनलोड और प्रिंट करने का विकल्प भी वेबसाइट पर ही उपलब्ध होगा। कॉलेज छात्रों की सुविधा के लिए बस पास ऑनलाइन जारी किए जाएंगे।

संक्षिप्त-समाचार

हिमाचल में इस माह सामान्य से 79 फीसदी कम बरसे बादल, सभी जिलों में रहा सूखा

शिमला। हिमाचल में एक से 26 दिसंबर तक सामान्य से 79 फीसदी कम बादल बरसे हैं। प्रदेश के सभी जिलों में सूखा रहा है। इस अवधि में 27.2 मिलीमीटर को सामान्य बारिश माना गया है, लेकिन इस वर्ष दिसंबर में अभी तक महज 5.8 मिलीमीटर बारिश ही हुई है। किन्नौर से सबसे कम 99, सिरमौर में 94, हमीरपुर में 86 और शिमला में 76 फीसदी कम बारिश हुई। बिलासपुर में सामान्य से 32, चंबा में 69, कांगड़ा में 74, कुल्लू में 83, लाहौल-स्पीति में 79, मंडी में 81, सोलन में 74, ऊना में 52 फीसदी बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार दिसंबर में पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर रहने के कारण बारिश कम हुई। आने वाले दो-तीन दिनों के दौरान बारिश और बर्फबारी का पूवार्नुमान है। ऐसे में उम्मीद है कि बारिश के आंकड़ों में कुछ बढ़ोतरी दर्ज होगी। राजधानी शिमला सहित अधिकांश क्षेत्रों में मंगलवार को हल्के बादल छाए रहे, लेकिन रोहतांग के साथ कुंजम दर्रा, सीबी रेंज की चोटियों में बर्फबारी हुई। प्रदेश के मध्यम-उच्च पर्वतीय 8 जिलों में 30-31 दिसंबर, पहली जनवरी को बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। बुधवार से 29 दिसंबर तक प्रदेश में मौसम साफ बना रहने का पूवार्नुमान है। कई क्षेत्रों में नए साल से पहले पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। शिमला, सोलन, सिरमौर, मंडी, कुल्लू, चंबा, किन्नौर और लाहौल-स्पीति के कई क्षेत्रों में मौसम बदलने के आसार हैं। प्रदेश के उच्च पर्वतीय क्षेत्र कुकुमसेरी में सोमवार रात को न्यूनतम तापमान माइनस 11.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। इस सीजन का प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा है। इसके अलावा सुंदरनगर में न्यूनतम तापमान 1.6, भुंतर में 1.1, कल्पा में 2.8, ऊना-चंबा में 4.4, सोलन में 3.2, मंडी में 1.9, कांगड़ा में 6.1, शिमला में 8.8 और धर्मशाला में 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

नया साल मनाली में मनाएंगे सनी देओल, जमाल कुडू गाने पर की मस्ती, कंगना भी पहुंचीं

पतलीकूहल। फिल्म गदर में धूम मचाने वाले सनी देओल नए साल का जश्न मनाने मनाली पहुंच गए हैं। इसके अलावा बॉलीवुड क्वीन कंगना रणौत नए साल के जश्न के लिए मनाली आ चुकी हैं। इससे पहले बॉलीवुड एक्टर सनी देओल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सनी क्रिसमस में मस्ती करते दिख रहे हैं। वीडियो में सनी, हाथ में टेडी लिए छोटे भाई बॉबी देओल की हालिया रिलीज फिल्म एनिमल के गाने ह्यजमाल कुडूह्न पर थिरकते दिखे। यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। अब बालीवुड स्टार एवं भाजपा सांसद सनी देओल नए साल के स्वागत के लिए मनाली पहुंच चुके हैं। दूसरी ओर कंगना रणौत फुर्सत के लम्हों में कुल्लू और मनाली के आसपास के पिकनिक स्पॉट का दीदार भी कर रही हैं। मां के जन्मदिन पर कंगना उन्हें दियार के शौंडाधार लेकर गईं। कंगना ने सोशल मीडिया में पोस्ट डालकर यह जानकारी साझा की। कंगना रणौत का इस बार का दौरा छुट्टियां मनाने से ज्यादा उनकी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर ज्यादा चर्चित रहा। डेढ़ हफ्ते पहले कंगना ने बिलासपुर में पहली बार आरएसएस के कार्यक्रम में शिरकत की। पिछले सप्ताह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कुल्लू में उनके घर में मिली थीं। इस मुलाकात के बाद उनके 2024 में मंडी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की बातें भी उठने लगी हैं। कंगना के पिता ने तो इसकी पुष्टि भी कर दी।

हिमाचल प्रदेश में पहली बार मिले लाइम रोग के मरीज, पुष्टि के लिए दिल्ली एम्स भेजे गये नमूने

शिमला। दुर्लभ लाइम रोग के मरीज पहली बार हिमाचल में मिले हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एक प्रोजेक्ट के तहत इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) शिमला के विशेषज्ञों ने लाइम रोग के संदेह पर 232 लोगों के नमूने एकत्रित किए थे। इनमें से जांच में 144 मामले पॉजिटिव पाए गए हैं। नमूने आगामी पुष्टि के लिए एम्स नई दिल्ली भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने पर स्पष्ट होगा कि इनमें से कितने लोगों में लाइम रोग है। रोग की जांच के लिए डायग्नोस्टिक किट चिकित्सा अनुसंधान परिषद की वित्तीय सहायता से चेक गणराज्य से खरीदी गई। प्रदेश में लाइम रोग की उपस्थिति की खोज वर्ष 2022 से हो रही है। बीते साल 173 नमूने लिए गए थे। लाइम रोग एक छोटे बैक्टीरिया स्पाइरोकीट यानी बोरेलिया बर्गडोरफेरी सेंसु लेटो के कारण होता है, जो टिक कीड़े की इक्सोडेस प्रजाति के काटने से होता है। रोग मई से सितंबर के बीच होता है। यह टिक जंगल और आसपास के इलाकों में पाया जाता है। यह पशुओं से चिपककर रक्त चूसता रहता है। टिक चूहों, बैलों-गायों व पक्षियों की कुछ प्रजातियों में पाया जाता है। लाइम रोग अमेरिका और यूरोप में तेजी से बढ़ने वाली वायरस जनित बीमारी है। यूरोप से यह पिछले 25 वर्षों से दुनियाभर में फैल रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति की मौत, एक गिरफ्तार, परिवार ने हत्या की आशंका जताई

हमीरपुर। नादौन-भरमोटी सड़क पर भरमोटी चौक के पास मंगलवार देर रात 38 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना देने वाले व्यक्ति ने पुलिस को बयान दिया है कि अज्ञात वाहन की टक्कर से हादसा हुआ है। हालांकि परिवार के लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना को लेकर परिवार ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस को घटना की सूचना देने वाली व्यक्ति का कहना है नादौन भरमोटी सड़क पर भरमोटी चौक के पास मंगलवार देर रात 38 वर्षीय रवी कुमार वार्ड नंबर छह निवासी अपने घर की ओर पैदल जा रहा था कि कोई अज्ञात वाहन उसे टक्कर मारकर फरार हो गया। जानकारी मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची परंतु सुभाष शर्मा नामक व्यक्ति उसे अपनी गाड़ी में अस्पताल ले गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में थाना प्रभारी नादौन बीआर शर्मा ने बताया कि पुलिस को बिहार निवासी सुभाष शर्मा नामक व्यक्ति जोकि एक चालक है द्वारा इस घटना की सुचना एवं शिकायत दी गई कि नादौन भरमोटी सड़क पर भरमोटी चौक के पास एक व्यक्ति सड़क किनारे पड़ा है जिसे अज्ञात वाहन टक्कर मारकर फरार हो गया है। थाना प्रभारी नादौन बीआर शर्मा ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन की जा रही है। पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मृतक युवक दिहाड़ी मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा था। घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

रेणुका में कछुओं की 5 प्रजातियां मिलीं, अध्ययन करने में जुटा विभाग

ददाहू। श्री रेणुकाजी वेटलैंड में कछुओं की पांच प्रजातियां पाई गई हैं। यहां प्राकृतिक तौर पर प्रजनन से कछुओं का कुनबा बढ़ रहा है। कछुओं को श्री रेणुकाजी झील और परशुराम ताल में विचरण करते अकसर देखा जा सकता है। गर्मी और बरसात में कछुए बिल्कुल नजदीक दिखाई देते हैं, जो यहां आने वाले पर्यटकों के लिए भी भारी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। वेटलैंड में कछुओं की और प्रजातियां भी हो सकती हैं। वन्य प्राणी विभाग कछुओं की संख्या को बढ़ाने के लिए अध्ययन कर रहा है। बता दें कि कछुओं का पर्यावरण संरक्षण में भी विशेष महत्व है। ये पानी को स्वच्छ रखने में सहायक हैं। पूरे उत्तरी जोन में प्राकृतिक तौर पर कछुए केवल रेणुकाजी में पाए गए हैं। अन्य स्थानों पर अंडों से इन्हें विकसित करवाया जाता है। ये हैं पांच प्रजातियां: श्री रेणुकाजी झील में नरम व कठोर क्वच वाले कछुओं की पांच प्रजातियां होने का अनुमान हैं, जिनमें इंडियन साफ्टशैल, इंडियन ब्लैक, इंडियन फ्लैपशेल, इंडियन रुफ्ड और रेड इयर्ड स्लाइडर शामिल हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार इनमें से रेड इयर्ड स्लाइडर कछुआ भारतीय प्रजाति नहीं है और एक इनवेसिव प्रजाति है। श्री रेणुकाजी वेटलैंड में कछुओं की पांच प्रजातियां पाई गई हैं, जो प्राकृतिक तौर पर यहां विचरण कर रहे हैं। इन्हें कहीं से लाया नहीं गया है। करीब 20 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली श्री रेणुकाजी झील में इनकी संख्या अभी कम है।

इस विश्व कप में टूटे सभी रिकॉर्ड, एक लाख करोड़ मिनट तक देखे गए मैच; आईसीसी ने जारी किए आंकड़े

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

भारत में आयोजित होने वाला क्रिकेट विश्व कप 2023 आईसीसी का अब तक का सबसे बड़ा टूनार्मेंट था। इस विश्व कप ने प्रसारण और डिजिटल पर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह आईसीसी का पहला टूनार्मेंट था, जिसे एक लाख करोड़ (एक ट्रिलियन) मिनट से ज्यादा देखा गया। इसमें वर्टिकल वीडियो फीड जैसी नई तकनीक का योगदान भी अहम है। भारत में 2011 में खेले गए विश्व कप की तुलना में इस विश्व कप को 38% ज्यादा देखा गया। वहीं, 2019 में इंग्लैंड में हुए पिछले विश्व कप की तुलना में 17% की बढ़त देखी गई।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया फाइनल मैच सबसे ज्यादा देखा जाने वाला क्रिकेट मैच बना। इसे विश्व स्तर पर 87.6 बिलियन मिनट तक देखा गया। यह 2011 से 46% अधिक था। भारतीय फैंस ने अकेले डिज्नी स्टार नेटवर्क पर 422 बिलियन मिनट तक मैच देखे। यह 2011 से 54% और 2019 से 9% ज्यादा था। इस में महिला दर्शकों की संख्या 2011 की तुलना में 32% से बढ़कर 34% हो गई। भारत के बाहर इंग्लैंड में 800 घंटे तक लाइव मैच देखे गए। 5.86 अरब मिनट ज्यादा था। ऑस्ट्रेलिया ने 602 घंटों के लाइव कवरेज से 3.79 बिलियन मिनट देखने में योगदान दिया, जो 2011 से 92% की वृद्धि दशार्ता है। टूनार्मेंट में ऑस्ट्रेलिया की सफलता के कारण 2023 विश्व कप देखने के लिए 9.1 मिलियन लोग आए, जो 2019 से तीन मिलियन अधिक है।

पाकिस्तान ने भी अभूतपूर्व दर्शक संख्या हासिल की, कुल 237.12 बिलियन मिनट तक दर्शकों ने लाइव मैच देखे। डिज्नी हॉटस्टार ने इस विश्व कप को भारत में फ्री में दिखाने का फैसला किया था। इसके वजह से सबसे ज्यादा देखे जाने वाले मैच का रिकॉर्ड चार बार टूटा। अंत में फाइनल में अविश्वसनीय रिकॉर्ड बना। रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला डिजिटल मोर्चे पर भी जारी रहा और आश्चर्यजनक रूप से 16.9 बिलियन वीडियो व्यूज के साथ यह अब तक का सबसे अधिक डिजिटल रूप में देखा गया आईसीसी इवेंट बन गया।

2023 विश्व कप ने ऑस्ट्रेलिया में टूनार्मेंट से 158% की भारी वृद्धि के साथ 2022 टी20 विश्व कप को पीछे छोड़ दिया। 'इट टेक्स वन डे' प्रीव्यू शो से लेकर विशेष पर्दे के पीछे के दृश्य तक दर्शकों ने इस टूनार्मेंट से जूड़ी हर चीज को पसंद किया। सोशल मीडिया पर, अफगानिस्तान के खिलाफ ग्लेन मैक्सवेल की मैराथन पारी और दर्द से जूझने की घटना को 50 मिलियन से अधिक बार देखा गया। विराट कोहली भी बहुत पीछे नहीं रहे, उनके आदर्श सचिन तेंदुलकर के साथ गले मिलने के वीडियो ने उनके वनडे शतकों के रिकॉर्ड (78 मिलियन व्यूज) को तोड़ने के बाद इंस्टाग्राम पर 40 मिलियन व्यूज बटोरे। कोहली ने टूनार्मेंट के दौरान एक विकेट भी लिया, जिसे इंस्टाग्राम पर 39 मिलियन बार देखा गया।

मेटा ने आईसीसी के साथ साझेदारी की थी, जिसमें खिलाड़ियों से जुड़ी मजेदार बातें दिखाई गई थीं। इस वजह से मेटा चैनलों पर 16.3 बिलियन वीडियो प्ले आए (फेसबुक पर 9.7 बिलियन और इंस्टाग्राम पर 6.6 बिलियन)। इस इवेंट में वेब और ऐप दोनों प्लेटफार्मों पर यूजर्स की रिकॉर्ड-तोड़ संख्या देखी गई, जो 97.5 मिलियन तक पहुंच गई। यह 2019 संस्करण से 29% ज्यादा है। वेबसाइट पर पेज व्यूज 704 मिलियन तक बढ़ गए, जो 2022 पुरुष टी20 विश्व कप की तुलना में 96% की वृद्धि को दशार्ता है।

टी20 में सूर्यकुमार और टेस्ट में अश्विन-जडेजा का जलवा कायम, इंग्लैंड के साल्ट ने लगाई बड़ी छलांग

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

आईसीसी की ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के फिल साल्ट ने बड़ी छलांग लगाई है। वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि, भारत के सूर्यकुमार यादव की बादशाहत बरकरार है। अविश्वसनीय फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज साल्ट करियर की उच्चतम रेटिंग 802 पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में साल्ट ने 119 और 38 के स्कोर बनाए और 18 स्थान की छलांग लगाई है। तीसरे स्थान पर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान (787) उनसे 15 रेटिंग अंक पीछे हैं। साल्ट की छलांग के बावजूद सूर्यकुमार यादव 887 अंक के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन ने भी बल्लेबाजी रैंकिंग में छलांग लगाई है। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ 54* और 28 की पारियों के बाद 27 स्थान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गए। लिविंगस्टोन की ऑलराउंडर रैंकिंग में भी सुधार हुआ है और वह चार पायदान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके नाम 175 रेटिंग प्वाइंट हैं। मोईन अली और पाकिस्तान के शादाब खान बराबर नौवें स्थान (173) पर हैं। वेस्टइंडीज के बाएं हाथ के स्पिनर अकील होसेन ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आखिरी मुकाबले में चार ओवरों में 20 रन देकर दो विकेट लिए। इस प्रदर्शन की बदौलत वह श्रीलंकाई जोड़ी वानिंदु हसरंगा और महीश तीक्ष्णा (क्रमशः 679 और 677) को पछाड़कर दो स्थान ऊपर चौथे (683) पर पहुंच गए। गुडाकेश मोती ने एक ही मैच में 24 रन देकर तीन विकेट लिए और 75 स्थानों की छलांग लगाई, जबकि इंग्लैंड की ओर से रीस टॉपले दो मैचों में पांच विकेट की बदौलत 13 स्थान की छलांग के साथ शीर्ष 10 गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं।

इस बीच न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच वनडे सीरीज के साथ-साथ भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज के कारण रैंकिंग में कई छोटे-मोटे फेरबदल हुए हैं। शोरिफुल इस्लाम न्यूजीलैंड में बेहतरीन प्रदर्शन के कारण 24 स्थान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि भारत के युवा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 41 स्थान ऊपर चढ़ गए, हालांकि वह अभी भी शीर्ष 100 से बाहर हैं। बल्लेबाजी में, नजमुल हुसैन शांतो (नौ स्थान ऊपर 49वें स्थान पर) आगे बढ़े, जबकि दक्षिण अफ्रीका के टोनी डी जॉर्जी 39 स्थान आगे बढ़कर शीर्ष 100 में पहुंच गए। न्यूजीलैंड के खिलाफ सौम्य सरकार की 169 (151) रनों की शानदार पारी ने उन्हें 52 स्थानों पर चढ़ने में मदद की, जबकि संजू सैमसन भी 54 स्थानों की छलांग लगाकर 405 की रेटिंग पर पहुंच गए।

सौम्य सरकार ने क्राइस्टचर्च में द लिटिल मास्टर के 163* रन को पीछे छोड़ते हुए, न्यूजीलैंड में उपमहाद्वीप के किसी खिलाड़ी द्वारा सर्वोच्च वनडे स्कोर का सचिन तेंदुलकर का 13 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सैमसन ने पार्ल में नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए 108 (114) रन बनाए, क्योंकि भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में 296 रनों का बचाव करने में सफल रही। टेस्ट में भारत के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन शीर्ष गेंदबाज बने हुए हैं।

विश्व कप से पहले आखिरी तीन टी20 भी नहीं खेलेंगे हार्दिक

दर्पण न्यूज सर्विस
नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं। वह टखने की चोट से जूझ रहे हैं। हालांकि, वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से पहले फिट हो जाएंगे। हार्दिक भारत की वनडे विश्व कप टीम का हिस्सा थे। उन्होंने चार मैच खेले और पांच विकेट लिए थे। 19 अक्तूबर को बांग्लादेश के खिलाफ लीग स्टेज के मैच के दौरान टखने में चोट लगने के कारण वह टूनार्मेंट से बाहर हो गए थे। तब से वह मैदान पर वापसी नहीं कर पाए हैं।

हार्दिक ने तब से कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज और दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान तीन मैचों की टी20 और वनडे सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे। सूर्यकुमार यादव ने सभी टी20 मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जबकि केएल राहुल ने पांड्या और नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में वनडे मैचों में टीम का नेतृत्व किया। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि हार्दिक मुंबई के लिए कैसा प्रदर्शन करते हैं। इस टूनार्मेंट को जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम चयन का आधार माना जा रहा है। ऐसे में हार्दिक कप्तान रहते हैं या नहीं यह देखना दिलचस्प होगा। हार्दिक के अलावा सूर्यकुमार यादव भी चोटिल हैं और अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में रवींद्र जडेजा या श्रेयस अय्यर में से किसी एक को कप्तानी सौंपी जा सकती है। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज जून में वेस्टइंडीज/अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम की अंतिम टी20 सीरीज होगी। इसके मुकाबले 11 से 17 जनवरी तक खेले जाएंगे। हाल ही में हार्दिक गुजरात टाइटंस (जीटी) से अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस (एमआई) में चले गए। इस ऑलराउंडर ने जीटी के साथ दो महत्वपूर्ण साल बिताए और अपने अभियान का शानदार तरीके से नेतृत्व किया। 2022 में जीटी के डेब्यू सीजन में हार्दिक की टीम ने ट्रॉफी उठाई। वहीं, आईपीएल 2023 में एक रोमांचक फाइनल में अंतिम गेंद पर हारकर उपविजेता रहे।

हार्दिक को मुंबई इंडियंस ने नया कप्तान नियुक्त किया है। ऐसे में उनके पास बड़ी जिम्मेदारी होगी। वह रोहित शर्मा के रहते कप्तानी करेंगे। रोहित की कप्तानी में 2015 में हार्दिक ने आईपीएल डेब्यू किया था। गुजरात टाइटंस के लिए 31 मैचों में, पांड्या ने 37.86 की औसत और 133 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 833 रन बनाए, जिसमें छह अर्धशतक और 87* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। उन्होंने टीम के लिए 11 विकेट भी लिए थे, जिसमें 3/17 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हैं। हार्दिक ने 2015-2021 तक मुंबई इंडियंस के लिए 92 मैच खेले, जिसमें 153 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 27.33 की औसत से 1,476 रन बनाए, जिसमें चार अर्धशतक और 91 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है।

उन्होंने टीम के लिए 42 विकेट भी लिए। हार्दिक ने अब तक पांच आईपीएल ट्रॉफी जीती हैं, जिसमें से चार एमआई (2015, 2017, 2019, 2020) और जीटी (2022) के साथ हैं।

राहुल सेंचुरियन में शतक के साथ तेंदुलकर-कोहली के क्लब में शामिल, ऋषभ पंत को पीछे छोड़ा

दर्पण न्यूज सर्विस
सेंचुरियन

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सेंचुरियन में खेले जा रहे पहले टेस्ट में केएल राहुल ने बेहतरीन शतक जड़ा। उन्होंने टेस्ट करियर का आठवां शतक लगाया और कई रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की पहली पारी 245 रन पर सिमट गई। इसमें से 101 रन केएल राहुल के रहे। बाकी बल्लेबाज कुल मिलाकर 131 रन बना सके। वहीं, 13 रन एक्स्ट्राज से आए।

राहुल ने 137 गेंद की अपनी पारी में 14 चौके और चार छक्के लगाए। उन्होंने अपनी पारी में 80 रन बाउंड्रीज से बटोरे यानी कुल रन का 79.20 प्रतिशत रन उन्होंने चौके छक्के से बटोरे। यह टेस्ट में शतक लगाने वाले किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बाउंड्रीज से बटोरे गए तीसरा सबसे ज्यादा रन है। शीर्ष पर शिखर धवन और वीवीएस लक्ष्मण हैं। केएल राहुल सेंचुरियन में कई शतक लगाने वाले पहले मेहमान बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल का यह दक्षिण अफ्रीका और सेंचुरियन में दूसरा शतक रहा। सेंचुरियन में उन्होंने अपने लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाया। इससे पहले 2021 में सेंचुरियन में बॉक्सिंग डे टेस्ट में ही राहुल ने शतकीय पारी खेली थी। तब उन्होंने 248 गेंद पर नाबाद 122 रन बनाए थे। वह टेस्ट भारत ने जीता था।

दक्षिण अफ्रीका में भी राहुल का दूसरा शतक रहा। वह अफ्रीकी जमीन पर एक से ज्यादा शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। इस मामले में वह सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के क्लब में शामिल हो गए। तेंदुलकर ने दक्षिण अफ्रीकी जमीन पर टेस्ट में पांच शतक लगाए थे। वहीं, विराट और राहुल ने दो-दो बार ऐसा किया है। दक्षिण अफ्रीका में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले एशियाई बल्लेबाजों में भी राहुल दूसरे स्थान पर हैं। विराट-राहुल के अलावा पाकिस्तान के अजहर महमूद और श्रीलंका के समरवीरा ने ऐसा किया है। राहुल दक्षिण अफ्रीका में शतक लगाने वाले भारत के दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। इससे पहले ऋषभ पंत ने ऐसा किया था। हालांकि, राहुल ने एक मामले में पंत को जरूर पीछे छोड़ दिया। वह यह है कि राहुल अफ्रीकी जमीन पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाजों में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। राहुल ने 101 रन बनाए, जबकि पंत ने 2022 में नाबाद 100 रन की पारी खेली थी।

एशिया के बाहर टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाजों की लिस्ट में पंत चार शतक के साथ शीर्ष पर हैं। वहीं, विजय मांजरेकर, अजय रत्रा, ऋद्धिमान साहा और राहुल ने एक-एक शतक लगाए हैं। राहुल ने 2022 में जब सेंचुरियन में शतक लगाया था तो वह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं संभाल रहे थे।

बालीवुड दर्पण

भारत में छुट्टियां मनाने आई सिंगर दुआ हुई ट्रोल, यूजर्स बोले- इन्हें यहां कोई नहीं जानता

इंटरनेशनल पॉप सिंगर दुआ लीपा इन दिनों भारत में छुट्टियां मनाने के लिए आई हुई हैं। गायिका अपने परिवार के साथ भारत में छुट्टियां मनाने के लिए आई हैं, जहां वे खूब मस्ती करती हुई नजर आ रही हैं। बीते दिनों पॉप सिंगर राजस्थान में थीं। वहीं, अब गायिका दिल्ली में बंगला साहिब गुरुद्वारे माथा टेकने पहुंची थीं, जहां से उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। जानी-मानी गायिका होने के बाद भी दुआ लीपा भारत में स्वतंत्र घूम रही हैं, उन्हें यहां कोई पहचान नहीं रहा है। इसे लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया जा रहा है।

दुआ लीपा भारत क्रिसमस और न्यू ईयर मनाने के लिए आई हैं। पॉप सिंगर ने पहले राजस्थान का दौरा किया और फिर दिल्ली में हुमायूं के मकबरा और बंगला साहिब माथा टेकने के लिए पहुंचीं। दुआ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वह नीली जींस और काली टी-शर्ट पहने राजस्थान की सड़कों पर टहलते हुए दिख रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि पॉप सिंगर को स्थानीय लोग पहचान नहीं रहे हैं, जिसे देखकर सोशल मीडिया यूजर्स दुआ को ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'उदयपुर में विदेशियों का घूमना बहुत आम है, इसलिए कोई बड़ी बात नहीं है और जाहिर तौर पर स्थानीय लोगों को दुआ लीपा के बारे में पता नहीं होगा।' वहीं, दूसरे ने कहा, 'एक दिन में 5000 गोरे आते हैं राजस्थान, ये भी कोई ऐसी ही होगी।' एक और ने कहा, 'दुआ लीपा को स्वतंत्र रूप से घूमने दो, यहां उन्हें कोई नहीं जानता है।' वहीं, एक अन्य ने कहा, 'वह कितनी शांति से अपनी छुट्टियों का आनंद ले रही हैं, कोई भारतीय सेलिब्रिटी होता, तो उसका निकलना मुश्किल हो जाता।'

बीते दिन दुआ लीपा ने अपने परिवार के साथ दिल्ली दौरे की कुछ तस्वीरें फैंस के साथ साझा की थीं। दुआ ने अपने पिता डुकागजिन लीपा की सैर की कई तस्वीरें साझा कीं, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'भारतीय यात्रा नई दिल्ली से शुरू होती है।' उन्होंने हुमायूं के मकबरे और बंगला साहिब की भी तस्वीरें साझा की थीं। बता दें कि दुआ लीपा पहली बार भारत नहीं आई हैं, इससे पहले भी वे नवंबर 2019 में मुंबई में आयोजित एक संगीत समारोह में भाग लेने आई थीं। पॉप सिंगर दुआ लीपा ने तब भी कई स्थानों का दौरा किया था।

सलमान के जन्मदिन पर फैंस उत्साहित, गैलेक्सी के बाहर जुटी भीड़

सलमान खान अपना 58वां जन्मदिन मना रहे हैं। फैंस से लेकर सितारे तक उन्हें बर्थडे की बधाई दे रहे हैं। अब तक बहुत से सेलेब्स और फैंस उनके लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर चुके हैं। आइए 'भाईजान' के जन्मदिन से जुड़े अपडेट्स के बारे में जानते हैं। रवीना टंडन ने सलमान खान संग तस्वीरों की एक सीरीज साझा कर लिखा, 'मेरे पहले स्क्रीन हीरो सलमान खान को... जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, इस वर्ष और आने वाले कई वर्षों में, आपका सुपरस्टारडम हमेशा बढ़ता रहे... हमेशा ढेर सारा प्यार!'

रमेश तौरीनी ने अपनी और सलमान की तस्वीरों के साथ इंस्टाग्राम पर नए नोट साझा किया है। उन्होंने अभिनेता को खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। अभिनेता नील नितिन मुकेश ने प्रेम रतन धन पायो की शूटिंग के दौरान की एक तस्वीर साझा कर सलमान खान बर्थडे विश किया है। मैंने प्यार किया में साथ काम कर चुकी भाग्यश्री ने सलमान को उनके जन्मदिन पर प्यारे से कैप्शन के साथ बधाई दी है। उन्होंने लिखा, दोस्त को प्यार भरा हैप्पी बर्थडे।

सलमान खान और काजोल की दोस्ती काफी पुरानी है। कई फिल्मों में दोनों साथ काम कर चुके हैं। अभिनेत्री ने 'कुछ कुछ होता है' के एक फोटो के साथ एक्स पर सलमान को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अभिनेता को सुल्तान बताया है। करण जौहर ने इमोशनल नोट लिखकर सलमान खान को जन्मदिन की बधाई थी। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए पोस्ट में फिल्मकार ने कुछ कुछ होता है में काम करने के लिए अभिनेता का आभार व्यक्त किया है।

सलमान खान के जन्मदिन पर उनके करीबी दोस्त बॉबी देओल ने अभिनेता को खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा कर लिखा, ''मामू आई लव यू।'' सलमान को जन्मदिन की बधाई देने के लिए फैंस लगातार उनके घर के बाहर जुट रहे हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था का खास ख्याल रखते हुए पुलिस भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रही है। अभिनेता के घर फैंस को ध्यान में रखते हुए बैरिकेड लगाकर रखा गया है। पूरे देश में सलमान खान के लाखों फैंस हैं। अभिनेता की फिल्मों का उनके प्रशंसकों को बेस्ब्री से इंतजार रहता है। भाईजान के जन्मदिन पर आज फैंस की भीड़ उनके घर के सामने देखने को मिली।

रेड हॉट सिजलिंग बोल्ड स्विमसूट में उर्वशी रौतेला मेजर काइली जेनर वाइब्स परोसती हैं

बॉलीवुड सुंदरी उर्वशी रौतेला, जिन्होंने हमेशा अपने शानदार लुक और परिधान विकल्पों से प्रशंसकों को आश्चर्यचकित किया है, ने एक बार फिर इंटरनेट पर तूफान ला दिया है और एक आकर्षक लाल स्विमसूट में अपने जलवे बिखेरते हुए प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया है। अभिनेत्री ने अपनी बेबाक शैली का प्रदर्शन किया, जो किसी और से नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय फैशन आइकन काइली जेनर से मिलती जुलती थी। उर्वशी ने एक ब्रांड शूट से अपना एक वीडियो साझा किया और वीडियो में, हम देख सकते हैं कि उर्वशी के साहसी पोशाक में एक गहरी नेकलाइन थी जो उनके सुडौल फिगर को पूरी तरह से प्रदर्शित कर रही थी। स्विमसूट को लंबे ट्रेल, नेट हैंड ग्लव्स और गीले बालों के लुक के साथ ऊंचा किया गया था, जो ग्लैमर का एक अतिरिक्त स्पर्श जोड़ रहा था। अपने आकर्षक लाल होंठों और प्रचारित चश्मे के आकर्षण के साथ, उर्वशी ने बेहद कामुकता और हॉटनेस का परिचय दिया। इस आकर्षक पहनावे में उर्वशी द्वारा दिए गए पोज ने निर्विवाद रूप से प्रमुख काइली जेनर वाइब्स को परोसा, जो वैश्विक फैशन प्रभावकार के सार को दशार्ता है। उमस भरी निगाहों से लेकर संतुलित मुद्राओं तक, उर्वशी ने सहजता से काइली जेनर की याद दिलाने वाली ठाठ और ग्लैमरस शैली को अपनाया।

कमल हासन की बेटी श्रुति हासन ने बॉयफ्रेंड संग चोरी-छिपे की शादी

ओरी उर्फ ओरहान अवत्रामणि आए दिन सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। बता दें इस समय उनका एक बयान चारों और चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल उन्होंने सलार एक्ट्रेस श्रुति हासन को लेकर जानकारी साझा किया है। रेडिट पर आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान ओरी लोगों को सवालों के जवाब दे रहे थे इस दौरान ओरी ने बताया कि श्रुति हासन वो स्टार हैं जिन्होने ओरी को फालतू का एटीट्यूड दिखाया था। इस दौरान एक यूजर लिखा था, हाय ऑरी क्या कोई ऐसा सेलिब्रिटी है जिसने आपको फोटो के लिए पोज देते समय फालतू का एटिट्यूड दिखाया हो?

अगर आप नाम नहीं ले सकते तो बस इशारा कर दीजिए। ओरी ने जवाब दिया, ''श्रुति हसन, पोज देने के लिए । क्योंकि मैंने उससे कभी नहीं पूछा, बल्कि एक कार्यक्रम में वह मेरे प्रति बहुत अभद्र थी, जिसमें मैं वास्तव में उसे शामिल कर चुका था और मैं उसे जानता भी नहीं हूँ !बहुत बुरा लगा, लेकिन शायद कुछ गलतफहमी थी क्योंकि उसके पति के साथ मेरी अच्छी बनती है और मैं उसे पसंद करता हूँ। हम लोग इसको शॉर्ट कर लेंगे।'' ओरी के इस तरह के बयान के बाद फैंस ने श्रुति हासन से सवाल करना शुरू कर दिए कि क्या उन्होंने अपने बॉय फ्रेंड से शादी कर ली है।

ओरी ने यह बताया है कि श्रुति हासन के पति से उनकी अच्छी बनती है ओरी की यह बात सुनकर श्रुति के फैंस चौंक गए हैं। सोशल मीडिया पर फैंस कह रहे हैं कि श्रुति हासन ने शादी की बात अब तक क्यों छिपाई थी।हालांकि एक्ट्रेस ने अभी तक किसी तरह का रिएक्शन नहीं दिया है। जानकारी के लिए बता दें श्रुति हासन के मौजूदा कथित बॉयफ्रेंड का नाम शांतनु हजारिका है। लेकिन जिस तरह से सोशल मीडिया पर खबरें सामने आ रही हैं उससे लगता है कि वो अपने रिलेशनशिप को छिपा रही हैं।

काशी कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित होगा माता मनसा देवी परिसर

ज्ञान चंद गुप्ता ने श्राइन बोर्ड और प्रशासिक अधिकारियों के साथ बैठक कर साइट का दौरा किया

- ईशान कोण में बनेगी भव्य हनुमान वाटिका
- श्राइन बोर्ड करवाएगा निर्माण, एचएसवीपी से एक्सईएन की प्रतिनियुक्ति

विधान सभा सचिवालय में बुधवार को संत समाज, माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक करते विस अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता।

भुपेंद्र शर्मा

पंचकूला (दर्पण न्यूज सर्विस)।

विश्व प्रसिद्ध शक्ति पीठ श्री माता मनसा देवी मंदिर परिसर को भव्य रूप देने के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। मंदिर परिसर को काशी कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित करने का खाका तैयार कर लिया गया है। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने बुधवार को विधान सभा सचिवालय में पंचकूला जिला प्रशासन और माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के बाद मंदिर परिसर का मुआयना किया। इस अवसर पर धार्मिक क्षेत्र से संत समाज और वास्तुशास्त्र से जुड़े विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने बताया कि मंदिर परिसर में हनुमान वाटिका मुख्य आकर्षण का केंद्र बनेगी। रामभक्त हनुमान की भव्य प्रतिमा वाली यह वाटिका मुख्य मंदिर से ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में बनेगी। खुले आसमान के नीचे स्थापित इस प्रतिमा का मुख माता मनसा देवी के मुख्य मंदिर की तरफ रहेगा। बैठक में मौजूद ब्रह्मऋषि मिशन से जुड़ी अमृता दीदी ने कहा कि हनुमान 7 चिरंजीवियों में विशिष्ट स्थान रखते हैं। नगर में उनकी भव्य प्रतिमा की स्थापना होने से समाज में सौहार्द बढ़ेगा और विकास ने नए रास्ते खुलेंगे। इस अवसर पर प्रसिद्ध वास्तुकार रविशंकर ने अनेक सुझाव दिए। विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता इससे पूर्व 24 नवंबर को भी हरियाणा विधान सभा सचिवालय में श्राइन बोर्ड के साथ बैठक कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर के मुख्य गुंबज और प्रवेश मार्ग को नए सिरे से बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि माता मनसा देवी मंदिर शहर की विशिष्ट पहचान होने के साथ-साथ लोगों की आस्था का भी केंद्र है। वर्तमान में मुख्य कॉरिडोर में तीव्र मोड़ होने के कारण माता का मुख्य मंदिर दूर से दिखाई नहीं देता। इसलिए यहां मुख्य मंदिर के ठीक सामने से लंबा-चौड़ा कॉरिडॉर बनाया जाएगा। यह कॉरिडोर वर्तमान पुस्तकालय और वीटा बूथ के बीच से शुरू होकर मुख्य मंदिर तक सीधा रहेगा। वीआईपी प्रवेश में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नया निर्माण रुड़की स्थित सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार की गई ड्राइंग के अनुसार होगा। इस निर्माण पर 6.10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बैठक में पंचकूला के मेयर कुलभूषण गोयल, उपायुक्त सुशील सारवान, नगर निगम के उपायुक्त सचिन गुप्ता, श्राइन बोर्ड के सीईओ अशोक कुमार बंसल, सचिव शारदा प्रजापति, एसडीओ राकेश पाहुजा, कालका स्थित काली माता मंदिर के सचिव पृथ्वी राज मित्तल, श्राइन बोर्ड के सदस्य आरपी मल्होत्रा, रेखा बाली, हरबंस सिंगला, एचएसवीपी के एक्सईएन एन.के.पायल, लेखाधिकारी अमित कुमार और प्रसिद्ध वास्तुकार रविशंकर उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो पुलिसकर्मियों की दर्दनाक मौत

- कार में टक्कर मारने के बाद भाग रहे कैंटर चालक ने कुचला

दर्पण न्यूज सर्विस

डेराबस्सी।

देर रात करीब डेढ़ बजे बरवाला रोड पर पुरानी कैंटर यूनियन के पास गलत दिशा में आ रहे कैंटर और सामने से मोटरसाइकिल पर आ रहे पुलिस कर्मियों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक कैंटर समेत मौके से चंडीगढ़ की ओर भाग गया। जब पुलिस को इस बारे में पता चला तो उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने उसे पकड़ लिया. डेराबस्सी में मंगलवार देर रात एक हादसे में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई. रात करीब डेढ़ बजे एक तेज रफ्तार कैंटर ने गलत दिशा में जाकर बरवाला रोड पर गश्त कर रहे दो पुलिसकर्मियों को कुचल दिया। दोनों घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मृतकों की पहचान हरि सिंह (53) निवासी भांखरपुर और जसमेर सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार बीती रात करीब डेढ़ बजे बरवाला रोड पर पुरानी ट्रक यूनियन के पास गलत दिशा में कैंटर चलाते हुए सामने से मोटरसाइकिल पर आ रहे पुलिस कर्मी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक कैंटर समेत मौके से चंडीगढ़ की ओर भाग गया। जब पुलिस को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस को इसकी सूचना दी. इसके बाद आरोपी कैंटर ड्राइवर को चंडीगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. एएसपी डॉदर्पण अहलूवालिया ने बताया कि कैंटर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कैंटर चालक कार को टक्कर मारकर भाग रहा था

सूत्रों से पता चला है कि कैंटर का ड्राइवर कार को टक्कर मारकर भाग रहा था. जब कार चालक बरवाला रोड के पास डबल लेन सड़क पर चल रहा था तो कैंटर चालक विपरीत दिशा में तेज गति से कैंटर चलाने लगा। इसी दौरान सामने से गश्त पर आ रहे पुलिसकर्मियों की बाइक से टक्कर हो गयी. इसके बाद कैंटर चालक चंडीगढ़ की ओर भाग गया। हादसे के बाद कैंटर के पीछे आ रहा कार चालक वहीं रुक गया और पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस उसे अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतू नमो ड्रोन दीदी अभियान शुरूः सारवान

दर्पण न्यूज सर्विस

पंचकूला।

उपायुक्त सुशील सारवान ने कहा कि सरकार ने नमो ड्रोन दीदी अभियान चलाया है। इसके माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को 15 हजार ड्रोन मुहैया करवाए जाएगें ताकि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। उपायुक्त पिजोंर के गांव थापली में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस योजना से महिलाओं का आत्मबल बढेगा और महिलाएं नवीनतम कृषि कार्यो में बढचढ कर भाग लेंगी। स्वयं सहायता समूहों को सशक्त करना सरकार का मुख्य ध्येय है। इससे सहकारिता के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे और महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी तो वे देश व राष्ट्र के विकास में ओर अधिक भूमिका निभाएंगी। उपायुक्त ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र से युवाओं एवं महिलाओं को जोड़कर देश में नई क्रांति लाई जा सकती है। नमो ड्रोन दीदी महाअभियान की गूंज हर घर, गली और गांव में पहुंचेगी तो अभियान को नया आयाम मिलेगा और महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इस अभियान से ज्यादा से ज्यादा जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के लिए अन्न भण्डारण क्षमता को बढाने पर भी बल दे रही है। इससे विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में भण्डार गह बनाए जाएगें। इससे देश में अनाज भी सुरक्षित रहेगा और किसानों को अपने नजदीक ही अन्न भण्डारण की सुविधा उपलब्ध होगी।

पंजाब राजभवन के सामने सड़क पर बैठे चंडीगढ़ युवा कांग्रेस अध्यक्ष को पुलिस ने उठाया

चंडीगढ़। चंडीगढ़ पुलिस ने प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज लुबाना को पंजाब राजभवन के बाहर मौन व्रत पर बैठने से पहले ही उठा लिया। लुबाना जैसे ही राजभवन के पास पहुंचे, इंतजार में बैठी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। मनोज लुबाना ने बताया कि चंडीगढ़ के छह ज्वलंत मुद्दे हैं। इसे पूरा नहीं करने पर वे पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित से बात करना चाहते थे। लुबाना ने बताया कि वे इन सभी मुद्दों पर चर्चा करना चाहते है। इस संबंध में कई बार ज्ञापन भी दिए हैं। लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। इसलिए जवाब मांगने वे गवर्नर हाउस पहुंचे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें मौन व्रत पर नहीं बैठने दिया।

विधायक ने गांव डंगडेहरा में लगाए जा रहे नए ट्यूबवेल के काम का किया उद्घाटन

दर्पण न्यूज सर्विस

जीरकपुर।

लालड़ू क्षेत्र के गांव डंगडेहरा में अक्सर पीने के पानी की समस्या रहती थी, जिसे ध्यान में रखते हुए जल आपूर्ति एवं सैनिटेशन विभाग जल्द ही पानी की कमी से जूझ रहे लोगों को राहत देने जा रहा है। जिसके लिए विधायक कुलजीत सिंह के आदेश पर डंगडेहरा गांव में लंबे समय से चली आ रही पीने के पानी की कमी को देखते हुए जल सप्लाई एवं सेनिटेशन विभाग को नया ट्यूबवेल लगाने के आदेश दिए थे, जिसके लिए टेंडर के बाद आज विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने ट्यूबवेल लगाने के काम का उद्घाटन किया। जानकारी देते हुए विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने बताया कि जल आपूर्ति एवं सैनिटेशन विभाग ने गांव डंगडेहरा में 8 इंच का बोर लगाने का काम शुरू कर दिया है, जिसकी गहराई 325 मीटर की होगी। इस ट्यूबवेल को लगाने में करीब 27 लाख रुपये की लागत आएगी और जल्द ही यह नया ट्यूबवेल गांव में और बगल का गांव साधापुर में पानी की कमी को दूर करने में मदद करेगा। रंधावा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार लोगों को बुनियादी सुविधाएं, पारदर्शी, प्रभावी और जवाबदेह प्रशासन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार राज्य के प्राचीन गौरव को बहाल करने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह दिन दूर नहीं जब राज्य सरकार के अथक प्रयासों से पंजाब देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरेगा। रंधावा ने कहा कि उनकी सरकार ने भावी पीढ़ियों के लिए 'रंगाला पंजाब' बनाने के लिए पहले ही एक व्यापक योजना तैयार कर ली है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछले शासकों ने लोगों की परवाह न कर अपने घर भरने की नीति पर पंजाब को लूटा और पीटा है।, लेकिन वे शांति, प्रगति और समृद्धि के एक नए युग की शुरूआत के लिए निरंतर डेराबस्सी विधानसभा के कोने-कोने में जाते हैं। इस कार्य के लिए आम आदमी पार्टी कार्यकताओं और गांव के लोगों ने लंबे समय से चली आ रही पीने के पानी की समस्या से निजात दिलाने के लिए विधायक कुलजीत सिंह रंधावा का धन्यवाद किया।

संक्षिप्त-समाचार

गिल कॉलोनी रेजिडेंट एसोसीएशन का सर्वसम्मति से हुआ चुनाव, अमरजीत तनेजा बने अध्यक्ष

जीरकपुर। बलटाना स्थित गिल कॉलोनी रेजिडेंट्स एसोसिएशन का चुनाव स्थानीय दुर्गा माता मंदिर में सर्व समिति से किया गया, जिसमें अमरजीत तनेजा को अध्यक्ष बनाया गया। इस मौके अमरजीत तनेजा ने भरोसा दिलाया के सबसे पहले वह कॉलोनी की साफ सफाई की ओर ध्यान देने के साथ-साथ कॉलोनी के गेट पर दो चौकीदार रखे जाएंगे, कॉलोनी की सड़कों पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाएंगे ताकि किसी भी तरह की कोई घटना से बचा जा सके। अमरजीत तनेजा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मौके बाकी पदाधिकारी भी बनाए गए जिनमें सीबी शर्मा को चेयरमैन, सतपाल त्यागी को उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह दहिया को जनरल सेक्रेटरी, सुभाष शर्मा, शकुंतला शर्मा तथा रवीना अग्रवाल को सचिव बनाया गया। इसके अलावा भागीरथ गुलरिया को सलाहकार नियुक्त किया गया तथा संगीता जैन को कैशियर बनाया गया।

पुलिस ने वेरिफिकेशन करवाने के लिए मकान मालिकों को नोटिस निकालने शुरू किए

जीरकपुर। जीरकपुर शहर में विभिन्न शहरों तथा राज्यों से प्रतिदिन लोग आकर बस रहे हैं। जिसके चलते लोग कुछ तो अपना मकान या फ्लैट खरीद कर रहने लगते हैं और कुछ लोग किराए का मकान लेकर रहते हैं। लेकिन किराए पर मकान लेते समय ज्यादातर लोग पुलिस वेरिफिकेशन नहीं करवाते जिसके चलते क्षेत्र कई तरह की वारदातें हो रही है। इसके मध्य नजर बलटाना क्षेत्र में मकान मालिकों को नोटिस जारी किए गए हैं। इस संबंधी जानकारी देते हुए पुलिस चौकी बलटाना के प्रभारी अजय कुमार ने बताया के उनको एस पी रूरल मनप्रीत सिंह तथा डीएसपी जीरकपुर विक्रमजीत सिंह बराड़ द्वारा निर्देश मिले हैं के ऐसे मकान मालिकों को नोटिस जारी किए जाएं जिन्होंने अपने किराएदारों की पुलिस वेरिफिकेशन नहीं करवाई है। आज की यह कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निदेर्शों पर की गई है जो के आने वाले दिनों में भी जारी रहेगी।

नशे की पूर्ति करने के लिए वाहन चुराने वाले को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़। कंवरदीप कौर एसएसपी चंडीगढ़ के निदेर्शानुसार मृदुल एसपी-सिटी के मार्गदर्शन में और एसडीपीओ/सेंट्रल की देखरेख में पुलिस थाना-17 एसएचओ के नेतृत्व में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय करन कुमार निवासी बुड़ैल सेक्टर-45 के रूप में हुई। आरोपी के खिलाफ 24 दिसंबर को पुलिस स्टेशन सेक्टर-17 में आईपीसी की धारा 411, 471, 473 के तहत केस दर्ज किया गया था। इसी मामले में एक चोर को गिरफ्तार करके बड़ी सफलता हासिल की है। उपरोक्त मामले की एफआईआर एएसआई यसपाल की शिकायत पर दर्ज की गई थी जिसमें उन्होंने बताया था कि 24 दिसंबर को उन्होंने पुलिस पार्टी के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा था, जब वह फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर लगाकर एक्टिवा पर सवार होकर आ रहा था। सत्यापन के दौरान पाया गया कि करन ने लगभग दो दिन पहले स्कूल सेक्टर-45/ए चंडीगढ़ के पास से एक एक्टिवा चोरी की थी और वह एक्टिवा पर आगे की तरफ फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट सीएच-01बीएफ-7961 और पीछे की ओर सीएच-01बीटी-7531 लगाकर चला रहा था। जांच के दौरान आरोपी करन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया और एक्टिवा को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। आगे की जांच के दौरान, आरोपी का पुलिस रिमांड हासिल किया गया और पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी के खुलासे पर तीन मोटर साइकिलें और एक कार भी बरामद की गई, जो पुलिस स्टेशन सेक्टर-17 के क्षेत्राधिकार में चोरी हुई थी। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद 6 केस का निपटारा किया गया जिसमें से चार केस सेक्टर-17 पुलिस थाना और 1-1 एक पुलिस थाना-34 और मलोया में दर्ज थे। आरोपी को पुलिस थाना मनीमाजरा में दर्ज दो चोरी के मामलों में भी शामिल पाया गया है। वह नशे का आदी है और ड्रग्स खरीदने के लिए पैसे जुटाने के लिए सभी वाहनों को संयुक्त रूप से किसी को बेचना चाहता था।

मेयर चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने दिया तैयारियों को अंतिम रूप

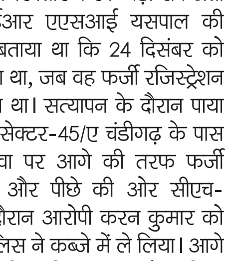

चंडीगढ़। मेयर चुनाव को ज्यादा समय नहीं रह गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे हुए है। वहीं दूसरी ओर आम आदमी नेता (आप) के नेता प्रेम गर्ग ने कहा कि हमारी नागरिकता की मूल धारा राजनीति को साफ और सत्यनिष्ठ बनाने के लिए है। हम सभी को यहां नजर रखनी चाहिए कि जनता की मतदान से प्राप्त मैंडेट को सम्मानित किया जाए। मेयर का पद सिर्फ और सिर्फ उसी पार्टी को सौंपा जाना चाहिए, जिसे जनता ने स्वतंत्र रूप से चुना हो। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी का यह संकल्प हो कि हम इस मूल नीति का पालन करेंगे और लोकतंत्र की भावना को सम्मानित करेंगे, तभी चंडीगढ़ की जनता को लोकतंत्र पर आधारित मेयर मिल सकता है। प्रेम गर्ग का ये भी कहना है कि ऐसा कानून बनाएं जिसमें मेयर का चुनाव हाथ खड़े करके किया जाए, नाकि सीक्रेट बैलट द्वारा। संसद और राज्य विधानसभाओं की तरह नगर निगम के नेता के चुनाव में हाथ खड़ा करने से खरीद फरोख़्त और मेयर चुनाव में पैसे का लेन देन खत्म होगा। नगर निगम में एंटी डिफेक्शन कानून लगाना, साफ सुथरी राजनीति की तरफ एक सार्थिक कदम होगा।

सीबीआई ने सीएफएसएल की जांच रिपोर्ट पेश करने के दिए आदेश

चंडीगढ़। फिरौती से जुड़े एक केस फंसाने की धमकी दे एक लाख रुपये की रिश्वत लेने के मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग की कराई गई सीएफएसएल की जांच रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं। रिश्वत कांड के इस चर्चित मामले में पेश की जाने वाली यह रिपोर्ट इसलिए भी अहम सबूत है क्योंकि इसमें आरोपियों की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग की है। मामले में करीब पांच माह पहले 31 जुलाई को सीबीआई ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज करते हुए भाजपा नेता के भाई मनीष उर्फ बबलू दुबे, स्क्रैप डील अनिल गोयल उर्फ कोकी और चंडीगढ़ पुलिस के कांस्टेबल पवन के खिलाफ केस दर्ज किया था।

राज्य स्तरीय कला उत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

दर्पण न्यूज सर्विस

पंचकूला।

राज्य स्तरीय कला उत्सव का पंचकूला के सेक्टर 1 स्थित जैनेंद्र आत्म ऑडिटोरियम में आज समापन हो गया। समापन अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी सतपाल कौशिक ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की तथा पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी सतपाल कौशिक ने विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न कलाओं में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए हरियाणा का शिक्षा विभाग सदैव प्रयासरत है और उसी का एक भाग एक कला उत्सव है। जिला परियोजना अधिकारी कमलेश चौहान ने विभिन्न जिलों से आए हुए विद्यार्थियों का अभिनंदन व धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके सहयोग के बिना राज्य स्तरीय कार्यक्रम को सफल बनाना संभव नहीं था। विद्यार्थियों की विभिन्न विधाओं में किया गया प्रदर्शन भी अनुकरणीय रहा। सहायक परियोजना अधिकारी अनु ने बताया कि दो दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव में एकल शास्त्रीय नृत्य वर्ग लड़कियों के मुकाबले में हिसार जिले की पाखी ने प्रथम, भिवानी जिले की नालिशा ने द्वितीय तथा फरीदाबाद की लक्ष्मी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शास्त्रीय नृत्य के एकल लड़कों के मुकाबले में पानीपत के वंश ने पहला, गुरुग्राम के पल्लिव खुराना ने दूसरा तथा महेंद्रगढ़ के साहिल ने तीसरा स्थान हासिल किया। एकल लोक नृत्य के लड़कों के मुकाबले में फतेहाबाद के कृष्ण ने पहला, रोहतक के अमन ने दूसरा व यमुनानगर के पीयूष कपूर ने तीसरा स्थान हासिल किया। एकल लोक नृत्य लड़कियों के मुकाबले में सोनीपत की तनीषा ने प्रथम, चरखी दादरी की रितु ने द्वितीय तथा सिरसा की सानिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि विजुअल आर्ट्स त्रटॉय एंड गेम) के लड़कों के मुकाबले में पानीपत के विकास ने प्रथम झज्जर के दीपांशु तथा सोनीपत के बादल पूनिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार से विजुअल आर्ट्स (टॉय एंड गेम) में लड़कियों के मुकाबले में पानीपत की गुलनाज ने प्रथम, हिसार की तनु ने द्वितीय तथा पंचकूला की हरप्रीत कौर ने तीसरा स्थान हासिल किया। विजुअल आर्ट श्री डाइमेंशनल लड़कियों के मुकाबले में गुरुग्राम की राहत प्रवीण ने प्रथम, पानीपत की वंशिका ने द्वितीय तथा पंचकूला की सीमा परवीन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

ड्यूटी कर रहे सीनियर कांस्टेबल से महिलाओं ने की गाली-गलौज

चंडीगढ़। लोगों को कानून सीखना और पढ़ाना पुलिस के लिए भी जी का जंजाल बनता जा रहा है। ऐसे कई केस सामने आए है जिनमें पुलिस पर जनता की ओर से हमले, मार-पिटाई और गाली गलौज हुई है। सुखना लेक पर 26 दिसंबर को ऐसा ही एक और वाक्या हो गया। जहां पर एक सीनियर कांस्टेबल के साथ दो महिलाओं ने गाली-गलौज कर उस पर हमला कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुखना लेक के पस बने पुलिस बीट बॉक्स पर सीनियर कांस्टेबल अनिल कुमार ड्यूटी दे रहे थे। तभी वहां वहां पर दो महिलाएं आई जो कानून तोड़ रही थीं। उनकी पहचान 31 वर्षीय लावण्या पूरी जोकि चंडीगढ़ की रहने वाली है और 32 वर्षीय सन्नी निवासी फेज-4 सैनी विहार बलटाना के रूप में हुई। सीनियर कांस्टेबल की ओर से इन दोनों महिलाओं को नियम तोड़ने से रोका गया तो दोनों ने एकाएक उस पर हमला कर दिया। इस बात को लेकर पुलिस थाना-3 में आईपीसी की धारा 186, 332, 353, 419 और 34 के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

गुप्ता ने यवनिका गार्डन के ओपन एयर थियेटर व पार्क का दौरा किया

दर्पण न्यूज सर्विस

पंचकूला।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने बुधवार को सेक्टर-5 स्थित यवनिका गार्डन के ओपन एयर थियेटर व पार्क में प्रतिदिन सैर करने वाले लोगों को दी जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को पार्क में स्थित शौचालय व अन्य व्यवस्थाओं को तुरंत दुरूस्त करने के निर्देश दिए। गुप्ता ने बताया कि उन्होंने यवनिका पार्क में बीजेपी के कार्यकर्ताओं की टिफन बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है, इस बैठक में लगभग 550 कार्यकर्ता भाग लेंगे। सभी कार्यकर्ता अपने अपने घरों से टिफन में खाना लेकर आएंगे और सभी टिफन एक जगह इक्टठे करके रख दिए जाएंगे और जो भी टिफन जिस भी कार्यकर्ता के हाथ लगेगा वो उसी का खाना खाऐगा। उन्होंने बताया कि कोई भी कार्यकर्ता अपने घर से लाए गए टिफन का खाना नहीं खाऐगा बल्कि दूसरे के टिफन का खाना खाएगा। गुप्ता ने बताया कि टिफन बैठक कार्यकताओं में प्यार और तालमेल को बढ़ाने के लिए की जा रही है। टिफन बैठक के दौरान कुछ खेलों का भी आयोजन किया जाएगा, जिनमें कबड्डी, रस्सा कस्सी शामिल है। इसके अलावा आपस में बैठकर हंसी मजाक और कविता के माध्यम से मनोरंजन भी किए जाएंगे। इस अवसर पर बीजेपी के जिला प्रधान अजय शर्मा, करनाल के प्रभारी दीपक शर्मा, योगेंद्र शर्मा, जिला उपप्रधान हरेंद्र मलिक, डीपी सिंगल, डीपी सोनी सहित बीजेपी के कार्यकर्ता व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष माता के दरबार में हुए नत्मस्तक

दर्पण न्यूज सर्विस

पंचकूला।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने बुधवार को श्री माता मनसा देवी मंदिर पंहुचकर माता के दरबार में माथा टेका और महामायी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके उपरांत हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने सेवा दल द्वारा संचालित दो मोबाईल भंडारा वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पंचकूला के उपायुक्त सुशील सारवान, साध्वी डॉ अमृता दीदी विराठनगर, सीईओ अशोक बंसल भी उपस्थित थी। गुप्ता ने कहा कि श्री माता मनसा देवी सेवा दल धर्मार्थ भंडारा कमेटी ट्रस्ट पिछले काफी समय से गरीब व जरूरतमंद ट्राई सिटी के लोगों को खाना खिलाकर उनकी सेवा कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस ट्रस्ट ने कोरोना काल में भी मास्क, सेनिटाईजर व दवाईयों से कोरोना के मरीजों की सेवा की है। दो वैन के आ जाने से दूर दराज के क्षेत्र के लोगों को भोजन सर्व करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा ये ट्रस्ट 8 वैन के माध्यम से लोगों को मुफ्त भोजन खिला कर सेवा भावना से काम कर रहा है। इस अवसर पर पर से सेवा दल धर्मार्थ भंडारा कमेटी के प्रधान किशोरी लाल बंसल, उपप्रधान रामनिवास बंसल, महासचिव सिद्धार्थ गुप्ता, सचिव संजय गुप्ता तथा अन्य सदस्य मौजूद थे।

जागरुकता | संकट में फंसे यात्रियों को त्वरित प्रतिक्रिया और सहायता सुनिश्चित करता है

वाहन सुरक्षा सुविधाओं पर नुक्कड़ नाटक की पेशकश

- सार्वजनिक सेवा वाहनों में पैनिक बटन की रणनीतिक नियुक्ति और कार्यक्षमता का प्रदर्शन किया

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़।

सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने के एक समर्पित प्रयास में, राज्य परिवहन प्राधिकरण, सेक्टर 18-ए, चंडीगढ़ ने आम जनता को सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित महत्वपूर्ण वाहन स्थान ट्रैकिंग डिवाइस और पैनिक बटन के बारे में सूचित करने के लिए एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। प्रदर्शन में सार्वजनिक सेवा वाहनों में पैनिक बटन की रणनीतिक नियुक्ति और कार्यक्षमता का प्रदर्शन किया गया। जनता को सूचित किया गया कि आपातकालीन स्थितियों में, पैनिक बटन दबाने से वास्तविक समय में अलर्ट चालू हो जाता है जो राज्य परिवहन प्राधिकरण में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (सी एंड सीसी) और आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस-112) तक पहुंच जाता है। यह संकट में फंसे यात्रियों को चिकित्सा सहायता, अग्नि सहायता, पुलिस हस्तक्षेप आदि सहित त्वरित प्रतिक्रिया और सहायता सुनिश्चित करता है। चंडीगढ़ के सेक्टर 18 में राज्य परिवहन प्राधिकरण का कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (सी एंड सीसी) उन्नत सॉफ्टवेयर के माध्यम से सार्वजनिक सेवा वाहनों की 24/7 वास्तविक समय ट्रैकिंग बनाए रखता है। यह सक्रिय दृष्टिकोण यात्रियों के लिए सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत जोड़ता है, जिससे किसी भी अप्रिय घटना के मामले में तत्काल प्रतिक्रिया की अनुमति मिलती है। राज्य परिवहन प्राधिकरण के सचिव रूपेश कुमार, आईएएस ने इस बात पर जोर दिया कि जनता को दृढ़ता से सलाह दी जाती है कि वे वाहन स्थान ट्रैकिंग उपकरणों और पैनिक बटन से लैस केवल उन सार्वजनिक सेवा वाहनों का उपयोग करें या किराए पर लें। यह उपाय यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने, एक सक्रिय और उत्तरदायी परिवहन प्रणाली में योगदान देगा।